हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

11 मार्च, 1985

खण्ड 1, अंक 2

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 11 मार्च, 1985

पृश्ठ संख्या

सदस्यों द्वारा भापथ/प्रतिज्ञान	(2)1
वाक आउट	(2)3
सदस्यों द्वारा भापथ/प्रतिज्ञान (पुनरारम्भ)	(2)4
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(2)4
वाक आउट	(2)24
तारांकित प्र ान एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(2)24
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(2)26
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(2)39
सरकारी संकल्पः–	
भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई देने संबंधी	(2)88
ध्यानाकर्शण सूचनाः–	
राज्य में कृशि क्षेत्र को कम बिजली देने तथा किसानों	(2)91

को कम नहरी पानी दैने आदि सम्बन्धी	
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा	(2)92
प्वायंट आफ आर्डरः–	
स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या पर राज्यपाल के अभिभाशण के दौरान चर्चा संबंधी।	(2)92
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)94
बैठक का स्थगन	(2)124
प्वायंट आफ आर्डरः–	
सदन के किसी सदस्य द्वारा किसी अन्य सदस्य को सदन में धमकी देने या धमकाने सम्बन्धी	(2)126
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)128

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 11 मार्च, 1985

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

सदस्यों द्वारा भापथ/प्रतिज्ञान

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब बाई–इलैक ान में चुने हुए मैम्बर्ज को ओथ/अफर्मे ान आफ ऐलीजियैन्स टू दि कांस्टिच्यू ान होगी। ओथ लेने के बाद आनरेबल मैम्बर सैक्रेटरी के टेबल पर रखे गए रोल ऑफ मैम्बर्ज पर साईन करेंगे। श्री अजमत खां।

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, किसी तरह का चुनाव नहीं हुआ है। जिस ढंग से चौधरी भजन लाल जी ने डिफैक्टर्ज की सरकार बनाई थी और इनकी कोई मैजोरिटी नहीं थी उसी तरह ..... से यह इन मैम्बर्ज को जिवा कर लाए हैं। (ाोर) स्पीकर साहब, अगर चौधरी भजन लाल जी जामो जी की कस्म खा कर यह कह दें कि भूना में और टोहाना में एक भी वोट ईमानदारी से पड़ा हो तो मैं मान जाऊंगी। पहले लीलाकृश्ण जी भी ऐसे ही चुनकर आए थे लेकिन हाईकोर्ट ने उनके इलैक ान को नाजायज करार दे दिया था। अब

इसी तरह से ये लोग चुनर आए हैं। मैं समझती हूं कि यह प्रजातंत्र की हत्या है। (ाोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मेरा भी प्वायंट आफ आर्डर है। जो कुछ इन्होंने आपकी इजाजत के बिना कहा है, वह ऐक्सपंज होना चाहिए। दूसरी बात यह है कि सारा दे ा जानता है कि पार्लियामैंट के इलैक ान में इनका क्या हाल हुआ था और अब असैम्बलीज के बाई–इलैक ान्ज में क्या हाल हुआ है। (ाोर) स्पीकर साहब, अगर जरा भी इनका इखलाक हो, जमीर हो तो इनको इस्तीफा दे देना चाहिए। (ाोर) किसी भी सैगमैंट में किसी भी असैम्बली हल्के में इनका उम्मीदवार नहीं जीता। इसलिए इनको इस तरह की बात कहने और असैम्बली का मैम्बर रहने का कोई अधिकार नहीं है। ये बौखलाए हुए हैं क्योंकि यह एक ऐसी जीत है जिससे रिकार्ड कायम हुआ है। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: चौधरी साहब, आप बैठिए। आनरेबल मैम्बर्ज, जो आदमी चुन कर आए हैं, उन्होंने भापथ तो लेनी ही हे। इसलिए आप कृपया भाोर न करें और उनको भापथ लेने दें।

श्री वीरेन्द्र सिंह: आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर सर, जैसा आपने फरमाया, इसमें कोई भाक–सुबह नहीं कि जो लोग चुन कर आए हैं उन्होंने भापथ तो लेनी ही है। हमें इसमें कोई आपति नहीं क्योंकि इलैक ान हो चुका है, रिजल्ट

डिक्लेयर हो चुका है ओर इलैक ान पैटि ान के अलावा कोई चारा नहीं है, परन्तु स्पीकर साहब, मैं आपके सामने यह अर्ज करना चाहता हूं कि बूथ कैप्चरिंग के इंस्टांसिज बिहार और उत्तर प्रदे ा में तो हमने सुने थे लेकिन .....

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जब मैं आपकी परमि ान से कह रहा हूं then why should it not be recorded? अगर कुछ रिकार्ड ही नहीं होना है तो मैं बैठ जाता हूं।

श्री अध्यक्षः आप ठीक बात कहें।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, गुजारि ा यह है कि अगर मुख्य मंत्री जी पोलिंग एजेन्ट होते, इलैक ान एजेन्ट होते, तब तो बात कुछ और थी लेकिन मुख्य मंत्री की हैसियत से यदि ये पोलिंग बूथस पर जाएं, ओफि ियल कार में जाएं, डी0आई0जी0 (सी0आई0डी0), डी0आई0जी0, हिसार रेंज, 50 पुलिस कांस्टेबल्ज और 50 कांग्रेस (आई) पार्टी के लोग इनके साथ हों तो इसे हम क्या कह सकते हैं ? अध्यक्ष महोदय, हमारे एक कार्यकर्ता श्री धर्म सिंह लाठर को पीटा गया। 12 चोटें उस आदमी के जिस्म पर आई हैं। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि टोहाना का एम0एल0ए0 इलैक्टिड एम0एल0ए0 नहीं है बल्कि नकली एम0एल0ए0 हैं। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा कि मुख्य मंत्री खुद बूथस पर गए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैं हिसार में ठहरा हुआ था और मेरे पास यह इतलाह आई कि सारे अपोजि ान के मैम्बर्ज टोहाना पहुंच गए हैं और वे एक–एक बूथ को कैप्चर करेंगे। इसलिए मुझे इसका पूरा इन्तजाम करना चाहिए। मैंने डी0सी0 ओर एस0पी0 को हिदायत दी कि बूथ कैप्चरिंग किसी हालत में न होने पाए। मैं टोहाना रैस्ट हाउस में बैठूंगा ताकि कोई बदमा ाी न करे और किसी आदमी को वोट डालने से न रोके। (ाोर) मैं यह बात ओन ओथ कह रहा हूं। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, फिर मेरे पास इतलाह आई कि चौधरी देवी लाल जी एक बूथ के अन्दर खड़े हैं, उनका सुपुत्र चौधरी ओम प्रका ा दूसरे बूथ में खड़ा है और भूना में श्रीमती चन्द्रावती और सम्पत सिंह जी खड़े हुए हैं और वे किसी को वोट डालने नहीं देते। अध्यक्ष महोदय, मुझे यह भी बताया गया कि चौधरी देवी लाल महिला वोटर से पूछते हैं कि आपका नाम क्या है ? जब वह कहती है कि सरबती तो वे पूछते है कि आपके पति का नाम क्या है ? अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां सामाजिक रिवाज कुछ ऐसा है कि महिलाएं आपने पति का नाम नहीं लेती लेकिन मजबूर होकर अगर किसी महिला ने बता ही दिया कि उसके पति का नाम मनफूल है तो उससे पूछा गया कि आने ससुर का नाम बताओ। झिझक कर उसने वह भी बताया। इस तरह से एक एक वोटर के ऊपर जब चौधरी देवी लाल जी ने एक एक घंटा लगा दिया और डराने धमकाने लगे तो डर के मारे सारे

के सारे लोग जाने लगे। मैंने कहा यह तो बूरी बात है। मैं उस बूथ पर गया जहां चौधरी देवी लाल जी बूथ के अन्दर खड़े थे। मैं बूथ के अन्दर नहीं गया बल्कि बाहर खड़ा था। मैंने चौधरी देवी लाल जी को बूथ के अन्दर से बाहर बुलवाया और उनसे पूछा कि चौधरी साहब आप बूथ के अन्दर कैसे आ गए ? उन्होंने जेब से एक कागज निकाल कर मुझे बताया कि वे भयाम लाल सरदाना के पोलिंग एजेन्ट/इलैक ान एजेन्ट हैं। मैंने उनसे कहा कि चौधरी देवी लाल जी, कया आप अब इलैक्शन एजेन्ट बनने के लायक ही रह गए हो ? कुछ तो सोचो ? मैंने उनसे यह भी कहा कि अगर आप लोगों को वोट डालने से रोक रहे हैं तो मेहरबानी करके आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। लेकिन उन्होंने कहा कि हम तो रोकेंगे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, फिर इन्होंने कहा कि सारे नकली वोट डलवाए गए। अध्यक्ष महोदय, टोहाना में लोक दल के नुमायंदे को 3200 वोट और सी0पी0एम0 के प्रतिनिधि को 1200 वोट डले हैं। अगर वहां सारे वोट्स नकली डाले गए हैं तो इनको इतने वोट कैसे डले ? स्पीकर साहब, अगर एक भी आदमी का वोट ये नकली साबित कर दें तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हाउस के पिल्लर पर जो लिखा हुआ है उसे देख कर इन्हें बोलना चाहिए। (ाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः हाई कोर्ट के जज से इंक्वायरी करवाएं, हम भी इस्तीफा दे देंगे। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कृपया बैठिए।

वाक आउट

श्री अध्यक्षः आनरेबल, मैम्बर्ज, श्री अजमत खां जी काफी देर से मेरे पास खड़े हैं। यह कोई अच्छी बात नहीं। अब आप कृपया भाांत हो जाएं और इन्हें भापथ लेने दें। (विघ्न)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हम तो फिर बतौर प्रोटैस्ट वाक आउट कर रहे हैं।

(इस समय विरोधी पक्ष के सभी सदस्य वाक आउट कर गए।)

सदस्यों द्वारा भापथ/प्रतिज्ञान (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः अब नये मैम्बर्ज को ओथ दिलाई जाएगी।

The following members then made the prescribed oath/affirmation of allegiance to the Constitution, one by one:-

1	Sh. Azmat Khan	Nuh
2	Sh. Hanuman Singh	Tohana
3	Sh. Sube Singh	Uchana Kalan

Signed the roll of Members and took their seats in the House.

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहिबान, अब सवाल होंगे।

Violation of Section 3 of the Punjab Scheduled Roads and Controlled Area Restriction of Un-Regulated Development Act, 1963 in the State.

***803. Sh. Kanwal Singh:** Will the Chief Minister be pleased to refer to unstarred question No. 117, answered on 13-3-1984, and state:-

(a) the action, if any taken against the persons/companies who have erected buildings in contravention of section 3 of the Punjab Scheduled Roads and Controlled Area Restriction of Un-regulated Development Act, 1963, as referred to in the reply to the said unstarred question;

(b) whether any officers/officials have been held responsible for their negligence or complicity in not checking the contravention of the Act, as referred to in part(a) above; if so, the action, if any, taken against such employees;

(c) the date wise details of the unauthorized constructions, as referred to in part(a) above, made, separately; and

(d) the steps, if any, taken or proposed to be taken to check the violation of the Act, as referred to in part(a) above?

श्री अध्यक्षः इस प्र न के लिए गवर्नमैंट ने एक्सटैं ान मांगी है जो कि ग्रांट कर दी गई है। इस बारे में संबंधित मंत्री से आया पत्र इस प्रकार हैः—

Interim reply

"Bhajan Lal D.O. No. 2100-80P-85/3507,

Chief Minister, Haryana

Chandigarh

March, 6, 1985

Subject: Starred Assembly Question No. 803 asked by Sh. Kanwal Singh, M.L.A.

My dear S. Tara Singh Ji,

Kindly refer to the subject noted above.

2. The Starred Assembly Question No. 803 asked by Sh. Kanwal Singh, M.L.A. has been fixed for 11-3-1985. In the said question further information is being sought on the basis of the reply furnished to Unstarred Question No. 117. The information which is being sought is very detailed and includes date wise details of un-authorised constructions, action taken both against the offenders as well as the officers/officials responsible for the alleged negligence with regard to these offences. It is not possible to supply the desired information in such a short period of time. I would,

therefore, request you to kindly give a period of four weeks more to reply to this question.

With kind regards,

Yours sincerely,

Sd/-

(Bhajan Lal)

Sh. Tara Singh,

Speaker,

Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh."

Line Losses

***800. Ch. Balvir Singh Grewal:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the percentage of line losses occurred in the State during the years 1981-82, 1982-83 and 1983-84 together with the steps, if any, taken or proposed to be taken to reduce such losses?

Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala): The requisite information is laid on the Table of the House (Annexure-A)

ANNEXURE-'A'

The percentage of line losses occurred in the State during the years 1981-82, 1982-83 and 1983-84 are as under:-

1981-82	20.6%
1982-83	19.6%
1983-84	19.5%

The following steps are taken to reduce the line losses:

(i) Installation of HT & LT Capacitors.

(ii) Strengthening of transmission and distribution system by energizing new grid sub-stations and augmenting the capacity of existing ones.

(iii) Vigorous checking of consumers installations through Vigilance squads for preventing theft of energy.

(iv) Re-alignment and augmentation, of HT/LT system through system improving schemes.

(v) Feeder-wise accounting of energy to identify and monitor occurrence of line losses area wise.

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि जो तीन साल के लाईन लौसिज दिखाये गये हैं क्या ये नै ानल एवरेज से कम हैं या ज्यादा हैं ? लाईन लौसिज के विशय में गवर्नर एड्रैस में जिकर है। इसलिए जो 15–20 साल पूरानी लाइनें हैं उन्हें रिप्लेस करने का क्या सरकार का इरादा है या नहीं, क्योंकि उनकी वजह से लाईन लौसिज बढ़ रहे हैं। दूसरे क्या लाईन लौसिज को कम करने के लिए नई लाईनें बिछाने का इरादा है या नहीं ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, आल इंडिया स्तर पर लाईन लौसिज 20 परसैन्ट हैं और हरियाणा में 19.5 परसैन्ट हैं यानी आल इंडिया लाईन लौसिज से कम है। जहां तक उनके दूसरे पार्ट के जवाब का सम्बन्ध है क पुरानी लाईनें होने के कारण लाईन लौसिज होते हैं, यह बात उनकी ठीक है। हम पुराने सिस्टम को अपग्रेड कर रहे हैं। हम हर साल योजना बना रहे हैं कि 132, 220, 66 तथा 33 के0वी0 सब–स्टे ान्ज के दो दर्जन बिजली घरों को अपग्रेड कर दिया जाये। इस तरह से हम पूरे उपाय कर रहे हैं ताकि लाईन लौसिज कम हों।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा जानना चाहता हूं कि इन लाईन लौसिज में थैफ्ट भी इन्कलूडिड है या नहीं क्योंकि बिजली की चोरी भी बहुत होती हैं ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब लाईन लौसिज दो किस्म के हैं। एक ट्रांसमि ान लौसिज हैं और दूसरे डिस्ट्रीब्यू ान लौसिज हैं। जो चोरी करता है उसे पकड़ते हैं। अगर वह बगैर मीटर के, बगैर कनैक ान के बिजली लेता हैं यानी बिजली की चोरी करता है तो वे केसिज भी इसमें इन्कलूडिड हैं।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या मंत्री महोदय बताने का कश्ट करेंगे कि ट्रांसमि ान लौसिज किस वजह से हैं ? क्या कभी पता लगाने की कोि ा ा की है कि यह किस वजह से हैं ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, 19.5 परसैन्ट लौसिज में से दस परसैन्ट ट्रांसमि ान लौसिज हैं, तकरीबन 50 परसैन्ट ट्रांसमि ान लौसिज हैं और 50 परसैन्ट लौसिज दूसरे हैं। ट्रांसमि ान लौसिज का मुख्य कारण यह है कि डिफरैन्ट लाईन्ज पर यानी एच0टी0 लाईन और एल0टी0 लाईन पर कैपेसिटर्ज नहीं है।

श्रीमती चन्द्रावतीः कैपेसिटर्ज क्यों नहीं हैं ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः 'क्यों नहीं' का भी मैं जवाब दे सकता हूं। स्पीकर साहब, बोर्ड ने बहुत से स्टे ानों पर कैपेसिटर्ज आल–रेडी इनस्टाल कर दिये हैं। बहुत कम स्टे ान हैं जिन पर नहीं हैं। इसके साथ–साथ इंडिविज्वल कनज्यूमर्ज ने भी इनस्टाल करने हैं। कुल 2.60 लाख ट्यूबवैल कनैक ानज हैं, इनमें से 1 लाख 60 हजार ट्यूबवैल्ज पर कैपेसिटर्ज इनस्टाल कर दिये हैं और बाकी पर करने हैं। इसी तरह से इन्डस्ट्रीज और दूसरों को भी फोर्स कर रहे हैं कि वे भी कैपेसिटर्ज लगाएं।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि हरियाणा में लाईन लौसिज नै ानल लैवल के लाईन लौसिज से कम हैं। क्या मंत्री जी ऐसा विचार कर रहे हैं कि जो लाईन लौसिज सर्कल लैवल और डिविजन लैवल पर होते हैं, उनके लिए कोई एजेन्सी कायम की जाए ताकि कसूरवार अफसरों को जिम्मेदार ठहराया जाये ?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः इस बारे में विगोरसली उपाय किये जा रहे हैं, जो निम्नलिखित हैंः–

1. फीडरवाइज अकाउन्टिग आफ एनर्जी यानी उसका फीडरवाइज हिसाब कर रहे हैं जिससे पता लगे कि इन–कमिंग एनर्जी कितनी आई और एकचुवल सेल या बिलिंग कितनी हैं।

2. एच0टी0 और एल0टी0 लाईनों की री–अलाइनमैंट करके उनकी आगमैन्टे ान कर रहे हैं। सब–स्टे ान बना कर और लाईनों की री–एलाइनमैंट कर के बड़ी लाईनों को छोटा यिका जा रहा है।

3. कन्ज्यूमर्ज के लैवल पर जो इनस्टाले ान की है, उसकी चैकिंग हमारे विजिलैन्स डिपार्टमैंट विंग द्वारा और नार्मल–वे में की जा रही है ताकि बिजली का प्रोपर यूज हो, मिस यूज न किया जाये।

4. ट्रांसमि ान और डिस्ट्रीब्यू ान सिस्टम को मजबूत करने के लिए न्यू ग्रिड सब–स्टे ान बना रहे हैं तथा पुरानों की आगमैन्टे ान कर रहे हैं।

5. एच0टी0 और एल0टी0 कैपेसिटर्ज लगाने के बारे में मैंने पहले ही बता दिया है।

ये पांच छः उपाय करके हम इस नुकसान को कम करने की कोि ा ा करेंगे और हर साल आधा परसैन्ट कम करके इन लाईन लौसिज को 17 परसैंघ्यट पर लाना चाहते हैं।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः मैं मिनिस्टर साहब को यह बताना चाहता हूं कि हरियाणा प्रान्त में जो इंडस्ट्रीज हैं, उनमें कुछ में तो डबल मीटरिंग सिस्टम है और कुछ में सिंगल मीटरिंग सिस्टम है। जो हैवी इंडस्ट्रीज हैं, उनमें तो डबल मीटरिंग सिस्टम है और जो स्माल स्केल इंडस्ट्रीज हैं, उनमें तो डबल मींटरिंग सिस्टम है। अकसर देखने में यह आता है कि जो एम0एन0टी0 स्टाफ है, वह 6–6 महीनों तक न हैवी कारखानों को और न ही स्माल स्केल इंडस्ट्रीज के मीटर्ज को चैक करता है। कुछ एक मीटर्ज तो स्माल स्केल इंडस्ट्रीज वालों ने भाुरू में ही एम0एन0टी0 स्टाफ वालों से मिलकर ऐसे लगवा लिये हैं जो चलते ही नहीं है। काफी अर्से से यानी 5–6 साल से कई यूनिट्स में मीटर्ज खराब होनै के बावजूद भी उनकी रिप्प्लेसमैंट नहीं की जा रही है। क्या सरकार इस बात से एग्री करेगी कि जहां पर सिंगल मीटरिंग सिस्टम है और उन कारखानों में आज एक–एक, डेढ़–डेढ़ या दो–दो लाख यूनिट्स बिजली रौज की कंज्यूम होती है, वहां पर भी डबल मीटरिंग सिस्टम लागू कर दिया जायेगा ? इसके अलावा एम0एन0टी0 स्टाफ, जिनके ऊपर किसी किस्म का कोई चैक नहीं है, उसके ऊपर भी कोई न कोई चैक लगाने पर विचार करेगी ताकि सिस्टम को ओवरहाल करके लौसिज से बचाया जा सके ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः सर, हमारा ऐसा कोई विंग नहीं है जिसके ऊपर कोई भी चैक न हो। एम0एन0टी0 और दूसरे सब विंग्ज के ऊपर चैक्स एण्ड बैलैंसिज प्रोवाइडिड हैं। जैसे आनरेबल मैम्बर साहेबान ने बताया है क 5–6 साल से मीटर लगे हुए हैं और वह खराब हैं, ऐसी बात मुमकिन नहीं है। हमारा आदमी मीटर रीडिंग के लिये हर महीने जाता है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः भाायद मंत्री महोदय समझ नहीं पाये। मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि भाुरू में जब मीटर इन्सटाल करते हैं तो एम0एन0टी0 का जो स्टाफ है, वह मीटर को एप्रूव करता है क्योंकि बोर्ड के पास मीटर अवेलेबल नहीं है। मैं यह जानना चाहता हूं कि उस मीटर को दोबारा किस अथोरिटी से चैक करवाते हैं ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, जब कोई मीटर लगाया जाता है, अगर वह उस वक्त खराब हो या स्लो हो, उसका पता दफ्तर को बिल कम या मीटर रीडिंग न आने पर लग जाता है। हमारे पास मीटर की चैकिंग (टैस्टिंग) कराने का कोई अलग से तरीका नहीं है और इससे हमारा कोई सरोकार भी नहीं है अगर मीटर स्लो है या मीटर चलना बन्द हो जाये तो मीटर रीडिंग आने पर पता चल जाता है। कई दफा कन्जूमर यह कह देता है कि मीटर बहुत तेज चल रहा है इस किस्म की ि ाकायत आने पर हमें पता चलता है कि मीटर डिफैक्टिव है,

अदरवाईज लाखों मीटर्ज में से सब–मीटर्ज लगे हुए हैं, उन सब को रैगुलरली चैक नहीं किया जा सकता।

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, पिछले 3–4 महीनों से बिजली एग्रीकल्चर सैक्टर को जा मिल रही है, वह बहुत थोड़ी मिल रही है। दूसरी तरफ इनके लाईन लौसिज 20 प्रति ात से भी ज्यादा हैं। लाईन लौसिज होने की मेन वजह है डिफैक्टिव लाइनिंग सिस्टम। मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि लाइनिनंग सिस्टम ठीक करने के बाद लाइन लौसिज कितना रहेगा ?

श्री अध्यक्षः 17 प्रति ात तक तो उन्होंने कह दिया है।

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवालः कई स्टेट्स में तो 5 प्रति ात तक है।

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः सर, एक बात मैम्बर साहब ने यह कही है कि एग्रीकल्चर को बिजली कम मिल रही है। यह इनकी बात बिल्कुल गलत है।

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवालः आप पिछले 3–4 महीनों का रिकार्ड देख लीजिये। लोहारू, बाढ़ड़ा और दादरी में 3–4 घंटे से ज्यादा बिजली सप्लाई नहीं हुई है। आप इस चीज को वैरीफाई करवा लीजिये। पता चल जायेगा कौन ठीक है और कौन गलत है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मेरे पास नवम्बर से फरवरी, मार्च, 1985 तक की फिगर्ज हैं। 15 जनवरी से जब से हमने नया टाईम टेबलल लागू किया है, हमने सारी स्टेट का तीन जोन्ज में बांट कर बिजली सप्लाई करनी भाुरू की है, तब से एग्रीकल्चर को, दूसरे सैक्टर्ज से ज्यादा बिजली मिल रही है। मेरा यह मतलब नहीं है कि एग्रीकल्चर को 24 घंटे बिजली मिल रही है। हमारा कहना यह है कि जितनी बिजली अवेलेबल है, उसका ज्यादा पोर ान एग्रीकल्चर सैक्टर को दे रहे हैं। मेरा कुछ इस बारे में कहना भाायद रैपीटी ान तो हो जायेगा लेकिन मैं आपके जरिये हाउस को इस बारे में कुछ फैक्ट्स बताना चाहूंगा। इस बार बिजली और पानी दोनों का फैमिन है। 1984–85 में भाखड़ा पौंड का जो लैवल है, वह पिछले नोर्मल सालों के पानी के लैवल से 40 फुट कम था। इस वजह से हाइड्रो पावर की अवेलेबिलिटी भी हमें बहुत कम है। इस बार 30 लाख यूनिट्स हमें पहले के मुकाबले कम बिजली मिली है जो हमें नोर्मल सालों में मिलती थी। इसके अलावा नोर्दर्न रीजन में बिजली के क्राइसिज की वजह से भी काफी कमी रही है। लेकिन इस कमी के बावजूद हमने जिस तरीके से अपना नया टाईम टेबल बनाया है, उसमें हमने एग्रीकल्चर का पूरा ध्यान रखा है। एग्रीकल्चर सैक्टर को कितने–कितने यूनिट्स बिजली हर रोज मिलती रही है या हर महीने मिलती रही है, मैं इनसे आपको यह साबित कर सकता हूं कि हमने एग्रीकल्चर का पूरा ध्यान रखा है। मैं फिगर्ज पढ़कर हाउस का ज्यादा समय नहीं लूगा। मैं थोड़ी सी

फिगर्ज इस बारे में पढ़ देना चाहता हूं। 4 जनवरी, 1985 को टोटल बिजली स्टेट में अवेलेबल थीं, 86 लाख यूनिट्स और इसमें से हमने 39 लाख यूनिट्स एग्रीकल्चर को दी है। 5 जनवरी, 1985 को 89 यूनिट्स में से 43.73 लाख यूनिट्स एग्रीकल्चर को दी है। इसी तरह से 6 जनवरी, 1985 को 101 लाख यूनिट्स में से 50.82 लाख यूनिट्स हमने एग्रीकल्चर को दी है। 7 जनवरी, 1985 को 96 लाख यूनिट्स में से 49.22 लाख यूनिट्स एग्रीकल्चर को दी है। 8 जनवरी, 1985 को 98 लाख यूनिट्स में से 48.28 लाख यूनिट्स हमने एग्रीकल्चर को दी है। इससे अगल महीने यानी फरवरी में भी ऐसी ही स्थिाति रही है। 17 फरवरी, 1985 को 82 लाख यूनिट्स में से 46.60 लाख यूनिट्स बिजली एग्रीकल्चर सैक्टर को और 35.40 लाख यूनिट्स दूसरे सैक्टर्ज को दी है। 18 फरवरी, 1985 को 79 लाख यूनिट्स में से 39.75 लाख यूनिट्स बिजली एग्रीकल्चर को दी है। 19 फरवरी, 1985 को 87 लाख यूनिट्स में से 43 लाख यूनिट्स हमने एग्रीकल्चर को दी है। 20 फरवरी, 1985 को 100 लाख यूनिट्स में से 54.51 लाख यूनिट्स एग्रीकल्चर को दी है। 21 फरवरी, 1985 को 97 लाख यूनिट्स में से 51.87 लाख यूनिट्स एग्रीकल्चर को दी है। 22 फरवरी, 1985 को 94 लाख यूनिट्स में से 53.54 लाख यूनिट्स एग्रीकल्चर सैक्टर को दी गई है। मेरा कहने का मतलब यह है कि 50 परसैंट से ज्यादा जनवरी, फरवरी से लेकर मार्च तक बिजली एग्रीकल्चर को देते रहे हैं। हमारी इस बात की पूरी कोि ा ा रही है कि एग्रीकल्चर सैक्टर को ज्यादा बिजली दी जाये। एक तो ड्राउट

कंडी ान्ज हैं, दूसरे विन्टर रेन्ज भी नहीं हुई। इसलिए व्हीट को और दूसरी क्राप्स को हम बिजली सप्लाई कर रहे हैं ताकि उनको बचाया जाये। हमने इंडस्ट्रीज की बिजली काट करके भी एग्रीकल्चर सैक्टर को बिजली दी है। हमने उनके ऊपर सख्त पाबन्दी लगाई हुई है। जैसे कि हमारी दी हुई फिगर्ज से जाहिर है, हम एग्रीकल्चर सैक्टर का पूरा–पूरा ध्यान रख रहे हैं।

श्री फतेह चन्द विजः क्या इनके नोटिस में यह बात भी है कि कुछ मीटर्ज स्टेट में ऐसे भी हैं जिनके चाहे सारे कनैक ान्ज बन्द कर दिये जाये, फिर भी वे मीटर्ज चलते रहेंगे ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः सर, ऐसी बात श्री फतेह चन्द विज जैसे समझदार मैम्बर ही हमें बता सकते हैं। मैं इनका बहुत भाुक्रगुजार रहूंगा अगर यह कोई ऐसी बात हमारे नोटिस में लायेंगे। हम कसूरवार के खिलाफ बहुत सख्त एक ान लेंगे।

श्री हरि चन्द हुड्डाः स्पीकर साहब, मिनिस्टर महोदय ने एक बात को तो मान लिया है कि 1983–84 की बिजली की पोजी ान देख कर जनता का यकीन सा उठ गया है, मैं बिजली के लौस और प्रौफिट के बारे में तो कोई सवाल नहीं पूछना चाहूंगा। मेरा तो सवाल सिर्फ यह है कि क्या मिनिस्टर साहब, कोई 4 या 6 महीने का टाईम निि चत कर सकते हैं जिसमें हरियाणा की आम जनता को बिजली आराम से मिलती रहे ?

श्री अध्यक्षः इसका तो मैं ही जवाब दे सकता हूं कि नहीं कर सकेंगे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हमारे माननीय मैम्बर श्री फतेह चन्द विज साहब ने एक सवाल पूछा था। उनको तो मिनिस्टर साहब ने टरका दिया है। मैं उनको यह बताना चाहता हूं कि विज साहब के घर में जो मीटर लगा हुआ है, व अगर सारे स्विच बन्द भी हों तब भी चलता रहता है। मजबूरन उनको ऐसा सवाल पूछना पड़ता है। वह कौन सी लैबोरेटरी है जहां ऐसे मीटर ईजाद किये जाते हैं और उनकी टैस्टिंग वगैरा की जाती है ? यह जो आनरेबल मैम्बर ने कम्पलेंट की है, क्या मंत्री महोदय इस बात की इन्कवायरी करायेंगे ? (व्यवधान व भाोर) मुझे तो डर है कि विपक्ष के सब एम0एल0ए0 साहेबान के घरों में भाायद ऐसे ही मीटर्ज लगाये हुए हों कि मीटर चालू रहे और स्विच आफ रहे। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, इस प्रकार की ि ाकायत पहले कभी नहीं आई है। अगर इस तरह का कोई मीटर है तो उसके बारे मे जरूर पता करवाऊंगा। लेकिन बात यह है कि अगर अपोजी ान मैम्बर्ज के मीटर्ज की इंक्वायरी करवाएं तो फिर यह कहा जाएगा कि अपोजी ान के मैम्बर्ज के मीटर्ज की इंक्वायरी की जा रही है।

Panipat Thermal Plant

***806. Smt. Chandravati:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) the date on which the Panipat Thermal Plant was set up together with the date by which it was to be completed;

(b) the estimated capital outlay and the actual capital expenditure incurred on the said plantt together with the yearwise recurring and non recurring expenditure incurred thereon from 1st January, 1979 to 1984 to date;

(c) the number of complete and incomplete phases of the said plant together with the time by which the incomplete phases are likely to be completed and the reasons for which they have not been completed so far; and

(d) the number of M. Watt of electricity likely to be received on the completion of all the phases of the saiid plant together with the number of M. Watt of electricity being received at present?

Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala):

(a) to (d) A statement containing thhe requisite information is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) The work on 23 units of 110 MW each, under Stage-I of this project, was commenced in June, 1975. These 2 units were commissioned on 1-11-1979 and 27-3-80 respectively against their original schedule of 31-3-79 and 30-5-79 rspectively. The position regarding Stage-II consisting of

2 units of 2x110 MW and Stage-III comprising of one unit of 210 MW is given in part(c).

(b) The estimated capital outlay for Stage-I as per the project report was Rs. 86 crores. The actual expenditure on the work has been 81.06 crores. The extimated cost of Stage-II and Stage-III alongwith the expenditure incurred upto 31-3-1984 is given below:-

	Stage-II (Rs. in Crores)	Stage-III (Rs. in Crores)
Original estimate	72.93	111.10
Latest revised estimate	161.07	219.90
Total expenditure incurred upto 31-12-1984	106.00	32.35

The year wise recurring and non-recurring expenses for Stage-I is given as under:-

Year	Recuuring Expenses		Non-recurring expenses	Total expenditure
	Fuel Charges	O&M charges		
1980-81	20.36	3.58		23.94
1981-82	30.00	3.98		33.98
1982-83	26.83	3.63		30.46

1983-84	27.82	5.70		33.52
1984-85 (uutp 31-12-1984)	10.57	2.76		13.33

The year-wise approved outlay and the expenditure incurred for Stage II and Stage-III is given below:-

Year	State-II		State-III	
	Approved outlay	Expenditure	Approved outlay	Expenditure
	(Rs. in Crores)			
1980-81	7.00	9.36	3.00	2.74
1981-82	16.00	15.29	2.25	0.05
1982-83	32.86	32.88	10.00	5.58
1983-84	43.80	28.39	24.00	17.07
1984-85 (uutp 12/84)	32.00	10.86	18.00	2.44

(c) The Stage-I of this project comprising of 2 units of 110 MW each has been commissioned as per details given in part(a) above. The Stage-II and Stage-III are under

construction. The original schedule date and likely date of commissioning of Stage-II and Stage-III are as under:-

Sr.	Name of Scheme	Date of approval of the project	Original Commissioning schedule at the time of approval	Actual Date of commencement	Likely/ Expected date of commissioning
1	Panipat Thermal Power Project				
	Stage-II (2x110 MW)				
	Unit-3	March, 1978	9/82	5/81	10/85
	Unit-4	March, 1978	3/83	10/81	3/86
2	Panipat Thermal Power				

	Project				
	Stage-III (1x210 MW)	Sept., 1981	12/84	8/82	8/87

The reasons for slippage of commissioning schedule of these units are:-

The major cause of slippage has been the no availability of enough funds. Other reasons were:-

1. Delay in supply of the generating equipment by M/s. BHEL

2. No-availability of sulphate resistant cement due to power cuts in concerned States, which is necessary to be used at site because o presence of high sulphate contents in the soil.

(d) The present installed capacity of Stage-I ofPanipat Thermal Prroject is 220 MW (2 Units of 110 MW) which is presently generating at 130 to 150 MW per day. The total installed capacityon completion of all stages will be 650 MW which will ordinarily generate about 400 MW after commissioning at a plant load factor fo 61.5%.

श्रीमती चन्द्रावती: मंत्री महोदय ने बताया है कि फण्डज की कमी होने के कारण देरी हुई है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जब फण्डज अलाट किए जाते हैं तो प्रायरिटी

किन–किन चीजों के लिए दी जाती हैं ? क्या बिजली प्रायरिटी मे नहीं है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, जब किसी प्रोजैक्ट के लिए फण्डज अलाट होते हैं तो उस वक्त से लेकर जब तक वह प्रोजैक्ट कम्पलीट होता है, बहुत ज्यादा प्राईस ऐस्केले ान हो जाती है। जैसा कि आप देख रहे हैं कि पिछले कुछ सालों में प्राईसिज में बहुत ज्यादा इंक्रीज हुई है। हमारे रिसोसिज लिमिटिड हैं, इसलिए फण्डज की कमी हो जाती है। हरियाणा सरकार बिजली को बहुत ज्यादा प्रायरिटी दे रही है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः मंत्री महोदय ने पेज 2 पर(सी) पार्ट के जवाब में बताया है कि पानीपत थर्मल पावर प्रोजैक्ट स्टेज–2 का पहला यूनिट सितम्बर, 1982 में चालू हो जाना चाहिए था और उसका दूसरा यूनिट मार्च, 1983 में चालू हो जाना चाहिए था लेकिन अब कमि ानिंग की डेट अक्तूबर, 1985 और मार्च, 1986 रखी है। स्लिपेज आफ कमि ानिंग की रीजन्ज ये दी हैं:–

"The major cause off slippage has been the non-availability of enough funds. Other reasons were:-

(1) Delay in supply of the generating equipment by M/s BHEL.

(2) Non-availabilityy of sulphate resistant cement due to power cuts in concerned States....."

क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इक्वीपमैंट का कब आर्डर प्लेस किया था और उसकी सप्लाई में कितनी डिले हुई थी ? दूसरा सवाल यह है कि सल्फेट रजिस्टैंट सीमेंट के लिए कब आर्डर प्लेस किया गया और उसकी अवेलेबिलिटी कब हुई ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, यह जो सीमेंट है इसको बनाने की दे ा के अन्दर सिर्फ एक ही फैक्ट्री है और वह तामिलनाडू में है। वह फैक्टरी काफी समय तक बन्द रही, इसलिए इसकी सप्लाई में छः महीने से लेकर दस महीने तक की डिले हुई। वाटर टेवल भी ऐसी आईटम थी जिस में यही सीमेंट यूज हो सकता था। अध्यक्ष महोदय, जहां तक इक्वीपमैंअ का ताल्लुक है, उसकी सप्लाई में कुल मिलाकर डेढ़ या पौने दो साल की डिले हुई है। जहां तक आर्डर देने की तारीख का ताल्लुक है, वह डेट इस वक्त मेरे पास नहीं है, अगर मैम्बर साहब चाहे तो मैं कल हाउस में सप्लाई कर सकता हूं और अगर वह चाहें तो मैं उनको सीधे भी सप्लाई कर सकता हूं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, डैट के हिसाब से इसकी कमि ानिंग में चार साल की डिले हुई है। सीमेंट और इक्वीपमैंट की सप्लाई में छः महीने से दस महीने की डिले बताई गई है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो तीन साल और दो महीने की डिले हुई, इसके लिए पावर इंजीनियर्ज जिम्मेदार हैं या सरकार जिम्मेदार है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, मेरे ख्याल से चार साल की नहीं, तीन साल की डिले है। इसमें पौने दो साल की डिले तो इक्वीपमैंट की सप्लाई में हो गई। दूसरे कोस्ट ऐस्केले ान की वजह से पूरे फण्डज डिसपोजल पर नहीं कर सके।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने तीन साल की डिले मानी है। क्या मंत्री महोद इसको प्राथमिकता देकर कोई नि चत तिथि बताने की कृपा करेंगे कि फलां तारीख तक यह प्लांट पूरा हो जायेगा ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, हम पानीपत थर्मल पावर प्रोजेक्ट स्टेज–2 को बहुत ज्यादा प्रायरिटी दे रहे हैं। पन्द्रह दिन दस दिन या हफ्ते में मैं स्वयं वहां जाता रहता हूं। मुख्य मंत्री जी वहां गए हैं और चेयरमैन, बिजली बोर्ड तथा बोर्ड के दूसरे मैम्बर्ज भी हर हफ्ते वहां जाते हैं। पहले फण्डज की प्रोबलम थी लेकिन अब हम बाकी दूसरी चीजों की प्रायरिटी लो करके इस प्रोजैक्ट को पूरे फण्डज दे रहे हैं और पूरे जोर से काम चल रहा है। कमि ानिंग की जो डैट हमने दी है, यानी अक्तूबर, 1985 और मार्च 1986, इन पर हम स्टिक करेंगे और हमें पूरी उम्मीद है कि तब तक ये दोनों यूनिट कमि ान हो जाएंगे।

श्रीमती चन्द्रावती: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो फण्डज अलाट किए जाते हैं, उसमें किस चीज को

प्रायरिटी दी जाती हैं और क्या उस प्रायरिटी में बिजली नहीं आती है ?

श्री अध्यक्षः इसका जवाब तो पहले आ चुका है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, यह वेग सवाल है और इसका जवाब भी वे ही दे देता हूं। स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार बिजली को नम्बर एक की प्रायरिटी देती है।

श्रीमती चन्द्रावतीः मिनिस्टर महोदय ने अपने जवाब में बताया है कि स्टेज–1 आफ पानीपत थर्मल प्रोजैक्ट की कैपेसिटी 220 मैगावाट की है लेकिन इस वक्त 130 से 150 मैगावाट प्रतिदिन बिजली जनरेट हो रही है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह फर्क क्यों है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, कोई भी थर्मल प्लांट इस दे ा में ही नहीं बल्कि दुनिया में भी सौ परसैन्ट प्लांट लोड फैक्टर पर नहीं चलता। यह जो थर्मल म ाीनरी है, थर्मल यूनिट्स हैं, इनका इनबिल्ड सिस्टम यही है। पानीपत थर्मल प्लांट साठ परसैंट पी0एल0एफ0 पर चल रहा है जोकि आल इंडिया के ऐवरेज लैवल से ऊपर है। आल इंडिया का जनरे ान ऐवरेज लैवल 50 प्रति ात के करीब है और पिछले तीन महीने से हमारा लैवल पचास प्रति ात से ऊपर है।

श्री फतेह चन्द विज: अभी मंत्री महोदय ने बताया है कि मैं भी प्लांट पर गया और मुख्य मंत्री जी भी गए थे। आपके पास रोज की बिजली की जनरे ान का हिसाब होगा। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जब से सी0एम0 साहब वहां गए हैं, तब से बिजली की जनरे ान में बढ़ौतरी हुई है या कमी हुई है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: जब से मैं और मुख्य मंत्री जी वहां गए हैं डेफीनिटली बिजली की जनरे ान में इम्प्रूवमैंट हुई है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंह: अभी मंत्री महोदय ने बताया है कि हमारी प्रोडक ान कन्टरी की ऐवरेज प्रोडक ान से ज्यादा हैं। मेरा ख्याल है कि पिछले साल नवम्बर में इनकी जनरे ान नीची से नीची 34 परसैन्ट रहीं है। फिर दो महीने में 37 परसैन्ट हो गई और पिदले दो महीने में 51 परसैन्ट से ऊपर आई है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि सारी स्टेट्स के थर्म प्लांट्स की जनरे ान की क्या परसैन्टेज है और हमारी स्टेट की कितनी है ?

Mr. Speaker: How will he be able to answer this question?

Ch. Surender Singh: Definitely I expected the same answer but unfortunately the Minister said that.

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, मैंने कहा था कि आल इंडिया की थर्मल प्लांट्स की जनरे ान की

ऐवरेज पचास परसैन्ट है और पानीपत प्लांट की पिछले तीन महीने से साठ परसैन्ट चल रही है।

श्री भले रामः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि बिजली की प्रोडक ान कम होने का कारण कहीं थर्मल प्लांट्स में अच्छी क्वालिटी का कोयला सप्लाई न होना तो नहीं है ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, ऐवरेज का सिस्टम सारे मुल्क का इस तरह का बना रखा है। जैसे हमारे फरीदाबाद और पानीपत में दो थर्मल प्लांट्स हैं। अगर दो यूनिटस में से एक यूनिटस बन्द हो जाता है और वह एक महीना तक बन्द रहता है तो वह पीरियडड भी ऐवरेज में काउंट होता है। एक यूनिट अगर कु देर तक बन्द रहेगा तो प्रोडक ान की ऐवरेज में उसका असर अव य ही पड़ेगा। दूसरी बात मैं यह बताना चाहता हूं कि पिछले तीन महीनों में सारे हिन्दुस्तान में जो प्रोडक ान की ऐवरेज रही है, उससे ज्यादा आज हरियाणा में है। 50 प्रति ात से भी ज्यादा बिजली का उत्पादन हो रहा है जोकि एक रिकार्ड है। लेकिन यह बात भी बिल्कुल ठीक है कि हरियाणा में बिजली की कमी रही है, वह भी इसलिए कि कई दफा म ाीनरी वगैरा भी खराब हो जाती है, जिसको ठीक करने मे कुछ समय लगना स्वाभाविक तो होता ही है। इसलिए मेरा कहना यह है कि अगर एक प्लांट बन्द हो जाए तो वह पीरियड भी ऐवरेज में भाामिल हो जाता है।

Transfer of Haryana Roadways Land

***810. Prof. Sampat Singh:** Will the Minister for Transport be pleased to state whether any land acquired for the Haryana Roadways Bus Stand, Hissar has been transfered/sold/donated to any Charitable Trust/individual/company during the year 1984, if so;

(i) the date of acquisition of the above said land together with the price paid therefore;

(ii) the total area transferred/sod/donated and thhe amount, if any, received on this account; and

(iii) the name of the Trust/individual/company to whom the said land has been tranferred/sold/donated together with the date thereof?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(i) 45 कनाल 9 मरले भूमि दिनांक 10–3–81 को 9,83,011.15 पेसे की लागत पर हिसार में बस अड्डे के निर्माण के लिए अर्जन की गई थी।

(ii) 10 कनाल 2 मरले भूमि लम्बी अवधि 99 वर्शों के लिए पट्टे पर दी गई है। इसके लिए 1100 रू0 टोकन प्रीमियम तथा 100 रू0 प्रति वर्श पट्टे की रा ि । प्राप्त की जाएगी।

(iii) उपरोक्त भूमि दिनांक 1–10–84 को मैसर्ज लाल चन्द देवी चन्द चैरिटेबल ट्रस्ट, हिसार को दी गई है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया है कि 45 कनाल 9 मरले भूमि हिसार में बस अड्डे के निर्माण के लिए ली गई थी और उसका एक चौथाई भाग जमीन लम्बी अवधि 99 वर्श के लिए पट्टे पर दी गई है और वह भी एक ऐसे ट्रस्ट को दै दी गई जोकि एक नया ट्रस्ट ही बना था, जिसके पास अपनी कोई पूंजी नहीं है।

श्री अध्यक्षः प्रोफेसर सम्पत सिंह जी, आप अपना सवाल पूछिए।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं सवाल ही पूछ रहा हूं। इन्होंने एक ऐसे ट्रस्ट को, सस्ते भाव पर, उस जमीन का एक चौथाई भाग दे दिया है, जिसके पास अपनी कोई पूंजी नहीं है और वह एक नया ट्रस्ट है।

श्री अध्यक्षः प्रोफेसर साहब, आप अपनी इन्फर्मे ान इन्हें न दें बल्कि आप इनसे इस बारे में इन्फर्मे ान पूछिए।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरा सवाल इसी सूचना से सम्बन्धित है कि इन्होंने एकश ऐसे ट्रस्ट को सस्ते भाव पर उस जमीन का एक चौथाई भाग दे दिया जिसकी अपनी कोई पूंजी नहीं है और वह नया ट्रस्ट है। अब वहां के अफसर लोगों से, किसी से 1100 रूपए, किसी से 3100 रूपए इकट्ठा कर रहे हैं ताकि उस ट्रस्ट को दिया जा सके। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कौन से ऐसे हालात पैदा हो गए हैं जिनके

अन्तर्गत इन्होंने दो करोड़ की जमीन को इतने सस्ते भाव में ट्रस्ट को दे दिया जबकि उसी के साथ लगते हुए रिहाय ाी प्लाट्स 110–110 गज के साढ़े चार–चार लाख के बिके हैं ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी साथ गांव के रहने वाले हैं और रहते आमतौर पर हिसार में ही हैं, इनको इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए कि यह जमीन क्यों दि गयी है और किस परपज के लिए दी गई है। हम सब जगहों पर इस तरह की घोशणा करते हैं कि अगर कोई आदमी बस–स्टैन्ड के पाख्स, रेलवे स्टे ान के पास व अस्पताल के पास धर्म ाला का निर्माण करना चाहे तो हम उन्हें सस्ते रेट्स पर/फ्री जमीन देने के लिए तैयार है। इसी बात को लेकर जब बस–स्टैन्ड का उद्घाटन किया गया था, तो वहां पर भी इसी तरह की अनांउसमैंट की गई थी कि अगर कोई रेलवे स्टे ान, बस स्टैन्ड या अस्पताल के पास धर्म ाल बनाना चाहे तो बना सकता है ताकि आने जाने वाले लोगों को, मरीजों को व मरीजों के साथ जो लोग आते जाते हैं, उनको ठहरने में किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए, तो सरकार जमीन सस्ते भाव/फ्री देने को तैयार है। इसी बात को सुनकर वहां पर आये एक सेठ ने उठकर यह कहा कि मैं इस धर्म ाला के ऊपर 25 लाख रूपया लगाऊंगा और उस धर्म ाला पर उसका कोई अधिकार नहीं रहेगा। यह सारा काम लोगों के हित के लिए ही किया गया है, बाकायदा ट्रस्ट बनाकर यह जमीन उस ट्रस्ट को दी गई है और यह सब कुछ ऐग्रीमैंअ में

लिखा भी गया है। फिर भी अगर सरकार यह देखे कि इस जगह का मिसयूज हो रहा है तो सरकार एस सारी जायदाद को अपने अधिकार में ले लेगी।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि जब मैं बस–स्टैण्ड का उद्घाटन करने के लिए गया तो मैंने अनांउस किया कि अगर कोई आदमी इस तरह की धर्म ाला बनाना चाहे तो सरकार उसे सस्ती दरों पर जमीन देगी ताकि मुसाफिरों को, मरीजों को ठहरने के लिए किसी प्रकार की दिक्कत न हो। मैं इनको यह बतानाचाहता हूं कि वहां पर बाबू महावीर प्रसाद की ज्वाला सदन नाम से एक धर्म ाला पहले ही बनी हुई हैं, फिर इसकी क्या आव यकता थी। मुख्य मंत्री महोदय ने 2–10–84 को इस बात की अनांउसमैंट की और इन्होंने अपने लिखित जवाब में यह कहा है कि दिनांक 1–10–84 को मैसर्ज लाल चन्द देवी चन्द चैरिटेबल ट्रस्ट, सिार को यह जमीन दे दी गई थी। यह कंट्राडिक्टरी स्टेटमैंट कैसे दे रहे हैं ? मुख्य मंत्री महोदय कृपा यह बताने का कश्ट करें कि यह जमीन ट्रांसफर कब हुई ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, यह बात इनकी बिल्कुल बेबुनियाद है। 1–10–84 को जमीन ट्रस्ट को दी गई है और उसके बहुत देर के बाद यह जमीन ट्रांसफर हुई है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इनका खुद का धर्म ाला के लिए पत्थर लगा हुआ है। (ोर)

चौधरी भजन लालः उसके 6 महीने के बाद पत्थर रखा है। (ोर एवं व्यवधान)

(इस समय बहुत से सदस्य कुछ कागज उठाकर बोलने लगे)

श्री अध्यक्षः आप इस बारे में मेरे से चैम्बर में विचार कर लेना और इसे मुझे मेरे चैम्बर में दिखा देना।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर सर, इस पर हाफ एन आवर डिस्क ान चाहिए। इसमें सारी ही बेईमानी दिखती है।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी का कोई आदमी, सम्पत सिंह जी का कोई साथी, बहन जी का कोई आदमी अगर इस तरह की धर्म ाला बनाना चाहे तो बना सकता है। हमें रोहतक मैडीकल कालेज के सामने धर्म ाला की जरूरत है, हम उन्हें वहां पर फ्री/सस्ते दामों पर जमीन देने के लिए तैयार हैं। (ोर एवं व्यवधान) चौधरी वीरेन्द्र सिंह, मैं भी जानता हूं कि कैसे नारनौंद की जमीन दबा रखी हैं। (ोर एवं व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः मुख्य मंत्री महोदय, आपकी सरकार है, जांच करवा के देख लें, केस रजिस्टर करवाईये, फिर पता लग जायेगा।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि अगर कोई महानुभाव, कोई भी व्यक्ति हस्पताल के पास, रेलवे स्टे ान के पास, बस–स्टैन्ड के पास धर्म ाला बनाना चाहे तो सरकार उसे सस्ते रेट्स पर जमीन देने के लिए तैयार है। धर्म ाला का निर्माण भी वहां पर होना चाहिए जहां पर पहले धर्म ाला न हो।

डा0 भीम सिंह दहियाः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री महोदय ने बताया कि बस–स्टैंड के पास, हस्पताल के पास, रेलवे स्टे ान के पास, अगर कोई महानुभाव धर्म ाला बनाना चाहे तो सरकार उसको मुफ्त जमीन देने के लिए तैयार है। क्या मुख्य मंत्री जी यह बताएंगे कि जहां पर बस स्टैंड के लिए जमीन एक्वायर की जाती है क्या सभी जगहों पर उसके साथ यह प्रोविजन भी रखा जाता है कि धर्म ाला के लिए भी लोगों को जमीन दी जाएगी ? धर्म ाला के लिये भी जमीन एक्वायर करने का सरकार का कोई प्रोविजन होता है या नहीं, या इसी केस में ऐसा किया गया है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इस बात का पूरा ध्यान रखा जाता है कि जहां पर बस–स्टैंण्ड हो, वहां पर पास में

धर्म ाला भी बने ताकि आने जाने वाले लोगौं को ठहरने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। मरीजों के साथ आने वाले लोगों को भी ठहरने में दिक्कत न हो।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या मुख्य मंत्री जी बताएंगे कि किसी बस–स्टैण्ड के लिए जमीन एक्वायर करते वक्त इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि दस साल के बाद उस भाहर की आबादी बढ़ेगी आद्यैर उस हिसाब से बसों की संख्या भी बढ़ेगी यानी क्या इस हिसाब से ज्यादा जमीन ली जाती है ? दूसरे इस ट्रस्ट को बाऊंडरी वाल खींचकर जमीन क्यों दे दी गई ? (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महादेय, जब बस–अड्डा बनता है तो बाकायदा आने वाले 20–25 साल का ध्यान रखा जाता है कि इस दौरान प्रदे ज्ञ की या जिले की आबादी बढ़ेगी। उसी हिसाब से सारा हिसाब किताब रखा जाता है। जहां तक बाऊंडरी वाल खींचकर जमीन देने की बात है यह बिल्कुल गलत है। बाऊंडरी वाल उस ट्रस्ट ने खुद बनाई है।

श्री ए0सी0 चौधरीः मुख्य मंत्री जी ने एलान किया है कि किसी बस स्टैंड के पास या किसी हस्पताल के पास अगर कोई व्यक्ति धर्म ाला बनाने को तैयार होगा तो उसे सस्ते रेट पर जमीन दी जायेगी। हमारे फरीदाबाद मे कोई बस–बड्डा ही नहीं है जिसकी वजह से लोग बहुत परे ाान हैं। क्या सरकार वहां बस–अड्डा और धर्म ाला के लिए जगह देने के लिए तैयार है ?

मैं हाउस में ऑफर देता हूं कि वहां की धर्म ाला के लिए जितना भी पैसा लगेगा, वह सारा एक आदमी सरकार के पास जमा करवा देगा।

चौधरी भजन लालः मैंने तो पहले ही कह दिया है कि कोई भी आदमी धर्म ाला बनाने के लिए तैयार हो, उसे जगह दे दी जाएगी। (ोर) फरीदाबाद में हम बस–स्टैंड भी बना देंगे और धर्म ाला के लिए भी जगह दे देंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने बड़ी सफाई से जवाब दे दिया कि धर्म ालाा के लिए जगह दी है। अगर हिसार के बस–अड्डे की लोके ान को देखा जाए तो मालूम होगा कि बसों के आने जाने के रास्ते को छोड़कर, बाकी जो फ्रन्ट में जगह थी, वह सारी उस ट्रस्ट को दे दी है। मैं पूछना चाहता हूं कि उस बस–अड्डे के पीछे पहलने से बहुत सी जगह खाली पड़ी थी जिसमें म्युनिसिपल ललैंड भी भाामिल है, क्या वहां पर बड़े आराम से धर्म ाला नहीं बन सकती थी ? ट्रस्ट को इन्होंने दो करोड़ रूपए की जमीन जो अड्डे के फ्रन्ट में है, वह क्यों दी? दूसरे ये कहते है कि वह जमीन हमने ट्रस्ट को 1.10.84 को दी है लेकिन वहां पर जो इनका पत्थर लगा हुआ है, उसे पर 2.10.84 की डेट है। मेरे द्वारा यह सवाल देने के बाद, परसों यहां का एक कर्मचारी हिसार गया और रिकार्ड को टैम्पर विद करके उसमें 1.10.84 की डेट डाली गई है। (शोर)

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, यह बिल्कुल बे–बुनियाद बात है। मैं अब भी इस बात से एग्री करता हूं कि मैंने 2.10.84 को उस धर्मशाला का शिलान्यास रखा है। दूसरी बात इन्होंने यह कही कि जमीन बड़े सस्ते रेट दे दी है। अध्यक्ष महोदय, आपने भी हिसार में शायद वह जगह देखी होगी। वहां पर बहुत गहरा तालाब था जिसमें कम से कम दस फुट मिट्टी डालनी पड़ेगी। वह बाकायदा तालाब या एक गहरी डिग्गी थी जो हमने दी है। अगर उस धर्मशाला से उसको कोई नाजायज फायदा मिलता हो तब तो इनकी बात मानी जा सकती है लेकिन वह अड्डा भी लोगों के लिए है और धर्मशाला भी लोगों के लिए बनेगी। इसी तरह से करोड़ों रूपये के हस्पताल तथा रेलवे स्टेशन भी लोगों की सुविधा के लिए ही बनाए जाते हैं।

श्री हीरा लाल आर्य: स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने अभी कहा कि 2.10.84 को उन्होंने अनांउस किया था लेकिन रिटन रिप्लाई में लिखा है कि 1.10.84 को वह जमीन ट्रांसफर की गई थी।

चौ. भजन लाल: पत्थर तो जमीन ट्रांसफर होने के बाद ही रखा जाता है, पहले कैसे रखा जाएगा

डा. भीम सिंह दहिया: क्या मुख्यमंत्री जी बतायेंगे कि हरियाणा में हिसार के अलावा कोई और बस–स्टैण्ड भी है जहां पर उसके साथ धर्मशाला बनाई गई हो या बनाई जानी हो?

चौ. भजन लाल: ऐसी धर्मशाला फतेहाबाद में बनाई है और भी कई जगहों पर बनाई है। हमने तो आफर दे रखी है कि कोई भी आदमी बना सकता है।

डा. भीम सिंह दहिया: स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया है।

श्री अध्यक्ष: उन्होंने कह दिया है कि कुछ जगहों पर बनाई हुई है, बाकी के लिए उन्होंने औफर दी है कि जो बनाने के लिए तैयार हो उसे जमीन दे दी जाएगी।

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, हम इस पर हाफ एन आवर डिस्कशन चाहते हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष: मेरा ख्याल है कि आप लोगों के दिमाग में यह बात है कि यह जमीन किसी मोटिव से दी गई है। चीफ मिनिस्टर साहब ने कहा है कि यह जमीन लोगों की भलाई के लिए ट्रस्ट को दी गई है जो इस पर 25 लाख रूपया लगा कर धर्मशालाा बनाएगा।

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों केा एक बात बताना चाहूंगा कि उस धर्मशाला का नक्शा भी बाकायदा सरकार देगी और उनको उस नक्शे के मुताबिक ही धर्मशााल बनानी पड़ेगी।

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, हमारी इन्फर्मेशन के मुताबिक यह ट्रस्ट बेनागी है जिसको यह जमीन दी गई है। जैसे सम्पत सिंह जी ने अभी बताया था कि बस–स्टैंड के पीछे भी बहुत जमीन पड़ी थी, उसमें से दे देते। इन्होंने फ्रंन्ट में जमीन इसलिये दी है कि वहां पर सैकड़ों दुकाने बनेंगी और एक एक दुकान का किराया एक एक हजार रूपये होगा। हम इस संबंध में सारी बात की जानकारी चाहते है, इसलिये आप हमें इस सवाल पर आधे घंटे की डिस्क ान अलाऊ कर दें।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, इनके पास गलत बात कहने के सिवांए और कोई बात नही है। वहां पर कोई दुकान नहीं बनेगी। हमने उनकी बाकायदा नक ाा बनाकर दिया है उसके मुताबिक धर्म ााला बनेगी। हमने बाकायदा एग्रीमैंट किया है कि अगर इस जमीन का किसी प्रकार से दुरूपयोग होगा यानी किसी प्रकार के व्यापार के नाते उसे एक पैसे की भी कमाई होगी तो जब सरकार चाहेगी उसी वक्त उसे धर्म ााला को अपने कब्जे मे ले लेगी और उनको कोई मुआवजा नही दिया जाएगा।

श्री अध्यक्ष: अब तो इस जबाब से अ योरैत क्लीयर हो गई है। नैक्सट क्वै चन।

श्री मती चन्द्रावती: .....

चौधरी भजन लाल: .....

श्री अध्यक्ष: ये बातें रिकार्ड न की जाएं।

15.00 बजे

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान जरा सुनिए आपका सवाल पूछने का मैन मकसद तो यह है कि मिनिस्टर साहब, उस बारे में कोई अ योरैस द या आपके मन में यदि कोई कंफ्यूजन है तो वह क्लीयर हो जाए। इस सवाल के बारे में सी0 एस0 साहब ने यह अ योरैस दी है कि वहां पर धर्म ाला बनेगी और कोई दुंकान बगैरह नही बनेगी और न ही उस जमीन का मिसयूज होगा। इससे ज्यादा अ योरैस आ नही सकती। इससे ज्यादा आप इनसे और कुछ कहलवा भी नही सकते और सी0 एस0 साहब इससे ज्यदा और क्या कह सकते है। (ाोर एवं विघ्न)

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों को परमात्मा की कसम खा कर कह सकता हूं कि वह बेनामी नहीं है। (ाोर एवं विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, सी.एम. साहब नने जवाब से हम सैटीस्फाईड नहीं हैं। आप मुझे एक सप्लीमैंटरी औ पूछने की इजाजत दें।

श्री अध्यक्षः आपको तीन सप्लीमैंटरी पूछने की इजाजत दी जा चुकी है। अब आप कृपा करके बैठ जाएं। (ाोर एवं विघ्न)

प्रो. सम्पत सिंहः सर, मेरी आप से सबमिशन है कि आप मुझे एक सप्लीमैंटरी और पूछने की इजाजत दें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मैंने आपको इस सवाल पर तीन सप्लीमैंटरी पूछने की इजाजत दी है, अब मैं अलाऊ नहीं करूंगा। आप बैठ जाएं।

प्रो. सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपसे रिकवैस्ट कर रहा हूं। मैं आपसे सबमिशन कर रहा हूं कि आप मुझे एक सप्लीमैंटरी और पूछने दें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः नैकस्ट क्वैश्चन श्री कुलबीर सिह मलिक।

प्रो. सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, एक सप्लीमैंटरी और पूछ लेने दें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मैं अब अलाऊ नहीं करूंगा। I have already called the next question.

प्रो. सम्पत सिंहः सर, मुख्यमंत्री जी ने काफी भाशण दिया है, क्या आप मुझे एक सप्लीमैंटरी के लिए भी टाईम नहीं देंगे? (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप हाउस का टाईम वेल्ट कर रहे हैं which I do not want. I have given you full time. I will not allow any more supplementary on this question now. Please sit down.

प्रो. सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, सी.एम. साहब हर 10 मिनट के बाद भाशण दे देते हैं और जो ये भाशण देते हैं उसी में से हमने सप्लीमैंटरी पूछनी होती है, इसलिए मैं आपसे

सबमिशन कर रहा था कि आप मुझे एक सप्लीमेंटरी पूछने की इजाजत दे दें।

श्री अध्यक्ष: आप कृपा करके बैठ जाएं। अब मैं अलाऊ नहीं करूंगा। (शोर)

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, मैं आपसे सबमिशन कर रहा हूं। चह दो करोड़ रूपए का मामला है। (शोर)

श्री अध्यक्ष: मैंने नैक्स्ट क्वैश्चन के लिए काल अपोन कर लिया है। I would gain request you to please sit down.

वाक आउट

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, यदि आप मुझे एक सप्लीमैंटरी पूछने के लिए समय नहीं दे रहे हैं, तो मैं एज ए प्रोटैस्ट वाक आउट करता हूं।

(इस समय माननीय सदस्य, प्रो. सम्पत सिंह, सदन से वाक आउट कर गए।)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुररारम्भ)

Un-authorised possession of Municipal Land

***825. Ch. Kulbir Singh Malik**: Will the Minister for Local Government be pleased to state whether any cases of un-authorised possession of municipal lands in the State are pending at present in the courts; if so, total number thereof?

स्थानीय शासन राज्य मंत्री (श्री प्यारा सिंह): हां, 848।

चौ. कुलबीर सिंह मलिक: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से राज्य मंत्री जो से यह जानना चाहता हूं कि कुल कितने गज जमीन है जिस पर नाजायज कब्जे किए हुए हैं और जिसके कोर्ट में केस चल रहे हैं और कितनी कीमत की जमीन है?

श्री प्यारा सिंह: स्पीकर साहब, जो कोर्ट में केस चल रहे हैं उनकी संख्या 848 है।

चौ. कुलबीर सिंह मलिक: स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया। मैंने यह पूछा है कि वह कितने गज जमीन है जिस पर नाजायज कब्जे हैं और वह कितनी कीमत की है?

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री कुलबीर सिंह मलिक ने अपने सवाल में यह पूछा है कि क्या स्थानीय भाासन मंत्री कृपया बतायेंगे कि क्या राज्य में नगरपालिका भूमि पर अनाधिकृत कब्जे के कोई मामले इस समय न्यायालयों में लम्बित पड़े हैं, यदि ऐसा है तो उनकी कुल संख्या कितनी है ? मंत्री जी ने इस बारे में यह बता दिया है कि 848 के कोर्ट में पैडिंग है जिस जमीन पर लोगों ने नाजायज कब्जे किए हुए हैं ?

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक: स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि वह जमीन कितने गज है और कितनी कीमत की है ?

चौधरी भजन लालः आपने अपने मेन सवाल में केवल यह पूछा है कि कोर्ट में कितने केस पैडिंग हैं, वह आपको बता दिए हैं। यह तो आपने पूछा ही नहीं था कि कितने गज जमीन है और कितनी कीमत की है ?

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, लायक सरकार के लायक वजीर तो इस बारे में सही नहीं बता सके लेकिन मुख्य मंत्री जी ने इस बारे में बता दिया है क 848 केसिज कोर्ट में पैडिंग है। मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहूंगा कि नाजायज कब्जे की जमीन पर जो मुकदमें चल रहे हैं वे किस–किस स्थान के है।

श्री प्यारा सिंहः स्पीकर साहब, अम्बाला में 131, भिवानी 153, फरीदाबाद 224, गुड़गांव 15, हिसार 19, जींद 19, करनाल 61, सिरसा 24 इसी तरह से दूसरे स्थान हैं जहां पर जमीन पर नाजायत कब्जे किए हुए लोगों पर मुकदमें चल रहे हैं।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, पिछली बार मुख्य मंत्री जी ने सदन में यह बताया था कि हरियाणा की तमाम नगरपालिकाओं की हद के अन्दर कोई अनअथोराइज्ड कंस्ट्रक ान नहीं होने दी जाएगी लेकिन काफी जगहों पर बगैर नक ाा पास करवाए भी कंस्ट्रक ान जारी है जिसके कारण भाहर की सारी मास्टर प्लान खराब हो चुकी है। मैं आपे माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या उन लोगों के खिलाफ भी इसी तरह

की कार्यवाही की जाएगी जिन्होंने म्युनिसिपल कमेटी की लैंड पर नाजायज कब्जे किए हुए हैं ?

श्री प्यारा सिंहः स्पीकर साहब, न्यायालयों में 668 केस पैडिंग हैं और बाकी केसिज डी0सीज0 के पास पैडिंग हैं।

चौधरी ओम प्रका ाः स्पीकर साहब, इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट काफी दिनों से सस्पैंडिड हैं और उन जमीनों पर बहुत से प्रभाव ााली लोग नाजायज कब्जा करते चले आ रहे हैं। रोहतक में लगभग 30 हजार स्केयर यार्ड जमीन में से 20 हजार स्केयर यार्ड पर प्रभाव ााली लोग इसी तरह से नाजायज कब्जे करते आ रहे हैं। मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि सरकार उन कब्जों को हटवाने के लिए क्या कदम उठाएगी ? दूसरा सवाल मेरा यह है कि सफीदों की म्युनिसिपल कमेटी की जमीन की हद के अन्दर वहां के लोकल एम0एल0ए0 के लड़के ने नाजायज कब्जा किया हुआ है और उसके खिलाफ कोर्ट में केस पैडिंग है। मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि वह केस कितने दिन से कोर्ट में पैडिंग है और किस स्टेज पर है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी और चौधरी ओम प्रका ा जी की यह बात ठीक है कि लोगों ने म्युनिसिपल कमेटी की हद के अन्दर जमीनों पर नाजायज कब्जे कर रखे हैं। मैं भी इस बात से इन्कार नहीं करता। इसके अलावा माननीय सदस्य ने यह कहा कि सफीदों म्युनिसिपल कमेटी की हद

के अन्दर वहां के लोकल एम0एल0ए0 के लड़के ने नाजायज कब्जा किया हुआ है, इस बारे में मुझे जानकारी नहीं है। मैं माननीय सदस्यों को यही कहना चाहता हूं कि जिन लोगों ने नगरपालिका की जमीनों पर नाजायज कब्जे किए हुए है, उन लोगों के खिलाफ कोर्ट में मुकदमें किए हुए है। कई जगहों पर गरीब लोग झोंपड़ी बना कर बैठे हुए है। उनको जब वहां से उठाया जाता है तो वे बड़ा भारी भाोर मचाते हैं, धरना देते हैं और बुरा हाल करते हैं। अब सरकार ने यह फैसला किया है कि जहाां कहीं भी ऐसे लोग बैठे हुए हैं, उनको वहां से उठाकर दूसरी जगह पर बैठा दिया जाए ताकि उन को भी कोई परे ाानी न हो और नाजायज कब्जों को भी मुक्त कराया जा सके। स्पीकर साहब, पहले जो लोग नाजायज कब्जे करते थे, उन को 25 रूपये से लेकर 200 रूपये तक का जुर्माना किया जाता था। जुर्माने की यह रा ि ा काफी कम थी। इसलिए अब सरकार फैसला करने जा रही है कि जुर्मान की रा ि ा कम से कम 200 रूपये और अधिक से अधिक 2000 रूपये कर दी जाये। पहले ऐसे लोगों को 7 दिन का नोटिस दिया करते थे लेकिन अब 7 दिन की बजाये 3 दिन ही करने जा रहे हैं क्योंकि 7 दिन का समय देने पर लोग कोर्ट में चले जाते थे जिस कारण मामला पैडिंग रह जाता था। 3 दिन करने से यह दिक्कत कम हो जाएगी। जहां कहीं पर लोगों ने नाजायज कब्जे किए हुए हैं, उनको वहां से उठाने की पूरी–पूरी कोि ा ा की जाएगी और उनको किसी दूसरी जगह पर जमीन देने की कोि ा ा करेंगे

ताकि नाजायज कब्जों को छुड़वाया जा सके और उनकी दिक्कत को दूर किया जा सके।

श्री अध्यक्ष: अब क्वै चन आवर समाप्त होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Criminal Cases registered with Sampla Police Station

***821. Dr. Bhim Singh Dahiya:** Will the Minister of State for Revenue and Home be pleased to state the criminal cases of various categories, registered with the Polic Station, Sampla (Rohtak), during the months of Novermber and December, 1984 and action taken in each case?

Chief Minister (Ch. Bhajan Lal): A statement is laid on the Table of the House.

Statement

Total No. of Cases registered = 36

Sr.	Criminal Cases of various categories registered at P.S. Sampla (Rohtak)		Month Nov. 84	Month Dec. 84	Total	Action taken in each case			
						Convicted	Pending in Courts	Pending Investigation	Sent up as Untraced
1	323/324 IPC	Hurt	1	2	3		3		
2	148/149 IPC	Rioting	1	1	2		1		1
3	379 IPC	Theft	3		3		2	1	
4	457/380 IPC	Burglary	1	1	2			2	
5	460 IPC	Burglary with murder	11		1		1		

6	279/304-A IPC	Accident	2	2	4		2	1	1
7	279/336 IPC	Ras Driving	4		4	2	2		
8	160 IPC	Committing Afray	1	2	3		3		
9	294/295 IPC	Obscene Act	2		2			1	1
10	283 IPC	Obstruction in public way	1		1	1			
11	427/428 IPC	Mischief		2	2		1	1	
12	451 IPC	House Tresspass		1	1				
13	171-F	Impersonation		1	1		1		

	IPC								
14	341 IPC	Wrongful restraints		1	1			1	
15	Excise Act		2	1	3		2	1	
16	Arms Act		1	1	2		2		
17	E.C. Act		1		1		1		
		Total	**21**	**15**	**36**	**3**	**21**	**9**	**3**

Subsidy to Industries

***829. Sh. Fateh Chand Vij:** Will the Minister for Industries be pleased to state:-

(a) the names of the industries in the State given subsidy fro amounts rangging from Rs. One Lakh to Five Lakhs and for more than Rs. Five Lakh separately during the period from 1980-81 to 1984-85 to-date;

(b) the names of such industries, out of those referred to in part (a) above, as are functioing together with the names of those which have been closed; and

(c) the criteria, if any, adopted for giving susidy to th above said industries?

Industries Minister (Smt. Shakuntla Bhagwaria):

(a) Ther requisite infromation is laid on the Table of the House (Annexures 'A' & 'B').

(b) All the Industries as given in Annexures A & B are functioning except one namely M/s Srj Papers & Chemicals Limited, Dharuhera, which has been closed.

(c) Central Investment Subsidy is sanctioned/disbursed as per the criterion and procedure laid down in the Central Subsidy Manual issued by Government of India.

ANNEXURE – "A"

Statement showingg Industrial Units/disbursed Central Investmentt Subsidy from Rs. One lac to Five lacs during the years from 1980-81 to 1984-85 (Upto 28-2-85)

Sr.	Name of the Industrial Unit	Amount disbursed during the year					
		1980-81	1981-82	1982-83	1983-84	1984-85	Total
1	2	3	4	5	6	7	8
	M/s						
1	Haryana Dairy Development Corporation Limited, Bhiwani	487060					487060
2	Kumar Metal Rolling Mill, Rewari (Mahendergar)	90888	29709	81264			201861

3	Ajay Metals, Rewari	104941		94993			199934
4	Bharat Rice Mills, Chandigarh Road, Tohana	206760					206760
5	Mahindra Metal Industries, Circular Road, Rewari (Mahendergarh)	110377				182923	293300
6	Rawalwasia Oil & General Mills, Hissar	262914			40500		303414
7	Nav Bharat Steels (P) Ltd., Dharuhera, Distt. Mahendargarh	208615					208615

8	Suri Papers & Chemicals Ltd., Dharuhera, Distt. Mahendargarh	355698					355698
9	Kejriwal Indl. Corporation, Bhiwani	102448					102448
10	Guar Gum India (P) Ltd. Nizampur Road, Narnaul		181797				181797
11	Bansal Rice Mills, Tohana, Distt. Hissar		174261				174261
12	Laxmi Ice & Cold Storage, Jind		135575				135575
13	Singla Rice & General Mills,		94338		24050		118388

	Jind						
14	Rewari Textiles (P) Ltd. Rewari (Mahendergarh)			116990			116990
15	Hisar Steel Fabricators (P) Ltd., Hissar		107655				107655
16	Orbit Steel & Agri. Inds., Hissar	75262	116422		70950		262634
17	Raj Moti Inds., Delhi Road, Hissar		117866				117866
18	Nav Bharat Oil Mills, Hissar		85697		69500		155197
19	Nalwa Steel Ltd.,		127909		159857		287766

	Hissar						
20	Indian Guar Gum (P) Ltd., Inds. Area, Hissar			264475	179053		443528
21	Rawalwasia Oil Inds., Hissar		192447		33923		226370
22	Ram Partap Bansal & Sons, Tohana		286693				286693
23	Swastik Udyog Ltd., Hissar			237801	192518		430319
24	Minaxi Inds., Hissar		171263		148000		319263
25	Inndian Guar Gum Pvt., Ltd., Hissar			264475			264475

26	Seth Kanshi Ram Chemicals (India), Hissar		68309		107000		175309
27	National Cooperative Consumer Federation Ltd., Bhiwani				222540		222540
28	Swadesi Tubes (P) Ltd., Hissar			376927			376927
29	Keeran Vegetable Product, Bhiwani		296767				296767
30	G.R. Paper & Board Mills, Gandhi Nagar, Mohindergarh			161139			161139

31	Mahabali Straw Board Udyog, V. & P.O. Moth, Hissar			161355			161355
32	Ajanta Tiles Khol Road, Kund, Teh. Rewari, Distt. Mahendergarh			118032			118032
33	Ram Partap Bansal & Co. Pvt. Ltd., Tohana, Hissar			288000			288000
34	Amar Inds. Indl. Estate, Hissar			179350			179350
35	Bharat Metals Delhi Road, Hissar			132000			132000

36	Aggarwal Paper Board Mills, Jind			188186			188186
37	Kamal Paper Board, Jind			141082			141082
38	Jai Bharat Gum & Chemicals, Siwani, Bhiwani			174600		87500	262100
39	Franklin Ceramics Pvt. Ltd., Hissar			214677			214677
40	Vinax Plot No. 24, Dharuhera		218100	125800			343900
41	Chowdhry Rice Mills, Tohana, Hissar				133473		133473
42	Haryana Oil &				156500		156500

	General Mills, Tohana, Hisar						
43	Diwakar India, Dharuhera				379500		379500
44	Surindra Enterprises Pvt. Ltd., Rewari				367967		367967
45	Neeraj Tubes Pvt. Ltd., Hissar				345607		345607
46	Jindal Metal (P) Ltd., Hissar				244299		244299
47	Quality Foils, Hissar				287500		287500
48	Shree Saraswati Cotton Mills, Hissar			150300	186000		336300

49	Ravindra Tubes Ltd., Hissar			267000			267000
50	Hari Inds., Rewari				167500		167500
51	Haryana Rolling Mills, Bhiwani				276000		276000
52	Guar Gum Chemical Ltd., Hissar					122892	122892
53	Adarsh Chemical Inds Charki Dadri, Bhiwani				103870		103870
54	Shalimar Card Board Inds. Tosham, Bhiwani				162500		162500
55	Jai Gum Chemical India				203475	190513	393988

	Pvt. Ltd., Hissar						
56	Jindal Industries Ltd., Hissar				118744		118744
57	Haryana Steel Products, Bhiwani				321406		321406
58	Laxmi Steel Products, Bhiwani				259230	111096	370826
59	Vipan Metals Works, Rewari				152049		152049
60	Raj Hans Oil Extraction & Pvt. Ltd., Jind					358063	358063
61	Ajay Papers Card Board Mill Jhanj Kalan, Jind					116800	116800

62	Pargati Textile Rewari, M.Garh				187000		187000
63	S.K. Foils, Bhiwani					186000	186000
64	Aggarwal Paper Products, Rewari					124350	124350
65	Raj Metals, Rewari					138000	138000
66	Durga Dall & Industries Vill. Lohani, Bhiwani					145000	145000
67	Amar Jawala Papers Mills India Bhiwani					175000	175000
68	Shree Laxmi Guar Gum Chemicals,				147000		147000

	Jind						
69	Kailashpati Dall & Ginning Mill, Tosham, Bhiwani					165400	165400
70	Uklana Oil Mill, Uklana, Hissar					239200	239200
71	Adarsh Stone Crushers, Khanak, Bhiwani					121600	121600
72	Haryana Tube Mfg. Pvt. Ltd. Co., Hissar				294425	165900	460325
73	Sharda Board & Paper Products, Narnnaul					138139	138139
74	Goel Steel Inds.,				125300		125300

	Hissar						
75	FM Rice & Dall Mill, Tohana, Hissar					100950	100950
76	Virendra Straw Board Mill, Vill. Kulan, Hissar					149800	149800
77	Aggarwal Metal Works Pvt. Ltd., Rewari				98769	54220	152989
78	Uklana Paper Board Mills, Hissar					137000	137000
79	Pargati Chemical Inds., M.Garh				282000	68000	350000
80	Panna Lal Oil				118000		118000

	General Mill Pvt. Ltd., Hissar						
81	Rama Guar Gum Factory, Raliawas, M.Garh					115000	115000
82	Hari Spinning Mills, Hansi, Hissar					116000	116000
83	Ravi Ice Factory, Bhiwani					127500	127500
84	Scientific Inds. Research Corporation, Haluwas, Bhiwani					128500	128500
85	Mahavir P.V.C. Pipes Pvt. Ltd.,					439500	439500

	Haluwas, Bhiwani						
86	Chaudhry Weld Arc Inds. Pvt. Ltd., Hissar					243700	243700
87	Minaxi Enterprises Pvt. Ltd., Fatehabad					222700	222700
88	United Chemical Inds., Dharuhera		131388				131388
89	Shakti Solvex and General Mills, Pvt. Ltd., Jind				422237		422237
90	Haryana Roller Flour Mills, Jind				177500		177500
91	Haryana Tranneries Ltd.,				123752		123752

	Jind						
92	Oriental Gum Pvt. Ltd., Hissar				219300	137000	356300
93	Neelam Gum & Chemicals, Bhiwani				129857		129857
94	Rajindra Chemical Inds., Hissar			88554	57465		146019
95	Prem Board Mills, Punhana (Mewat Subsidy)				127266		127266

ANNEXURE – "B"

Statement showing Industrial Units given/Disbursed Central Investmentt Subsidy more Rs. Five lac during the years from 1980-81 to 1984-85 (Upto 28-2-85)

Sr.	Name of the Industrial Unit	Amount disbursed during the year					
		1980-81	1981-82	1982-83	1983-84	1984-85	Total
1	2	3	4	5	6	7	8
	M/s						
1	Potex Production Dairy Dev. Corp. Ltd., Bhiwani	548603					548603
2	Hindustan Gum and Chemiclas, Bhiwani	606300	455245		215719		1277264
3	Centuary Tubes, Bhiwani	797800	399877				1197737

4	The Gwallior Rayon Silk Mfg. (wrg.) Co. Ltd. Nagda Prop. of Bhiwani Textiles Mills, Bhiwani	1500000					1500000
5	Technological Institute of Textile, Bhiwani	788476	283809			427715	1500000
6	Rajindra Oil Mills, Hissar	274342	137181	118900		43000	573423
7	East India Syntex Ltd., Dharuhera (1500000)		1500000				1500000
8	Haryana Agro Cattle Feed Plant, Jind		566196				566196

9	Dharuhera Chemicals, Dharuhera			1444000			1444000
10	Rama Fibre Ltd. Bambla, Bhiwani		1500000				1500000
11	Multitech International, Dharuhera			1500000			1500000
12	Janak Steel Tubes Pvt. Ltd., Hissar			418608	323000		741608
13	Pashupati Spinning & Weavign Mills, Dharuhera		1500000				1500000
14	Parkash Pipe & Inds. Ltd., Village			900000	600000		1500000

	Mayer, Hissar District						
15	Bhanu Indis. Village Satrod, Hissar		473944		646000	380056	1500000
16	Om Steel Tube Ltd., Dharuhera			981425			981425
17	Sidharath Papers Ltd., Dharuhera			316000	491000		807000
18	K.C. Textiles Ltd., Jind				1275000	225000	1500000
19	S.B. Oil Industries Pvt. Ltd., Delhi Road, Hissar			446000	169500		615500
20	Weston				506000	894000	1400000

	Electronics Components Pvt. Ltd., Dharuhera						
21	Dinesh Tubes Ltds., Malpura, Dharuhera				881000	619000	1500000
22	Sham Sunder (Haryana) Inds, Hissar				568200		568200
23	Rukmani Enterprises Pvt. Ltd., Kapriwas, M.Garh					810000	810000
24	Delton Cable Ltd., Malpura, Dharuhera					1500000	1500000

25	Bhanu Steel Pvt. Ltd., Hissar					745000	745000

Ambala-Jagadhri Road

***831. Seth Ram Dass Dhamija:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state:-

(a) whether any portion of Ambala-Jagadhri road is proposed to be made a four lane road; and

(b) if, so details thereof together with the time by which such a proposal is likely to materialise?

लोक निर्माण मंत्री (श्री अमर सिंह):

(क) जी नहीं।

(ख) उपरोक्त (क) के अनुसार, प्र न ही नहीं उठता।

Criteria for Agriculture Production

***849. Sh. Kitab Singh:** Will the Minister of State for Revenue and Home be pleased to state:-

(a) whether itt is a fact that the criteria of agricultural production fixed at the time of settlement (Bandobast) of 1902 is still in force;

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to revise the above siad criteria keeping in view the modern methods of prodction;

(c) whether there ary any crops in respect of which no criteria of production has no far been fixed; if so, the name of all such crops; and

(d) whether there is any proposal under consideration of the Government to fix criteria of production for each crops like vegetables etc.?

राजस्व राज्य मंत्री (श्री लछमन दास अरोड़ा):

(क) से (घ): प्रमुख कृशि जिसों के औसत उपज अनुमान बन्दोबस्त के समय जिले के हरेक एसैसमैंट सर्कल के लिए उस सर्कल की मिट्टी की किस्मों के अनुसार अलग–अलग बनाए जाते थे क्योंकि पीछे काफी लम्बे समय तक कोई बन्दोबस्त नहीं किये गये हैं। राज्य के विभिन्न भागों के लिये विभिन्न कृशि जिसों के उपज अनुमानों से सं ाोधन करने में काफी कठिनाई पे ा आ रही है। फिर भी यह मामला सरकार के विचाराधीन है।

Stree Roads in Village o Kiloi Constituency

***833. Sh. Hari Chand Hooda:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state:-

(a)the village wise details off the street roads, if any, constructed in the villages of Kiloi Constitutency of district Rohtak durinng the year 1983-84;

(b) whether it is a fact that the street roads in front of the Harijan Colony and ahead of the village Kiloi School and from Titoli School to Tank and of Humayunpur are lying incomplete for the last 4 years; if so, the reasons therefore; and

(c) the time by which the roads as referred to in part(b) are likely to be completed?

पंचायत तथा विकास मंत्री (चौधरी राजेन्द्र सिंह):

(क) किलोई विधान सभा क्षेत्र के जिन गांवों में गलियों का निर्माण करवाया गया है, की सूची अनुबन्ध 'क' पर रखी जाती है।

(ख) हरिजन कालोनी के सामने वाली गली तथा गांव किलोई के स्कूल से आगे वाली गली वर्श 1981–82 व 1982–83 में पक्की की गई थी जो हर प्रकार से पूर्ण है।

गांव किलोई मे स्कूल से तालाब तक गली बनवाने के लिए मिट्टी डलवाने का कार्य वर्श 1982 में करवाया गया था परन्तु आव यक रा ि ा उपलब्ध न होने के कारण यह कार्य पूर्ण नहीं करवाया जा सका। अब इस कार्य को आरम्भ किया गया है।

गांव हुमायुंपुर में गली का निर्माण ग्राम पंचायत द्वारा अपने साधनों से किया गया था, परन्तु कुछ ग्राम निवासियों द्वारा कुछ बाधा उत्पन्न किये जाने के फलस्वरूप पूर्ण नहीं करवाया जा सका।

(ग) भाग 'ख' में वर्णित कार्य को करवाया जा रहा है जिस को वर्श 1985–86 के दौरान पूर्ण किया जायेगा।

अनुबन्ध 'क'

किलोई विधान सभा चुनाव क्षेत्र के जिन गांवों मे गलियों का निर्माण करवाया गया है की सूची:–

1. भालोट

2. गढ़ी बोहर

3. लादोह

4. किलोई खास

5. भाया पुर

6. बसन्तपुर

7. रूरकी

8. आसन

9. हुमायुपुर (कुछ भाग)

10. जसिया

11. सावी

12. कटवारा

13. बखेटा

14. खिडवाली

15. चमारियान

16. मकड़ोलीकलां

17. ब्राहमनवास

18. धामर

19. धारोथी

20. जिन्दरान

21. नान्दल

22. चिड़ी

23. टिटौली (कुछ भाग)

Setting-up of a Sugar Mills at Gohana

***842. Sh. Bhalle Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set-up a Sugar Mills at Gohana; and

(b) if so, the time by which such a proposal is likely to materialise?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) हां।

(ख) राज्य सरकार के लिए यह बताना संभव नहीं है कि कितने समय में यह प्रस्ताव कार्यान्वित किया जायेगा क्योंकि यह भारत सरकार के विचाराधीन है।

Shortage of Teachers in the Rural Areas

***870. Sh. Mahendra Partap Singh:** Will the Minister of Stage for Education be pleased to state:-

(a) whether it is a fact that there is a shortage of teachers in the rural areas in the State;

(b) whether it is also a fact that the shortage of teachers in the rural area is on account of thhe fact that facilities available to the teachers workingg in the urban areas are not available to the teachers in rural areas and they are also not paid any rural allowance; and

(c) if the reply, to parts(a) and (b) above be in the affirmative, the steps, if any, taken or proposed to be taken by the Government to over-come the shortage of teachers in the rural areas?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):

(क) नहीं जी।

(ख) (क) को सम्मुख रखते हुये प्र न नहीं उठता।

(ग) प्र न नहीं उठता।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Financial Position of Gohana Marketing Committee

154. Sh. Kitab Singh: Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) the present financial position of the Gohana Marketing Committee;

(b) the dates on which and the account in which the case, if any, lying with the said committee, upto 7-2-1985, was deposited together with the name of the bank and the dates of resolution, if any, passed for the purpose; and

(c) the rate of interest being paid by the bank where the amount referred to in part(a) above stands deposited?t

Chief Minister (Ch. Bhajan Lal):

(a) The financial position of this Market Committee, as on 7-2-85, is as under:-

		Amount in Rs.
(i)	Opening balance as on 1-4-84	1076379.53
	Add income from 1-4-84 to 7-2-85	3102877.28
	Total	4179256.81
	Less expenditure from 1-4-84 to 7-2-85	841388.38
	Closing balannce as on 7-2-85	3337868.43
	Add uncashed cheque	302075.70

	Total	3639944.13
	Less un-realised cheque	35.66
	Balance as per Post Office/Bank pass book as on 7-2-85	3639908.47
(ii)	Investment with Haryana State organizations:-	
1	Investment with Hayana State Electricity Board	4900000.00
2	Haryana State Development Loan	24300.00
3	Loan to Haryana State Agricultural Marketing Board	1200000.00
	Total	6124300.00

(b) and (c): A statement is attached.

STATEMENT

Sr.	Name of Bank/ Post Office	Date of Opening A/c	Amt. initially deposited (in Rs.)	Closing Balance as on 7-2-85 (in Rs.)	Rate of Intt.	Resolution/ order of the Admn.	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
BANK ACCOUNTS							
1	Central Coop. Bank Gohana	12-3-58	1000.00	1485907.66	5½%	By sanction of Deputy Commissioner, Rohtak.	
2	New Bank of India Gohana	9-1-70	89.54	Nil	5%	By resolution No. 912 dated 29-7-69	A/c closed on 18-3-71
3	Post Office	19-6-70	169481.50	23689.41	5½%	By resolution No. 910 dated	

	Gohana					29-7-69	
4	Central Coop. Bank Meham	30-4-71	8877.27	8877.27	5%	By order of Admn.	
5	Punjab National Bank Mundlana	5-11-77	112.50	145163.55	5%	By order of Admn.	
6	Punjab National Bank Gohana	3-5-79	1500000.00	1167895.21	5%	By order of Admn.	
7	Oriental Bank of Commerce Gohana	10-5-79	500000.00	6754.24	5%	By order of Admn.	
8	Central Coop. Bank Lakhan Majra	6-5-82	1317.76	139453.20	5%	By order of Admn.	
9	Punjab	18-5-82	218.68	275086.46	5½%	By order of	

	National Bank Baroda					Admn.	
10	Punjab National Bank Kathura	7-5-84	4164.49	25435.24	5%	By order of Admn.	
11	State Bank of Patiala	5-11-84	75433.85	361646.23	5%	By order of Chairman	
			Total	**3639908.47**			
Investment and Loans							
1	Haryana State Electricity	12/83 to 7/84	4900000.00	4900000.00	7%	By order of Admn/ Chairman	
2	Haryana State Development Loan	3-9-68	243000.00	243000.00	5¾%	By order of Chairman	

3	Haryana State Agricultural Marketing Board	31-3-82	1200000.00	1200000.00	8%	By order of Admn.	
			Total	**6124300.00**			

Vehicles with the Police Department

158. Sh. Kitab Singh: Will the Minister of State for Revenue and Home be pleased to state:-

(a) the district wise number of petrol and diesel vehicles, including Matados, Jeeps and heavy vehicles, separately with the Police Department during the period 1982-83 and 1983-84;

(b) the average consumption of petrol and diesel of the above said vehicles together with the number of kilometers for which the said vehicles were plied, separately during the perido as referred to in part(a) above; and

(c) the names of vehicles got overhauled during the period, referred to in part(a) above, togethe with the number of times for which the said vehicles were got overhauled?

Minister of State for Revenue (Sh. Lachhman Dass Arora):

(a), (b) & (c) Three statement (Annexures 'A', 'B' and 'C') containing the requisite information are enclosed.

Annexure-A

Name of Distt.	Period 1982-83								Period 1983-84							
	Petrol driven vehicles				Diesel driven vehicles				Petrol driven vehicles				Diesel driven vehicles			
	Heavy Vehicle	Car	Matador & Similar other light vehicle	Motor Cycle	Jeep	Heavy vehicle	Matador & similar other light vehicle	Jeep	Heavy Vehicle	Car	Matador & Similar other light vehicle	Motor Cycle	Jeep	Heavy vehicle	Matador & similar other light vehicle	J
Kurukhetra	2	1	2	2	3	3	7	8	1	1		9	1	3	7	9
Ambala		2	2	2	4	4	7	8		2	2	2	4	4	7	8
		1	2		2	4	2	7		1	2		2	4	2	7
	1	1	2	1	3	3	3	10		1		1	1	5	5	1
		1	3		2	3	4	7		1	3		2	3	4	7
		1	2		3	3	5	6		1	1	2	1	3	4	9
		1				1	2	9		1				2	3	1

		1		2	2	4	5	9		1		4	2	4	5	9
		1	2		2	3	2	6		1	2		2	3	2	6
		1	1	2	3	4	2	6		1	1	2	2	4	2	6
		1	1	1	3	5	1	9		1	1	1	3	5	1	9
		1	1		8	2	5	4		1	1		8	2	5	4
Total	3	13	18	10	35	39	45	89	1	13	13	21	28	42	47	9

Annexure-B

Sr.	Name of District	Type of Vehicle	Petrol Driven				Diesel driven			
			Average Consumption (per litre)		K.M. Covered		Average Consumption (per litre)		K.M. Covered	
			1982-83	1983-84	1982-83	1983-84	1982-83	1983-84	1982-83	1983-84
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	Kurukshetra	Heavy Vehicles	3 Kms	3 Kms	20290	7930	4.33 Kms	4 Kms	72455	96925
		Car	8 Kms	8 Kms	33485	23485				
		Matadors & other light vehicles	Remaind off road				10 Kms	10 Kms	171710	174642

		Motor Cycles	16 Kms	26.88 Kms	64966	67383				
		Jeeps	8 Kms	8 Kms	54575	27930	10 Kms	10 Kms	219779	212801
*Two old Motor cycles gave average of 16 Kms while 7 new Motor cycles give 30 Kms per litre										
2	Ambala	Heavy Vehicles					4 Km	4 Km	52252	62784
		Car	8½ Kms	8½ Kms	32410	53623				
		Matadors & other light vehicles	6 Kms	6 Kms	1397	2318	9½ Kms	9½ Kms	136964	187874
		Motor Cycles	20 Kms	20 Kms	14113	23423				
		Jeeps	7 Kms	7 Kms	94166	95594	9½ Kms	9½ Kms	225368	224418

3	Jind	Heavy Vehicles					3.69 Kms	3.99 Kms	109993	115965
		Car	8.5 Kms	8.58 Kms	31990	20807				
		Matadors & other light vehicles	5 Kms	5 Kms	23411	8257	10 Kms	9.9 Kms	180717	164808
		Motor Cycles	Non-was available							
		Jeeps	6.01 Kms	6 Kms	35151	31561	9.9 Kms	9.9 Kms	180717	164808
4	Hissar	Heavy Vehicles	2 Kms		168587		4 Kms	5.5 Kms	480744	584795
		Car	8 Kms	8 Kms	9015	50016				
		Matadors	6 Kms		252684		10 Kms	10	300678	395373

		& other light vehicles						Kms		
		Motor Cycles	20 Kms	20 Kms	165708	17168				
		Jeeps	6 Kms	6 Kms	491669	215508	10 Kms	10 Kms	1141589	1530110
5	Bhiwani	Heavy Vehicles					4 Kms	4 Kms	42250	52030
		Car	8 Kms	8 Kms	33122	19788				
		Matadors & other light vehicles	5 Kms	5 Kms	38655	10475	9.5 Kms	9.5 Kms	148086	78529
		Motor Cycles	None-was available							

		Jeeps	6 Kms	6 Kms	36216	25623	8 Kms	9 Kms	204829	205298
6	Narnaul	Heavy Vehicles					4.16 Kms	4 Kms	39333	37840
		Car	8 Kms	8 Kms	9655	9655				
		Matadors & other light vehicles	5.5 Kms	6 Kms	7642	9555	10 Kms	10 Kms	68375	48300
		Motor Cycles	None-was available							
		Jeeps	7 Kms	6 Kms	12720	16532	10 Kms	9 Kms	65986	64817
7	Gurgaon	Heavy Vehicles					4 Kms	4 Kms	23240	46969
		Car	8 Kms	8	42910	38893				

				Kms						
		Matadors & other light vehicles					10 Kms	9 Kms	82540	138774
		Motor Cycles	None-was available							
		Jeeps					9 Kms	9 Kms	367763	324257
8	Faridabad	Heavy Vehicles					4 Kms	4 Kms	140294	205214
		Car	9 Kms	9 Kms	28240	26324				
		Matadors & other light vehicles					10 Kms	10 Kms	84858	86605
		Motor	20 Kms	21	45128					

		Cycles		Kms						
		Jeeps	7 Kms	7 Kms	66281	73170	10 Kms	10 Kms	218436	391810
9	Sirsa	Heavy Vehicles					4 Kms	4 Kms	52962	72688
		Car	8 Kms	8 Kms	26976	24128				
		Matadors & other light vehicles	6 Kms	6 Kms	66048	45900	8 Kms	8 Kms	30248	30480
		Motor Cycles	None-was available							
		Jeeps	6 Kms	6 Kms	51084	35652	9 Kms	9 Kms	163405	97762
10	Sonepat	Heavy Vehicles					4.5 Kms	4 Kms	30710	88538

		Car	9 Kms	9 Kms	3979	3932				
		Matadors & other light vehicles	6 Kms	6 Kms	4617	2630	10 Kms	10 Kms	42155	39072
		Motor Cycles	22 Kms	22 Kms	6640	90795				
		Jeeps	6.5 Kms	6.5 Kms	34228	35205	10 Kms	10 Kms	119661	101686
11	Rohtak	Heavy Vehicles					3.8 Kms	3.8 Kms	125746	96894
		Car	8 Kms	8 Kms	31682	28026				
		Matadors & other light	6 Kms	6 Kms	24905	21749	10 Kms	10 Kms	25892	20530

		vehicles								
		Motor Cycles	20 Kms	20 Kms	8208	277				
		Jeeps	7 Kms	7 Kms	73713	57111	9 Kms	9 Kms	295731	283925
12	Karnal	Heavy Vehicles					4.5 Kms	4.5 Kms	49164	32718
		Car	8 Kms	8 Kms	30545	20842				
		Matadors & other light vehicles	5 Kms	5 Kms	19429	19429	9.5 Kms	9.5 Kms	212734	185992
		Motor Cycles	None-was available							
		Jeeps	7 Kms	7 Kms	127566	166023	9.5 Kms	9.5 Kms	152784	112080

ANNEXURE-C

Sr.	Name of District	Sr.	Name of Vehicle	Overhauled
1	Rohtak	1	Jeep No. 4283	Twice on 7-6-82 & 28-5-83
		2	Jeep No. 3804	Once
		3	Car HRQ–22	Once
		4	Jeep HRO-4284	Once
		5	Motor Cycle HRE-2777	Once
		6	Jeep HYR–567	Once
		7	Jeep HYR–1201	Once
		8	Jeep HYR–1202	Once
		9	Jeep HYR–1203	Once
		10	Jeep HYO–937	Once
		11	Matador HRO–4802	Once
		12	Bus HRD–8150	Once
		13	Prision Van HRR-3540	Once
2	Karnal	1	Car HYK–123	Once

		2	Jeep HRD-6400	Once
		3	Jeep HHRD-6760	Once
		4	Jeep HYC-3016	Once
		5	Jeep HYC-3017	Once
		6	Jeep HYC-270	Once
		7	Jeep HYC-271	Once
		8	Matador HYC-1004	Once
		9	Matador HYC-1006	Once
3	Kurukshetra	1	Motor3 Cycle HYE-2628	Once
		2	HRQ-4 Staff Car	Once
		3	HRQ-123 Jeep	Twice in 1982-83 & 1983-84
		4	HRE-2631	Once
4	Narnaul	1	Car HYM-999	Once
		2	Pick Up HRD-5157	Once
		3	Pick Up HRD-5158	Once
		4	Bus HRM-409	Once
		5	Jeep HRE-1592	Once

		6	Car HRM-21	Once
		7	Jeep HRM-1221	Once
		8	Jeep HRX-2204	Twice in 1983 &84
		9	Jeep HRM-739	Once
		10	Matador HRM-1020	Once
		11	Trekker HRM-2122	Once
		12	Bus HRM-407	Once
		13	Motor Cycle HRX-4677	Once
		14	Matador HRM-1021	Once
		15	Jeep HRM-891	Once
		16	Jeep HRM-776	Once
		17	Jeep HRM-892	Once
		18	Jeep HRX-828	Once
5	Jind	1	HRJ-222 Car	Twice in 1982, 83
		2	HRJ-38 Jeep	Once
		3	HRJ-1933 Jeep	Once
		4	HRJ-5601 Jeep	Thrice in

				1982, 83
		5	HRJ-2184 Jeep	Twice in 1982, 83
		6	HRJ-2185 Jeep	Twice in 1982, 83
		7	HRJ-2186 Jeep	Twice in 1982, 83
		8	HRJ-1932 Jeep	Twice in 1982, 83
		9	HRJ-3505 Jeep	Twice in 1982, 83
		10	HRD-7319 Pick Up	Twice in 1982, 83
		11	HRD-5774 Pick Up	Twice in 1982, 83
		12	HRJ-2527 Matador	Twice in 1982, 83
		13	HRJ-2528 Matador	Twice in 1982, 83
		14	HRJ-715 Bus	Thrice in 1982, 83
		15	HRD-9287 Bus	Thrice in 1982, 83

6	Faridabad	1	Car HRP-4444	Once
		2	Jeep HRU-6666	Twice in 1982-83 & 1983-84
		3	Jeep HRM-7777	Twice in 1982-83 & 1983-84
		4	Motor Cycle HRC-4615	Twice in 1982-83 & 1983-84
		5	Motor Cycle HRC-4616	Twice in 1982-83 & 1983-84
		6	Jeep HRU-6700	Twice in 1982-83 & 1983-84
		7	eep HRX-4457	Twice in 1982-83 & 1983-84
		8	Jeep HRJ-5151	Twice in 1982-83 & 1983-84
		9	Jeep HRP-2854	Twice in 1982-83 & 1983-84

		10	Jeep HRP-2854	Twice in 1982-83 & 1983-84
		11	Jeep HRP-5075	Twice in 1982-83 & 1983-84
		12	Jeep HRC-7041	Twice in 1982-83 & 1983-84
		13	Matador HRC-7534	Twice in 1982-83 & 1983-84
		14	HRC-7536 Matador	Twice in 1982-83 & 1983-84
		15	HRC-7538 Matador	Twice in 1982-83 & 1983-84
7	Bhiwani	1	Jeep HYV-353	Once
		2	Jeep HYV-362	Once
		3	Jeep HYV-1262	Once
		4	Jeep HYV-1260	Once
		5	Jeep HYV-1261	Once

		6	Jeep HRD-8733	Once
		7	Matador HYB-1624	Once
		8	Trekker HYB-2302	Once
		9	Trekker HYB-3202	Once
		10	Bus HYV-1003	Once
8	Hissar	1	Jeep HRO-5602	Once
		2	Jeep HRE-4792	Once
		3	Jeep HRF-569	Once
		4	Jeep HRF-5971	Once
		5	Jeep HRF-879	Once
		6	Jeep HRF-5305	Once
		7	Matador HRF-6815	Once
		8	Jeep HRT-878	Once
		9	Jeep HRX-2203	Once
		10	Matador HRF-6813	Once
9	Ambala	1	Car HYA-9000	Once
		2	Car HRD-999	Once
		3	Jeep HYA-5950	Once
		4	Jeep HYRA-5951	Once

		5	Jeep HYA-5952	Twice in 1982-83 & 1983-84
		6	Jeep HYA-4610	Once
		7	Jeep HYA-9009	Once
		8	Jeep HRE-1949	Once
		9	Jeep HRE-1789	Once
		10	Matador HYA-6898	Once
		11	Bus HRE-1378	Once
10	Gurgaon	1	Car HRU-2	Twice in 1982-83
		2	Jeep HRC-7057	Once
		3	Jeep HRC-7291	Once
		4	Jeep HRC-7292	Once
		5	Jeep HRC-4589	Once
		6	Jeep HRU-1802	Once
11	Sonepat	1	Jeep HRS-1600	Once
		2	Jeep HRS-1700	Once
		3	Jeep HRS-45	Once
		4	Jeep HRK-4046	Once

		5	Matador HRS-2600	Once
		6	HRS-2460	Once
12	Sirsa	1	Jeep HRF-2727	Once
		2	Jeep HRD-382	Once

Profit earned/loss sufferecd by Cooperative Sugar Mills

155. Ch. Balvir Singh Grewal: Will the Chief Minister e pleased to state:-

(a) the total amount of profit earned or losses suffered by various Cooperative Sugar Mills in the State since their inception; and

(b) whether the amount of profit, if any, earned by the said Sugar Mills has ever been paid to the share holders; if not, the reasons therefor?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) दिनांक 30–6–1984 तक केवल चार सहकारी चीनी मिलें कार्य कर रही थी। इन मिलों ने कुछ वर्शों में लाभ कमाया है तथा अन्य कुछ वर्शों में हानि उठाई है। दिनांक 30–6–84 तक लाभ की रा ि। समायोजित करने के बाद कुल उठाई गई हानि निम्न प्रकार से हैं:–

क्रमांक	सहकारी चीनी मिल का नाम	उठाई गई हानि

		(रा ि ा लाखों में)
1	पानीपत	(–)551.90
2	रोहतक	(–)123.57
3	करनाल	(–)603.32
4	सोनीपत	(–)747.54

(ख) पानीपत सहकारी चीनी मिल द्वारा 20.85 लाख रूपये अपन हिस्सेदारों को लाभां ा के रूप में बांटे गये तथा रोहतक चीनी मिल ने 31.07 लाख रूपया लाभां ा के रूप में अपने हिस्सेदारों को बांटा। करनाल तथा सोनीपत चीनी मिलों में होने वाली हानि के कारण अब तक कोई लाभां ा घोशित नहीं किया गया है।

Desilting of Hansi, Sunder and Butana Branches

156. Ch. Balvir Singh Grewal: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) the expenditure, if any, incurred on the desilting of Hansi, Sunder and Butana branches during the year 1981-82, 1982-83, 1983-84 and 1984-85 (upto 31st December, 1984) separately; and

(b) whether any complaint has been received that expenditure shown to have been incurred on some of the desilting works referred to in part (a) above was not actually incurred during the said period, if so, the details thereof?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला):

(क) भून्य।

(ख) नहीं जी।

Procurement of Paddy in the State

157. Ch. Balvirr Singh Grewal: Will the Minister for Food & Supplies be pleased to state:-

(a) the total quantity of paddy procured in the State during the period from 1-10-1984 to-date; and

(b) whether any loans have been paid to the farmers on accoutn of the procured paddy, as referred to in part(a) above?

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (चौधरी कल्याण सिंह):

(क) 1—10—1984 से 15—2—85 की अवधि में धान की समस्त किस्मों की मण्डियों मे कुल आमद 18.22 लाख टन की मात्रा में से 1.17 लाख टन राज्य की खरीद एजेंसियों द्वारा समर्थन मूल्यों पर खरीदा गया अर्थात् 1.01 लाख टन हैफैड ने व .16 लाख टन भारतीय खाद्य निगम ने। बाकी का धान कारखाना मालिकों तथा व्यापारियों द्वारा राज्य में बाजार भाव जो कि समर्थन मूल्य से अधिक था, पर खरीदा गया।

(ख) खाद्य एवं पूर्ति विभाग ने किसानों को उन से खरीदी गई धान पर कोई कर्जा नहीं दिया। अलबत्ता उन्हें धान का मूल्य दे दिया गया है।

D.P.Ls working in Animal Husbandry Department

162. Prof. Sampat Singh: Will the Minister of State for Animal Husbandry be pleased to state:-

(a) the number of persons who have been working as D.P.Ls in Animal Husbandry Department and Livestock Farms in teh State during the period 1980-81, 1981-82, 1982-83, 1983-84 and 1984-85 to-date separately; and

(b) the number of persons who have worked as D.P.Ls in the Animal Husbandry Department and Livestock Farms for 15 years, 10 years, 5 years and one year to-date separately?

पशुपालन राज्य मंत्री (चौधरी लाल सिंह):

(ए)	पशुपालन विभाग	वर्ष	डी0पी0 एल्ज की संख्या
		1980—81	9
		1981—82	6
		1982—83	7

		1983–84	10
		1984–85 (2/85 तक)	17
	प्रधन (लाइव स्टाक) फार्म	**वर्श**	**डी0पी0 एल्ज की संख्या**
		1980–81	1774
		1981–82	1814
		1982–83	1756
		1983–84	1729
		1984–85 (2/85 तक)	1488

(ए)	**पशुपालन विभाग**	**15 वर्श**	**10 वर्श**	**5 वर्श**	**1 वर्श (अब तक)**
		–	–	–	13
	प्रधन (लाइव	**15 वर्श**	**10 वर्श**	**5 वर्श**	**1 वर्श**

	स्टाक) फार्म				(अब तक)
		—	6	74	253

Per Capita expenditure on the supply of Medicines to the Patients

163. Prof Sampat Singh: Will the Minister of State for Health be pleased to state:-

(a) the per capita amount of expenditure incurred on the supply of medicines to patients in the State during the years 1980-81, 1981-82, 1982-83, 1983-84 and 1984-85 (to-date); and

(b) the total amount of O.P.D. fee realised from the patients by the Civil Hospital, Hissar during 1984-85 (to-date) together with the per capita amount of expenditure incurred by the said Hospital on the supply of medicines to the out-door patients during the said period?

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्रीमती करतार देवी):

(क) 1980—81 4.79 रूपये

1981—82 7.86 रूपये

1982—83 8.29 रूपये

1983—84 11.55 रूपये

1984–85 (अब तक) क्योंकि रोगियों की संख्या विभिन्न चिकित्सा संस्थाओं से वर्श में एक बार वार्शिक रिपोर्ट आती है, जो अभी देय नहीं है, इसलिए इस वर्श की यह सूचना देनी संभव नहीं है।

(ख) 35256.2 रूपये (3–3–85 तक)

क्योंकि बहिरंग रोगियों को जो दवाईयां दी जाती हैं, उनका व्यय अलग से नहीं रखा जाता, इसलिए प्रति बहिरंग रोगी खर्चा दिया जाना संभव नहीं है।

Opening of Sub centres, R.Ds., S.H.Cs., etc. in the state

164. Prof Sampat Singh: Will the Minister of State for Health be pleased to state:-

(a) the number and names of places where sub centres, R.Ds., S.H.Cs., have been opened in the State during the period from 1st January, 1981 to date; and

(b) names of such health centres, if any, as are without qualified Multipurpose Health Workers and Doctors?

Minister of State for Health (Smt. Kartar Devi):

(a) & (b): Statements indicating the requisite information have been placed on the Table of the House.

STATEMENT 'A'

Statement showing the number and names of places where sub-centres have been opened in the State during the period from 1-1-1981 to date.

Sr. No.	**Name of the Place**
District Ambala	
1	Khizrabad
2	Lakarbhimpura
3	Telipura
4	Dharamkot
5	Mandkhera
6	Ledi
7	Taharpur
8	Dharpur
9	Salimpurbangar
10	Salimpurkohi
11	Ismailpur
12	Bakarwala
13	Arainwala
14	Shahjadwala
15	Malikpurbangar

16	Pinjore
17	Mullana
18	Sadhaura
19	Bilaspur
20	Mustfabad
21	Chaurmastpur
22	Raipur Rani
23	Jaidhar
24	Arnauli
District Bhiwani	
25	Bamla
26	Faluwas
27	Rajgarh
28	Kubar
29	Golagarh
30	Prem Nagar
31	Natampura
32	Leghan
33	Gujrani

34	Sirsa
35	Haluwas
36	Guskani
37	Tigrana II
38	Golpura
39	Dabh Dhani
40	Mansarwas
41	Phool Pura
42	Rewari
43	Narangabad
44	Bapora
45	Kisambhi
46	Kiaru
47	Dhareru
48	Jhinjhar
49	Sanjarwas
50	Makarana
51	Bhagvi
52	Bond Kalan

53	Malposa
54	Una
55	Bigowa
56	Bass
57	Nawaldhi
58	Moriwala
59	Sangwa
60	Lamba
61	Imlota
62	Santor
63	hasala
64	Samaspur
65	Rondhkhurd
66	Hindoli
67	Bhageshwari
68	Gopi
69	Pichopa
70	Badal
71	Kadema

72	Dudiwala
73	Rambass
74	Chandani
75	Barsana
76	Nangaon
77	Tiwala
78	Bohka Harya
79	Jeet Pura
80	Badrsi
81	Gobindpura
82	Kakroli
83	Bondwa
84	Jojhu Kalan
85	Nimriwali
86	Rasiwas
87	Dudhwa
88	Jojhu Khurd
89	Dhundiwana
90	Chirya

91	Goripur
92	Fatehgarh
93	Balkara
94	Dhanana
95	Bahiali
96	Mundhal
97	Talu
98	Kirawar
99	Katera
100	Rohnat
101	Siwana
102	Kand Kalan
103	Bhurtana
104	Sipper
105	Barsi II
106	Badesara
107	Mandhana
108	Sumra Khera
109	Durjanpur

110	Jatai
111	Pur
112	Siwatra
113	Miran
114	Sagwan
115	Naloi
116	Sandwa
117	Patauda
118	Khera
119	Jhanwari
120	Budseli
121	Dharan
122	Bhara
123	Daryapur
124	Gudha
125	Dhani Bhakhran
126	Mandana
127	Sugarpur
128	Kikroi

129	Nakipur
130	Rodhan
131	Obera
132	Patwan
133	Gokalpur
134	Gopalwas
135	Gogarwas
136	Dhani Mansukh
137	Binalwas
138	Surpura Khurd
139	Mandhoki Khurd
140	Phartia Phina
141	Mokha
142	Baralu
143	Lilas
144	Sanwar
145	Ranila
146	Chang
147	Manakwas

District Faridabad	
148	Aurangabad
149	Kurali
150	Budola
151	Kheri Kalan
152	Massanpur
153	Mandkola
154	Saroli
155	Murithal
156	Andhrola
157	Ghalab
158	Tilpat
159	Rasulpur
District Gurgaon	
160	Dadoli
161	Hathnagin
162	Jaiant
163	Nimka
164	Nahda

165	Pamakhera
166	Sroli
167	Guullota
168	Singlohri
169	Tirwara
170	Tair
171	Gaggwani
172	Indana
173	Punhana
174	Nagina
175	Agin
176	Doha
177	Ajipurtigra
178	Bassaijada
179	Umara
180	Badarpur
181	Kankarkheri
182	Gokalpur
183	Farrukhanagar

184	Bhorannkalan
185	Nuh
186	Pataudi
187	Ghanghola
188	Badshapur
District Hissar	
189	Barwala
190	Jakhla
191	Bhuna
192	Sorkhi
193	Siswal
194	Sisai
195	Mirchpur
196	Ratia
197	Bhattu Kalan
198	Managli
199	Ladwa
200	Muklan
201	Tokas

202	Balsmad
203	Suundawas
204	Kharia
205	Budak
206	Pattan
207	Gorchi
208	Rawalwas
209	Khurd
210	Ghikanwas
211	Neoli Khurd
212	Bir
213	Minguni Khurd
214	Kajlan
215	Khandakheri
216	Starodkalan
217	Nalwa
218	Bass
219	Chaudhriwas
220	Khandakheri

District Jind	
221	Kalayat
222	Shamlo Kalan
223	Kalwa
224	Gogrian
225	Julana
226	Ujhana
227	Rajaud
228	Kharakramji
229	Dawalin
230	Ghari
231	Mikhewala
232	Himirgarh
233	Dhanori
234	Opora
235	Muana
236	Dhatrath
District Karnal	
237	Manrangran

238	Didwari
239	Palhi
240	Gwalha
241	Chamrara
242	Balana
243	Nohra
244	Nizampur
245	Diwana
246	Kutati
247	Faridpur
248	Garhrasikar
249	Prihladpur
250	Simla Molana
251	Bhandari
252	Nain
253	Chhapur
254	Bhukhrana
255	Badar
256	Barahjman Majri

257	Shahpur
258	Atala
259	Alpur
260	Jodhankalan
261	Ajitpur
262	Ahar
263	Gharaunda
264	Samlkha
265	Nilokheri
266	Nissing
267	Ballah
268	Indri
269	Bapauli
270	Ugrakheri
271	Sinkh
272	Matlauda
273	Khukhni
274	Pattikalyana
275	Assandh

District Kurukshetra	
276	Kaul
277	Pehowa
278	Jhansa
279	Radaur
280	Gubla
281	Sarifgarh
282	Ismailabad
283	Popli
284	Bhagal
285	Papla
286	Siwan
District Mohindergarh	
287	Mohalra
288	Khaspur
289	Kunjpura
290	Nanach
291	Pirthipura
292	Chappra

293	Bhojawas
294	Ganwari Jat
295	Shapur Awal/Mandi
296	Bhungarka
297	Koriawas
298	Jakhan
299	Rudina
300	Pathera
301	Sigra
302	Kajara Kalan
303	Riwasa
304	Telwana
305	Karira
306	Bhurjat
307	Palh
308	Mohanpur
309	Khandoda
310	Bariwal
311	Behrampur Bhangi

312	Mastapur/Mohndipur
313	Lala Jatusana
314	Budhpur
315	Kutabpur
316	Peharipur
317	Badhankalan
318	Gothra Tappa Dahin
319	Gangancha Ahir
320	Manetha
321	Karanwas
322	Rampura
323	Khalilpur/Majra/Seoraj
324	Gothra T. Kheri
325	Patharwa
326	Khudana
327	Nagal Chaudhri
328	Nagal Sirohi
329	Satnali
330	Khol

331	Bawal
332	Dochana
333	Gurawara
334	Ateli
335	Sehlong
336	Gujrimajri
337	Halalpur
338	Bhudla
339	Kalsola
340	Turkiswas
341	Jat
342	Mahogarh
District Rohtak	
343	Badli
344	Chhra
345	Dighal
346	Dhakla
347	Kahnaur
348	Kiloi

349	Madina
350	Nahar
351	Sampla
352	Chiri
353	Pilana
354	Matenhail
355	Dujana
District Sirsa	
356	Numla
357	Mithanpura
358	Kuttabad
359	Haripura
360	Damdama
361	Nather
362	Derawala
363	Ghorewali
364	Kessupura
365	Kharian
366	Talwara

367	Bholpalia
368	Numaeynkhera
369	Allenabad
370	Nanuwana
371	Jiwan Nagar
372	Dharampura
373	Bani
374	Chakka
375	Khaishergarh
376	Nakera
377	Dhudianwali
378	Kerojabad
379	Kelania
380	Nezadella Kalan
381	Suahuwala-I
382	Bappa
383	Sutia
384	Sukh Chain
385	Nazadella Khurd

386	Phaggu
387	Lehngawala
388	Sultanpuria
389	Panjuwana
390	Raghuwana
391	Malri
392	Thiraj
393	Malwala
394	Pannhari
395	Jagmalwali
396	Naurang
397	Mangeuna
398	Saktakhera
399	Sukhera Khera
400	V. Kalanwali
401	Rampura Bishnonoia
402	Asha Khera
403	Desujodha
404	Chormar

405	Chautala
406	Banwala
407	Lehgarh
408	V. Dabwali
409	Shergarh
410	Panniwala Rulda
411	Mathdadi
412	Panniwala Manka
413	Rampura Dhillon
414	Makhe Sarani
415	Sahuwala
416	Kagdana
417	Bhrokhan
418	Kumharian
419	Jamal
420	Sherpura
421	Mangola
422	Randhawas
423	Nathuseri

424	Gossina
425	Shapur
426	Modhosinghana
427	Odhan
428	Baragudha
429	Rania
430	Goriwala
431	Desujodha
District Sonepat	
432	Kathura
433	Gannur
434	Juan
435	Gohana
436	Halalpur
437	Mudlana
438	Kharkhoda
439	Pharmana
440	Bakholi

STATEMENT 'B'

Statement showing the numbers and names of places where Rural dispensaries have been opened in the State during the period from 1-1-1981 to date.

Sr. No.	Name of the Place
1	Gurgaon

STATEMENT 'C'

Statement showing the number and names of places where S.H.C.'s have been opened in the State during the period from 1-1-1981 to date (New)

Sr. No.	Name of the Place
District Ambala	
1	Arnauli
District Bhiwani	
2	Jumpakalan
3	Lilas
4	Sanwar
5	Ranila
District Faridabad	

6	Tilpat
7	Palli
District Gurgaon	
8	Badshahpur
District Hissar	
9	Chaudhriwas
10	Kurdi
11	Satroad Kalan
12	Dhansu
Distict Jind	
13	Amargarh
14	Dhanaura
15	Popra
16	Muana
17	Deola
District Karnal	
18	Urakheri
19	Khukhani
20	Pattikalyana

21	Sinkh
District Kurukshetra	
22	Padla
23	Sarifgarh
District Rohtak	
24	Pilana

STATEMENT 'D'

Names of such Health Centres which are without qualified Multipurpose Health Workers.

Sr. No.	**Name of the Health Centre**
District Bhiwani	
1	Tiwala
2	Gobindpura
3	Pataua
4	Bhera
5	Mandhana
6	Obera
7	Dhani Mansukh

8	Sanwar
9	Chang
District Faridabad	
10	Saroli
11	Andhrola
District Gurgaon	
12	Kharia
13	Budak
14	Pattan
15	Gorchi
16	Rawalwas
17	Khurd
18	Kajilan
District Jind	
19	Dawalin
20	Ghari
21	Mikhewala
22	Himirgarh
23	Popra

24	Muana
District Karnal	
25	Badar
26	Khukhani
27	Pattikalyana
District Kurukshetra	
28	Sarifgarh
29	Bhagal
30	Padla
District Mohindergarh	
31	Kunjpura
32	Bhrjat
33	Kutabpur
34	Khalipur/Majra Seoraj
35	Gujarmajri
36	Hallalpur
37	Bhudla
38	Kalsola
39	Turkiawas

40	Jat
District Rohtak	
41	Matenhail
District Sirsa	
42	Desujodha
District Sonepat	
43	Pharmana
44	Jakholi
45	Chaudhriwas (Hisar)

STATEMENT 'E'

Names of such Health Centres which are without Medical Officers.

Sr. No.	**Name of the Health Centre**
District Ambala	
1	Shahzadpur
District Bhiwani	
2	Sanwar
3	Ranila

District Faridabad	
4	Tilpat
5	Palli
District Hissar	
6	Chaudhriwa
7	Dhansu
8	Bass
District Jind	
9	Muana
10	Popra
11	Batta
District Karnal	
12	Pattikalyana
District Kurukshetra	
13	Sarifgarh
14	Padla

Admission to Post Graduate Specialization Courses in Medical College, Rohtak

165. Prof. Sampat Singh: Will the Minister for Forest and Jails be pleased to state:-

(a) the number of persons admitted to the Post Graduate Specialization Courses, in M.D.U. Medical College, Rohtak, during the period from 1st January, 1980 to-date;

(b) the number of persons, out of those referred to in part (a) above, admitted to H.C.M.S. and

(c) whether itt is a fact that persons admitted to the specialization courses; mentioned in part (a) above, are required compulsorily to join the H.C.M.S. after the completion of their courses?

Forest and Jails Minister (Sh. Goverdhan Dass Chauhan):

(a) & (b): A statement is laid on the Table of the House;

(c) No. Only those H.C.M.S. Officers who join these courses have to execute a bond to serve Haryana Governmennt for five years afte the completion of the course.

STATEMENT

Sr.	Name of Course	**Total No. of PG students and No. of students admitted from HCMS-II Cadre.**									
		Total 1980	HCMS 1980	Total 1981	HCMS 1981	Total 1982	HCMS 1982	Total 1983	HCMS 1983	Total 1984	HCMS 1984
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	M.D. Medicine	10	1	10		10		10	2	12	3
2	M.D. Anaesthesia	2									
3	M.D. Tub. & Chest.	1	1	2		1		2		3	
4	M.D. Physiology	3		2						2	
5	M.D.	1		2		1		2		1	

	Micrboiology										
6	M.D.S.P.M.	3		3		3		3	2	3	2
7	M.D. Skin & V.D.	2									
8	M.D Paediatrics.	4		4		1		2			
9	M.D. Pathology	3	1	4		4		3	2	4	1
10	M.D. Biochemistry	1		2		1				1	
11	M.D. Pharmacology			1		2		1			
12	M.D. Radiology	1	1	1		2		2		4	1
13	M.D. Forensic									2	1

	Medicine										
14	M.D. Chest & Gynaecology	6	2	5		5		4		6	
15	M.D. Surgery	10	1	10		10	1	10		12	
16	M.D. Ophthalmology	5		5		4	1	4		6	1
17	M.D. Orthepaedics	4		5		5		5	1	5	
18	M.D.E.N.T.	3		4		4		3	1	2	
19	M.D. Anatomy	1				1				1	
	Total	**60**	**7**	**60**		**54**	**2**	**51**	**8**	**64**	**9**
20	Dip. in Anaesth. (D.A.)	5	2	1						2	

21	Dip. in Paed. (D.C. II)	5		5		1		3		3	
22	Dip. in T.B. & Chest. (D.T.D.)	4	1	3		2		3	1	1	
23	Dip. in Obst. & Gynae. (D.G.O.)	4		5		4		6		12	1
24	Dip. in Ophthalmology (DOMS)			5	6	3	1	3	1	5	2
25	Dip. in Skin & Vd. (DVD)	1		1						3	1
26	Dip. in E.N.T. (D.L.O.)	1	1	1						2	1
27	Dip. in Radiology	5	1	1				4		4	2

	(DMRD)										
28	Dip. in Orthopaedics D. Orthe	6	3	6	1	1	1	1	1	6	3
	Total	**31**	**8**	**28**	**7**	**11**	**2**	**20**	**3**	**38**	**10**

Posting of Teachers in District Rohtak

159. Ch. Om Parkash: Will the Minister of State for Education be pleased to State:-

(a) Whether any Government school teachers have remaind posted for the last more than seven years at such places in district Rohtak, where House Rent Allowance is admissible, if so, the number of such teachers;

(b) the number of such teachers, if any, out of those referred to in part(a) above, as have never remained posted, throughout their service, at places where house rent allowance is not permissible, if so, their number togetherwith the criteria, if any, adopted for posting the teachers at such places; and

(c) the number of such Government school teachers, if any, in Rohtak district, as have never remained posited at places where house rent allowance is permissible?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):

(क) हां। ऐसे अध्यापकों की संख्या 543 है।

(ख) हां। ऐसे अध्यापकों की संख्या 23 है। अध्यापकों को ऐसे स्थानों पर नियुक्त करने की कोई निर्धारित प्रणाली नहीं है।

(ग) 2853.

Profit Earned/loss Suffered by CONFED

160. Ch. Om Parkash: Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) the year wise amoutn of profit earned or loss suffered by CONFED during the years 1981-82, 1982-83, 1983-84 and 1984-85 (to-date); and

(b) in case the said Ferderation has been incurring losses, the steps, if any, taken to make it profitable togetherwith the results achieved as a result thereof?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) विवरण अनुबन्ध 'क' में दिया गया है।

(ख) अपेक्षित सूचना अनुबन्ध 'ख' में दी गई है।

अनुबन्ध 'क'

प्र न क्रमांक 160 के भाग (क) के बारे में विवरण बावत कानफैड द्वारा अर्जित लाभ/उठाई हानि।

क्रमांक	सहकारी वर्श	रूपए लाखों में	
		लाभ कमाया	हानि उठाई
1	1981—82	—	101.32
2	1982—83	—	124.30
3	1983—84 (अस्थाई)	—	21.32

4	1984–85 (31.1.85 तक) जमा (41.27) (अनुमानित)	–	–

अनुबन्ध 'ख'

विवरण–बाबत कानफैड द्वारा अर्जित लाभ/उठाई हानि

कानफैड को लाभ में लाने के लिए उठाये गये पग तथा उनसे प्राप्त परिणाम निम्नलिखित हैं:–

1. कानफैड ने अब अपना कारोबार बढ़ाया है तथा 1983–84 व 1984–85 में कानफैड ने लेवी चीनी, लेवी चावल, एल0पी0जी0 व वनस्पति घी के वितरण का कार्य भी प्रारम्भ किया है। इसके परिणामस्वरूप मासिक औसतन बिक्री जो वर्श 1981–82 में 100.00 लाख व 1982–83 में 93.00 लाख थी बढ़कर 1983–84 में 150.00 लाख व 1984–85 में 255.00 लाख हो गई।

2. कानफैड के फण्डज को कम खपत वाले सामान व खराब हुए सामान में रूके पड़े थे उस सामान में से पिछले दो वर्शों में 77.10 लाख का बेच दिया।

3. वित्तीय भाक्तियों का विकेन्द्रीयकरण किया गया है और एरिया आफिसिज को बैंकों के साथ क्रेडिट लिमिट आपरेट

करने की भाक्तियां दी गई है। परिणामस्वरूप वास्तविक आव यकता के समय बैंक से उधार उठाने की सुविधा हो गई है और इस प्रकार कानफैड 0.17 लाख मासिक ब्याज चार्जिज में बचा पाई है।

4. एरिया आफिसिज को बिक्री के लक्ष्य दिये गये हैं और इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कड़ी निगाह रखी जा रही है। जो कर्मचारी लक्ष्य प्राप्त करने में असफल पाया जाता है उसे विरूद्ध कार्यवाही की जाती है।

5. एरिया आफिसिज में भौतिक जांच व निरीक्षण करने के लिए एक उड़नदस्ता की स्थापना की गई है इसका परिणाम अच्छा निकला है तथा जो हानि पहले सामान में भाार्टेज के कारण आती थी, वह कम हो गई है।

6. अन्तरिम आडिट को बढ़ावा दिया गया है और हर जिले में वि ोशज्ञ अमला लगाया गया है ताकि रिकार्ड को ठीक तैयार किया जा सके और वित्तीय लेन–देन पर काबू किया जा सके।

7. स्टाफ में जो अवांछित तत्व थे और जिनका सेवा का रिकार्ड खराब था उनको सेवा से निकाल दिया है। इसके परिणाम स्वरूप 648 कानफैड की खुदरा दुकानें जो गांव में कार्य करती थी अब बन्द कर दी गई हैं इस प्रकार स्टाफ (जो नार्मज में अधिक था) पर होने वाले खर्च में कमी आई है।

Construction of Roads in District Rohtak

161. Ch. Om Parkash: Will the Minister for Public Works (B&R) be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under the consideration of the state Government for the consturction of (i) Mangawas-Palra, (ii) Beri-Seria and (iii) Dighal-Karor roads in Rohtak District; and

(b) if so, the time by which the construction of the above said roads is likely to be started and completed?

लोक निर्माण मंत्री (श्री अमर सिंह):

(क) (1) जी नहीं।

(2) जी नहीं।

(3) जी हां।

(ख) (1) लागू नहीं होता।

(2) लागू नहीं होता।

(3) 0.3 किलोमीटर के टुकड़े को छोड़कर पूर्ण सड़क का निर्माण किया जा चुका है। इस टुकड़े का निर्माण जून, 1986 तक कर दिया जायेगा।

Widening of Jhajjar-Jahazgarh Road

166. Ch. Om Parkash: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under

consideration of the Govt. for raising and widening of Jhajjar-Jahazgarh Road in Rohtak District; if so, the time by which the work, for the said purpose is likely to be started and completed?

लोक निर्माण मंत्री (श्री अमर सिंह): जी नहीं।

Bahin-Aurangabad Road

172. Ch. Khillan Singh: Will the Minister for Public Works (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to metal the Bahin-Aurangabad road in Hathin Constituency; if so, the time which the aforesaid road is likely to be metalled?

लोक निर्माण मंत्री (श्री अमर सिंह): जी नहीं।

Opening of District level Cnateens

173. Ch. Khillan Singh: Will the Chief Minister be pleased to state whether any district level canteen are proposed to be opened by the Hospitality Organisation in the State; if so, the period whitin which such canteens are likely to be opened?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): इस समय ऐसा कोई प्रस्तावा सरकार के विचाराधीन नहीं है।

Bridge on Gonchi Drain

174. Ch. Khillan Singh: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govenment to construct a

bridge on Gonchi drain on Aurangabad-Kaundal route; if so, the time by which the said bridge is likely to be constructed?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): जी नहीं।

Complaint Against Haryana Eduucation Board, Bhiwani

176. Sh. Hira Nand Arya: Will the Minister of State for Eudcation be pleased to state whether any complaint in respect of irregularities and mismanagement in Haryana Education Board, Bhiwani, has been received during the years 1983-84 and 1984-85, if so, the details thereof and the action, if any, taken thereon?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): वर्श 1984–85 में बोर्ड के पास कुछ मौखिक ि ाकायतें जोकि मैट्रिक की मार्च, 1984 की परीक्षा के परिणाम तेयार करने में हुई अनियमिताओं के बार में थी, प्राप्त हुई। परिणाम की पुनः जांच करवाई गई और उनको ठीक कर दिया गया। उपरोक्त गलतियों अनियमितताओं से सम्बन्धित 40 कर्मचारियों को निलम्बित किया गया और उनको चार्ज ाीट कर दिया गया तथा उनके विरूद्ध प्र ाासनिक कार्यवाही करने बारे लगातार जांच प्रगति पर है।

Demarcation of Plots by HUDA for New Colonies in the State

177. Sh. Hira Nand Arya: Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) the names of the places, if any, where plots are proposed to be demarcated by HUDA for the purpose of setting up of new colonies in the State, during the years 1984-85 and 1985-86;

(b) whether any such colony is proposed tto be set up in Bhiwani; and

(c) if so, the time by which such a proposal is likely to materialise?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) वर्श 1984–85 में अब तक सोनीपत, रिवाड़ी, कुरूक्षेत्र, करनाल, हिसार, पानीपत, फरीदाबाद और गुड़गांव में प्लाटों का सीमांकन किया गया हैं। वर्श 1985–86 में, रोहतक, अम्बाला, कैथल, करनाल, हिसार, फरीदाबाद और गुड़गांव में प्लाटों का सीमांकन करने का प्रस्ताव है।

(ख) जी हां।

(ग) भिवानी में रिहाय ाी प्लाटों के आबंटन हेतू आवेदन पत्र मंागने की सूचना, इसी मास में जारी करने का प्रस्तावना है।

Veterinary Facilities in the State

178. Sh. Hira Nand Arya: Will the Minister of State for Animal Husbandry be pleased to state:-

(a) the district wise, constituency wise and year wise total number of places in the State provided veterinary facilities (stockman centre hospital) since March, 1982, together with the criteria, if any, adopted for providing such facilities; and

(b) the district wise and constitutency wise name of places where such facilities are likely to be provided during the years 1984-85 and 1985-86?

Minister of State for Animal Husbandry (Ch. Lal Singh):

(a) District wise, constituency wise and yearwise total number off places in the State provided veterinary facilites since March, 1982 onward is annexed at “A” and “B”.

As regards criteria, normally a Veterinary Dispensary is set up at a place where there are no facilities for. Veterinary aid within a radius of 8 Kms and Gram Panchayat provides rent free accommodation for the institution and residence of the staff, besides giving an undertaking in the form of resolution that the Gram Panchayat would construct the requisite building for the dispensary and the residence of the staff according to the standard plan of thhe Department. The Gram Panchayat should also transfer the land and infrastrucure thereon in the name of Animal Husbandry Department. However, this condition may be relaxed in case of dire needs of the Villagers/Panchayat.

(b) It is proposed to provide such facilities through 25 new Veterinary Dispensaries during the year 1984-85, out

of which 13 have been established (List enclosed at Annexure "C").

During the year 1985-86, it is proposed to provide facilities through 40 new dispensries and conversion of 30 institutions into Hospitals. The places will be decided at the appropriate time.

ANNEXURE "A"

Position on 31-3-82

Name of Distt.	Sr.	Name of Const.	Year	Total No. of places provided Vety. facilities		
				Civil Vety. Hosp.	Civil Vety. Disp.	Stockman Centre
1	2	3	4	5	6	7
Ambala	1	Ambala City	Upto March 82 (1981-82)	2	-	1
	2	Ambala Cantt.	"	2	-	1
	3	Chhachrauli	"	4	-	15
	4	Jagadhri	"	2	2	6
	5	Kalka	"	2	5	4
	6	Mullana	"	7	-	25

	7	Naraingarh	”	2	4	16
	8	Naggal	”	4	5	23
	9	Sadhaura	”	3	3	8
	10	Yamuna Nagar	”	-	1	5
			Total	28	20	104
Bhiwani	1	Bhiwani	Upto March 82	3	1	4
	2	Bawani Khera	”	33	3	12
	3	Badhara	”	5	4	14
	4	Dadri	”	5	3	7
	5	Mundhal Khurd	”	6	1	10
	6	Tosham	”	5	2	22
	7	Loharu	”	3	3	18
			Total	30	17	80
Faridabad	1	Faridabad	Upto March 82	1	-	4
	2	Ballabgah	”	7	1	18
	3	Hassanpur	”	5	-	17

	4	Hathin	”	5	2	21
	5	Mewala Maharajpur	”	1	4	13
	6	Palwal	”	1	2	18
			Total	20	9	91
Gurgaon	1	Gurgaon	Upto March 82	3	2	6
	2	Ferozepur Zhirka	”	3	3	12
	3	Nuh	”	3	-	16
	4	Pataudi	”	3	-	12
	5	Sohna	”	3	-	9
	6	Taoru	”	3	-	14
			Total	18	5	69
Hissar	1	Hissar	Upto March 82	4	5	9
	2	Adampur	”	6	18	1
	3	Bhattu Kalan	”	6	7	-
	4	Barwala	”	4	2	5
	5	Ghirai	”	1	5	-

	6	Fatehabad	”	2	15	1
	7	Hansi	”	3	2	7
	8	Narnaud	”	3	5	3
	9	Ratia	”	2	14	-
	10	Tohana	”	5	18	-
			Total	36	81	26
Jind	1	Jind	Upto March 82	3	2	11
	2	Julana	”	5	3	17
	3	Kalayat	”	2	3	5
	4	Narwana	”	6	1	17
	5	Rajaund	”	5	1	8
	6	Uchana	”	3	3	14
	7	Safidon	”	7	1	22
			Total	31	14	94
Karnal	1	Karnal	Upto March 82	2	-	1
	2	Assandh	”	9	1	14
	3	Gharaunda	”	66	4	15

	4	Indri	”	5	10	14
	5	Jundla	”	7	6	16
	6	Nilokheri	”	12	8	18
	7	Naultha	”	66	6	18
	8	Samalkha	”	5	2	17
	9	Panipat	”	1	-	3
			Total	53	37	115
Kurukshetra	1	Thanesar	Upto March 82	3	2	5
	2	Shahabad	”	5	2	12
	3	Radaur	”	4	1	11
	4	Guhla	”	2	2	15
	5	Pehowa	”	6	3	15
	6	Kaithal	”	2	2	4
	7	Pundri	”	7	2	16
	8	Pai	”	3	5	5
			Total	32	19	84
Mohindergarh	1	Mohindergarh	Upto March 82	10	3	3

	2	Ateli	”	6	4	3
	3	Bawal	”	3	5	12
	4	Jatusana	”	4	3	10
	5	Narnaul	”	4	3	7
	6	Rewari	”	3	-	10
			Total	30	18	45
Rohtak	1	Rohtak	Upto March 82	1	-	-
	2	Badli	”	4	7	2
	3	Bahadurgarh	”	4	3	5
	4	Beri	”	4	-	4
	5	Jhajjar	”	5	6	2
	6	Kalanaur	”	2	2	4
	7	Kiloi	”	3	2	5
	8	Sampla	”	3	3	4
	9	Meham	”	6	6	1
	10	Sahiwas	”	4	7	-
			Total	36	36	27
Sirsa	1	Sirsa	Upto	1	-	15

			March 82			
	2	Ellanabad	”	2	1	12
	3	Dabwali	”	3	4	5
	4	Darbakalan	”	3	3	8
	5	Rori	”	5	4	23
			Total	14	12	63
Sonepat	1	Sonepat	Upto March 82 (1981-82)	3	-	5
	2	Baroda	”	5	4	-
	3	Gohana	”	4	8	-
	4	Kailana	”	5	7	-
	5	Rai	”	4	7	2
	6	Rohat	”	2	4	-
			Total	23	30	7

ANNEXURE “B”

Veterinary Facilities in the State

Position as on 31-3-83 and 31-3-84

Name of Distt.	Sr.	Name of Const.	Year	Total No. of places provided Vety. facilities		
				Civil Vety. Hosp.	Civil Vety. Disp.	Stockman Centre
1	2	3	4	5	6	7
Ambala	1	Ambala City	Upto March 84	2	-	1
	2	Ambala Cantt.	”	2	-	-
	3	Chhachrauli	”	4	-	15
	4	Jagadhri	”	2	2	6
	5	Kalka	”	3	5	4
	6	Mullana	”	7	-	26
	7	Naraingarh	”	4	5	15
	8	Naggal	”	5	4	23
	9	Sadhaura	”	3	4	8
	10	Yamuna Nagar	”	-	1	5
			Total	32	21	103
Bhiwani	1	Bhiwani	Upto	3	1	4

			March 84			
	2	Bawani Khera	”	3	3	12
	3	Badhara	”	5	4	14
	4	Dadri	”	5	3	7
	5	Mundhal Khurd	”	7	1	10
	6	Tosham	”	5	3	22
	7	Loharu	”	3	3	11
			Total	31	18	80
Faridabad	1	Faridabad	Upto March 84	1	-	4
	2	Ballabgah	”	7	1	17
	3	Hassanpur	”	5	1	17
	4	Hathin	”	5	2	21
	5	Mewala Maharajpur	”	2	4	11
	6	Palwal	”	2	1	18
			Total	22	9	88
Gurgaon	1	Gurgaon	Upto March 84	3	3	6

	2	Ferozepur Zhirka	”	3	2	12
	3	Nuh	”	3	-	16
	4	Pataudi	”	3	-	111
	5	Sohna	”	4	-	9
	6	Taoru	”	4	-	14
			Total	20	5	68
Hissar	1	Hissar	Upto March 84	4	5	8
	2	Bawani Khera	”	3	-	-
	3	Adampur	”	6	18	9
	4	Bhattu Kalan	”	6	7	-
	5	Barwala	”	4	1	8
	6	Ghirai	”	1	5	3
	7	Fatehabad	”	2	15	1
	8	Hansi	”	3	1	6
	9	Narnaud	”	3	5	5
	10	Ratia	”	2	14	3
	11	Tohana	”	8	8	17

			Total	42	79	61
Jind	1	Jind	Upto March 84	3	2	11
	2	Julana	”	5	3	17
	3	Kalayat	”	2	4	5
	4	Narwana	”	6	1	18
	5	Rajaund	”	5	2	5
	6	Uchana	”	3	4	15
	7	Safidon	”	7	2	23
			Total	31	18	94
Karnal	1	Karnal	Upto March 84	2	-	1
	2	Assandh	”	9	1	14
	3	Gharaunda	”	6	5	15
	4	Indri	”	6	10	14
	5	Jundla	”	7	6	15
	6	Nilokheri	”	12	8	18
	7	Naultha	”	7	6	18
	8	Samalkha	”	5	3	17

	9	Panipat	”	1	-	3
			Total	55	39	115
Kurukshetra	1	Thanesar	Upto March 84	3	2	5
	2	Shahabad	”	5	3	13
	3	Radaur	”	2	4	15
	4	Guhla	”	4	1	11
	5	Pehowa	”	6	2	15
	6	Kaithal	”	2	3	4
	7	Pundri	”	9	2	14
	8	Pai	”	3	4	5
			Total	34	21	82
Mohindergarh	1	Mohindergarh	Upto March 84	10	3	3
	2	Ateli	”	6	4	3
	3	Bawal	”	3	6	12
	4	Jatusana	”		4	10
	5	Narnaul	”	4	4	7
	6	Rewari	”	3	-	10

			Total	30	21	45
Rohtak	1	Rohtak	Upto March 84	1	-	-
	2	Badli	”	4	7	2
	3	Bahadurgarh	”	4	2	5
	4	Beri	”	4	-	4
	5	Jhajjar	”	5	6	2
	6	Kalanaur	”	3	2	4
	7	Kiloi	”	3	2	5
	8	Sampla	”	3	3	4
	9	Meham	”	6	6	1
	10	Sahiwas	”	4	8	-
			Total	37	36	27
Sirsa	1	Sirsa	Upto March 84	3	1	16
	2	Ellanabad	”	2	1	12
	3	Dabwali	”	3	4	3
	4	Darbakalan	”	3	3	7
	5	Rori	”	6	5	24

			Total	17	14	62
Sonepat	1	Sonepat	Upto March 84	4	-	5
	2	Baroda	”	6	4	-
	3	Gohana	”	4	8	-
	4	Kailana	”	5	7	-
	5	Rai	”	4	7	2
	6	Rohat	”	2	4	-
			Total	25	30	7

ANNEXURE “C”

List of Institutions opened during 1984-85

Sr.	Name of Village	District	Constitutency
1	Bhabain	Hissar	Adampur
2	Gowar	Hissar	Bhattu Kalan
3	Asrawah	Hissar	Adampur
4	Chaudhriwali	Hissar	Adampur
5	Satrod Kalan	Hissar	Hissar
6	Jhalnia	Hissar	Fatehabad

7	Mingni Khera	Hissar	Adampur
8	Lilus	Bhiwani	Loharu
9	Babain	Kurukshetra	Radaur
10	Sakta Khera	Sirsa	Dabwali
11	Jasor Kheri	Rohtak	Bahadugarh
12	Kailana	Sonepat	Kailana
13	Nandgaon	Bhiwani	Bhiwani

Health Centres etc.

179. Sh. Hira Nand Arya: Will the Minister of State of Health be pleased to state:-

(a) the districtwise names of the places in the State provided hospitals, Health Centres, Subsidiary Health Centres during the period from 1-1-1982 to-date; and

(b) Criteria, if any, adopted for opening such hospitals/centres; and (c) whether any villages or village panchayats of District Bhiwani or Mohindergarh, have given any proposal to provide buildings for health centres during the period as referred to in part(a) above; if so, the details thereof together with the action, if any, taken thereon?

Minister of State for Health (Smt. Kartar Devi):

(a) List attached at Annexure I.

(b) Hospitals are opened depending upon the requirements of the area concerned. The criteria for opening of other medical institutions is attached at Annexure II.

(c) List attached Annexure III.

ANNEXURE-I

Hospitals

1. General Hospital, Siwani, District Bhiwani.
2. General Hospital, Kharhr, District Rohtak.
3. General Hospital, Haily Mandi, District Gurgaon.

Primary Health Centres

1. Primary Health Centre, Dhanana, District Bhiwani.
2. Primary Health Centre, Nangal Sirohi, District Mohindergarh.
3. Primary Health Centre, Ladwa, District Hissar.
4. Primary Health Centre, Kharkramji, District Jind.
5. Primary Health Centre, Ghasera, District Gurgaon (This institution was functioning in General Hospital Nuh, from where it has been shifted to Ghasera in a new building.)

Subsidiary Health Centres (New Institutions)

1. Subsidiary Health Centre, Arnauli, District Ambala.
2. Subsidiary Health Centre, Amargarh, District Jind.
3. Subsidiary Health Centre, Dhanori, District Jind.
4. Subsidiary Health Centre, Popra, District Jind.
5. Subsidiary Health Centre, Moana, District Jind.
6. Subsidiary Health Centre, Deola, District Jind.
7. Subsidiary Health Centre, Pullana, District Rohtak.
8. Subsidiary Health Centre, Chaudhariwas, District Hissar.
9. Subsidiary Health Centre, Kurdi, District Hissar.
10. Subsidiary Health Centre, Satrod Kalan, District Hissar.
11. Subsidiary Health Centre, Dhansu, District Hissar.
12. Subsidiary Health Centre, Jhumpa Kalan, District Bhiwani.
13. Subsidiary Health Centre, Lilas, District Bhiwani.

14. Subsidiary Health Centre, Sanwar, District Bhiwani.

15. Subsidiary Health Centre, Ranila, District Bhiwani.

16. Subsidiary Health Centre, Ugrakheri, District Karnal.

17. Subsidiary Health Centre, Khukhani, District Karnal.

18. Subsidiary Health Centre, Patti Kalyana, District Karnal.

19. Subsidiary Health Centre, Sinkh, District Karnal.

20. Subsidiary Health Centre, Padla, District Kurukshetra.

21. Subsidiary Health Centre, Sarifgarh, District Kurukshetra.

22. Subsidiary Health Centre, Badshapur, District Gurgaon.

23. Subsidiary Health Centre, Tilpat, District Faridabad.

24. Subsidiary Health Centre, Papli, District Faridabad.

Subsidiary Health Centres Convereted from Rural Dispensaries

1. Subsidiary Health Centre, Naharpur, District Ambala.

2. Subsidiary Health Centre, Shahjadpur, District Ambala.

3. Subsidiary Health Centre, Nalwa, District Hissar.

4. Subsidiary Health Centre, Bass, District Hisar.

5. Subsidiary Health Centre, Tigaon, District Faridabad.

6. Subsidiary Health Centre, Rasulpur, District Faridabad.

7. Subsidiary Health Centre, Naultha, District Karnal.

8. Subsidiary Health Centre, Tarawri, District Karnal.

9. Subsidiary Health Centre, Matlauda, District Karnal.

10. Subsidiary Health Centre, Ismailabad, District Kurukshetra.

11. Subsidiary Health Centre, Pipli, District Kurukshetra.

12. Subsidiary Health Centre, Bhagal, District Kurukshetra.

13. Subsidiary Health Centre, Dhatrath, District Sonipat.

14. Subsidiary Health Centre, Batta, District Jind.

15. Subsidiary Health Centre, Pharmana, District Sonipat.

16. Subsidiary Health Centre, Jakholi, District Sonipat.

17. Subsidiary Health Centre, Chang, District Bhiwani.

18. Subsidiary Health Centre, Manakwas, District Bhiwani.

19. Subsidiary Health Centre, Dujana, District Rohtak.

20. Subsidiary Health Centre, Matanhail, District Rohtak.

21. Subsidiary Health Centre, Goriwala, District Sirsa.

22. Subsidiary Health Centre, Desujodha, District Sirsa.

23. Subsidiary Health Centre, Jatusana, District Mohindergarh.

24. Subsidiary Health Centre, Madhugarh, District Mohindergarh.

25. Subsidiary Health Centre, Pinangaon, District Gurgaon.

ANNEXURE-II

Criteria for opening of Defferent Medical Institution

i. Rural Referral Hospital

According to the Government of India norms out of four primary Health Centres, one of the primary Health Centre is to be converted into rural referal hospital.

ii. Subsidiary Health Centre

1. In order to provide health and medical services, a subsidiary health centre should over a rural population of approximately 25 thousand to 30 thousand persons.

2. No Medical Institution like General Hospital PHC or Dispensary should be located within a radius of 8 Kms of the village in which subsidiary health centre is proposed to be opened.

3. The concerned village panchayat should provide three acres of land free of cost besides constructing a building of approved specifications both for the clinical and residential purposes for the medical/para-medical staff including class IV employees.

4. In order to set up a Subsidiary Health Centre, the particular village Panchayat shall pass a resolution justifying the need of or the establishment of subsidiary health centre in that village, shhall get it approved from the Chief Medical Officer of the district who will further recommend the case to the Directro, Health Services, Haryana for establishment of a Subsidiary Health Centre.

5. Till such time the building is constructed, the Panchayat should provide 8-10 roomed rent free accommodation for clinical purposes, covering an area of at least about 2000 sq. ft. besides residential accommdations for the medical staff.

6. Where the panchayat/Philianthropist constructs the builing with its/his won resources, that should be according to the design supplied by the department. The health department will have no objection, if the panchayat/phillanthropist wants to give specific name to the Subsidiary Health Centre. In case the Panchayat does not construct the building and the same has to be got constructed by the Government, the panchayat shall deposit with Governemnt, Rs. 40,000/- in cash in addition to 3 acres of land free of cost for the construction of the building. This condition of depositing money will be waived

off where the rural dispensary already exists and that to be converted into subsidiary health centre. But the panchayat shall provide that such of free land adjoining the rural dispensary building so as the total area of land should be 3 acres.

III. Primary Health Centres

1. There should be one Primary Health Centre centrally located in each community development block to cater to the healthannd medical needs of the people residingin that block.

2. It should be established preferably in a village where well equipped allopathic dispansary is already functioning and no other health institution should be witing the radius of 8 kilometers of the village proposed for each Primary Health Centre.

3. The village Panchayat where Primary Health Centre is to be set up should undertake to contribute a minimum of Rs. 20,000/- and 4-5 acres o land free of cost for the consturction of addition building adjacent to the existing dispensary.

4. In case the primary Health Centre is desired to be set up in a block where no0 Govt. dispensary is functioning or that dispensary is not easily accessible to the people, the village

panchayat in consultation/concurrence of Chief Medical Officer of the district should make recommendations regarding suitability/utility of such Primary Health Centre to the people. The Panchayat will also be under an obligation to contribute a sum of Rs. 40,000/- in cash and 6-8 acreas of land free of cost.

5. The village Panchayat where the Primary Health Centre is desired to be set up shall provide free of rent such accomodation for the clinical and residential purpose for the medical and para-medical staff to be posted there till such time as the Government is in a position to construct the building of standard/approved specification of its own on the 6-8 acres of land donated by the panchayat.

IV. Sub Centre

1. A sub centre should cater to the health and medical needs for a rural population of 5000 of a village/cluster of villages in its proximity.

2. It should be set up in a cenrally located village and the village panchayt should by in a position to provide rent free accommodation consistign of 2-3 rooms for the sub centre and for residence of the staff in close proximity of the village.

3. The building to be constructed by the Health Department will be as per standard desgn. The concerned panchayat should give an undertaking by way of resolution that the facility of providing the rent free accomodation to the medical staff shall not be withdrawn till the Government constructs its own building in that village for which the panchayat shall provide free of cost of 30 marlas of land.

4. In order to set up a sub-centre the village panchayat shall pass resolution regarding the land to be transferred through Block Development and Panchayat Officer/Deputy Commissioner to Director, Panachayat and should be sent to Director, Health Services, Haryana through Chief Medical Officer.

Criteria for opening an Ayurvedic Dispensary

1. An Ayurvedice/Unani dispensary is opened in such village where there is no dispensary of any system of medicine within a radius of 8 Kms.

2. Such Gram Panchayat is required to provide free building for the dispensary and free accommodation for the staff.

ANNEXURE-III

Names of villagers or village Panchayats off District Bhiwani or Mohindergarh, who offered buildings for providing

health centres as referred to in part(a) annd the action taken thereon.

Sr.	Name of the Village	Action taken
District Bhiwani		
1	Manakwas	Gram Panchayat offered tht building. The existing rural dispensary at this place was upgraded into Subsidiary Health Centre in 1984-85 as per policy.12
2	Siwani	M/s Haryana Tube Mfg. Co. (Pvt.) Ltd. Hissar had constructed a hospital building. A 25 bedded hospital has been opened at this place. The building was constructed under section 35 cc of the Income Tax Act.
3	Ranila	M/s Jai Ram Dass Trust, New Delhi had constructed a building under section 35 cc of the Income Tax Act a Subsidiary Health Centre has been established at this place.
4	Pur	Sh. Bhimsen Aggarwal S/o Sh. Jamna Dass of village Pur has offered the building for establishing hospital/subsidiary Health Centre at this place. The land together with the builing is insufficient. In

		case the donor provides additional building according to Goverment design, a modified primary Health Centre will be mary Health Centre will be considered to be established.
5	Kadma	Offers of the building were received which are being examined in censultation with the Chief Medical Officers, Bhiwani.
6	Indiwali	Offers of the building were received which are being examined in censultation with the Chief Medical Officers, Bhiwani.
7	Alampur	Matter is under consideration at the level of Chief Medical Officer Bhiwani.
8	Baralu	Under USAID Programme, orders have been issued for the openingg of a sub-centre at this place.
District Mohindergarh		
1	Dharonda	A sub-centre is functioning here. The Gram Panchayat has offered building for Subsidiary Health Centre. The report of the Chief Medical officer has been called for. In case the village fulfills the

		criteria for opening of modified primary Health Centre, this will be considered sympathetically.
2	Daroli Ahir	Gram Panchayat has offered a building for opening of primary Health Centre at this place. A modified primary health centre is to cater to a population of 30,000 but the population of this village alongwith its surrounding is 9,000 only. Primary Health Centre, Nangal Sirohi is functioning from this village at a distance of 2 kilometers. Hence this village does not fulfil thhe criteria.
3	Goad	Pandit Jai Dayal Banwari Lal Sharma offered building for opening a Subsidiary Health Centre. Its own population is 3984 and that in its surrounding is 5287. There is a rural dispensary Ballaha Kalan at a distance of 2 furlangs only. Primary Health Centre, Dochana is 5 kilometers from this Village. Hence this village does not fulfil the criteria for modified Primary Health Centre.

चौधरी कुन्दन लालः स्पीकर साहब, यहां पर मेरे बारे में कुछ कहा गया है। इस सम्बन्ध में मैं अपनी पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः अब आप बैठ जाएं। बाद में आप को पर्सनल, एक्सप्लेने ान के लिए समय दिया जाएगा।

सरकारी संकल्प

भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई देने संबंधी

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, मेरा एक प्रस्ताव क्रिकेट टीम को बधाई देने के बारे में है।

श्री अध्यक्षः ठीक है, पहले आप अपना प्रस्ताव मूव कर लें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:–

कि यह सदन वि व क्रिकेट प्रतियोगिता में विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान तथा सदस्यों को अपनी हार्दिक बधाई एवं भ्ाुभकामनाएं भेजता है।

अपने भ्ाानदार खेल के प्रद र्ान से भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने वि व मं भारत का गौरव बढ़ाया है। इस सदन को अत्यन्त हर्श है कि इस टीम के तीन सदस्य सर्व श्री

कपिल देव, चेतन भार्मा और अ ाोक मल्होत्रा हरियाणा प्रान्त से हैं और इन्होंने अपने भ्ाानदार योगदान से हरियाणा का नाम ऊंचा किया है।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआः—

कि यह सदन वि व क्रिकेट प्रतियोगिता में विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान तथा सदस्यों को अपनी हार्दिक बधाई एवं भ्ाुभकामनाएं भेजता है।

अपने भ्ाानदार खेल के प्रद र्ान से भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने वि व मं भारत का गौरव बढ़ाया है। इस सदन को अत्यन्त हर्श है कि इस टीम के तीन सदस्य सर्व श्री कपिल देव, चेतन भार्मा और अ ाोक मल्होत्रा हरियाणा प्रान्त से हैं और इन्होंने अपने भ्ाानदार योगदान से हरियाणा का नाम ऊंचा किया है।

श्रीमती चन्द्रावती (बाढ़डा): अध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव मुख्य मंत्री जी ने हाउस मे रखा है, मैं इससे सहमत हूं और मैं भी अपनी ओर से क्रिकेट टीम को बधाई देती हूं। लेकिन इसके साथ ही साथ मैं एक बात इन्हें याद दिला देना चाहती हूं कि हरियाणा के एक खिलाड़ी श्री राजेन्द्र सिंह हैं और एक लड़की जगमति है। इन्होंने एि ायन खेलों में काफी अच्छा प्रद र्ान किया है लेकिन सरकार ने इनको कोई प्रोत्साहन नहीं दिया। श्री राजेन्द्र सिंह कु ती के पहलवान है। मैंने एक लैटर इस सम्बन्ध में मुख्य मंत्री

जी को लिखा था कि इन खिलाड़ियों को रिकोगनाइज किया जाए लेकिन आज तक इन खिलाड़ियों को रिकोगनाइज नहीं किया गया है। ओलम्पिक खेलों के दौरान पी0टी0 ऊशा चौथे नम्बर पर आई थी। ओलम्पिक खेलों के दौरान जिन–जिन खिलाड़ियों ने अच्छा प्रद र्न किया था, वहां की सरकारों ने अपने अपने खिलाड़ियों को बहुत सारे ईनाम आदि देकर प्रोत्साहित किया था। जबकि इसके विपरीत हमारी सरकार हरियाणा के लोकल लड़के चाहे वे एथलैटिक्स के खिलाड़ी है, कु ती के खिलाड़ी हैं या घूसेबाजी और दौड़ वगैरा के खिलाड़ी हैं, कोई प्रोत्साहन नहीं देती। मैं इनको यह भी बताना चाहती हूं कि हमारे हरियाणा का एक लड़का स्वीमिंग का बड़ा अच्छा खिलाड़ी था। उस खिलाड़ी को सरकार ने रिकोगनाइज नहीं किया, इसलिए वह यहां से जर्मनी चला गया। इसलिए मेरी सरकार से दोबारा प्रार्थना है कि अच्छे खिलाड़ियों को सर्विस देकर या ईनाम आदि देकर उत्साहित करना चाहिए।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, बहन जी को भाायद याद नहीं रहा होगा कि हमने हरियाणा के एक–एक खिलाड़ी को एक–एक लाख्चा रूपये तक ईनाम दिया हैं जिन लोगों ने एि ायन गेम्ज के दौरान अच्छा प्रद र्न किया था, उनको भी हमने ईनाम दिया है। समय समय पर हम अच्छे खिलाड़ियों को ईनाम देकर उनका पूरा सम्मान और इज्जत करते रहते हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद): अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने जो प्रस्ताव सदन में रखा है मैं उसकी ताइद करता हूं।

स्पीकर साहब, वाकई कल इण्डियन टीम ने बहुत ही कमाल किया है। मैंने जीवन में क्रिकेट का मैच कभी नहीं देखा था। यह मैच मैंने कल टी0वी0 पर देखा था। हमारे खिलाड़ियों ने कमाल की बैटिंग और कमाल की बौलिंग की थी। स्पीकर साहब, हमारे लिए और भी खु ाी की बात यह है कि इस टीम में हमारे हरियाणा के तीन खिलाड़ी हैं। इन खिलाड़ियों ने दुनिया में हमारा नाम ऊंचा किया। अन्त में मैं एक बार फिर इन खिलाड़ियों को बधाई देते हुए अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी सुरेन्द्र सिंह (तो ाम): स्पीकर साहब, जो प्रस्ताव मुख्य मंत्री जी हाउस में लाए हैं, मैं उसका समर्थन करता हूं। इसके साथ ही साथ सरकार से यह प्रार्थना करता हूं कि हरियाणा का कोई भी स्पोर्टस मैन, चाहे वह एथलैब्क्स का हो या दूसरा खिलाड़ी हो, उसके लिए एक स्टैडर्ड/पैमाना बना दिया जाए कि ओलम्पि खेलों में या एि ायन खेलों में जो खिलाड़ी पहला स्थान लेगा, उसको यह ईनाम दिया जाएगा और जो दूसरा स्थान लेगा उसको यह ईनाम दिया जाएगा।

श्री अध्यक्षः ऐसा क्राईटेरिया तो पहले ही बनाया हुआ है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, ऐसा क्राईटेरिया अभी तक तो कोई नहीं बनाया गया है। मेरी सदन में एक पे ाक ा है। हरियाणा में 6–7 खिलाड़ी एि ायाड़ लैवल के

बहुत अच्छे हैं। मैं हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हवा सिंह और भीम सिंह हमारे बहुत अच्छे खिलाड़ी रहे हैं। ये अब फौज से रिटायर हो चुके हैं। इन खिलाड़ियों को सरकार की तरफ से कोई प्रोत्साहन नहीं दिया गया है। इस संबंध में मेरी सरकार से प्रार्थना है कि ऐसे खिलाड़ियों की सेवाएं, उन्हें कोचिज लगा कर या डिप्टी डायरेक्टर लगा कर हासिल करें ताकि दूसरे लोगों का भी हौसला बढ़ सके।

श्री राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ़): स्पीकर साहब, मैं भी अपनी तरफ से क्रिकेट टीम को बधाई देता हूं। हमें काफी दिनों के बाद मेलबोर्न में इण्डिया की टीम की जीत सुनने में आई। इस जीत से हमें गर्व हैं। यह बड़ी खु ाी की बात है कि इस टीम में तीन खिलाड़ी हरियाणा के हैं। हरियाणा स्पोर्टसमैन की भरती है। मैं सदन से प्रार्थना करता हूं कि इन तीनों खिलाड़ियों को कोई रा ि ा देकर या किसी दूसरे रूप से प्रोत्साहित किया जाये क्योंकि इन खिलाड़ियों ने हरियाणा का नाम, दे ा का नाम और ए ि ाया का नाम ऊंचा किया है। अन्त में मेरी फिर प्रार्थना है कि इन खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जाए।

Mr. Speaker: There is complete consensus of the House on this resolution.

प्र न है कि:–

यह सदन वि व क्रिकेट प्रतियोगिता में विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान तथा सदस्यों को अपनी हार्दिक बधाई एवं भ्ाुभकामनाएं भेजता है।

अपने भ्ाानदार खेल के प्रद र्ान से भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने वि व मं भारत का गौरव बढ़ाया है। इस सदन को अत्यन्त हर्श है कि इस टीम के तीन सदस्य सर्व श्री कपिल देव, चेतन भ्ार्मा और अ ाोक मल्होत्रा हरियाणा प्रान्त से हैं और इन्होंने अपने भ्ाानदार योगदान से हरियाणा का नाम ऊंचा किया है।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

राज्य में कृशि क्षेत्र को कम बिजली देने तथा किसानों को कम नहरी पानी देने आदि सम्बन्धी।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, मुझे श्री ओम प्रका ा (बेरी) की तरफ से poor supply of electricity to agricultural sector and meagre supply of canal water to the farmers in the State के कारण किसानों की रबी की खड़ी फसल को व्यापक क्षति पहुंचने और उनको कम्पनसे ान देने के बारे में काल अटैन्ा ान मो ान का नोटिस मिला है। मैं इस को एडमिट करता हूं श्री ओम प्रका ा जी अपना नोटिस पढ़ दें।

Ch. Om Parkash: I wants to draw the attention of this August House towards a matter of urgent public importance regarding the vast damage done to the standing

Rabi Crops of the farmers by the poor supply of electricity in Agricultural Sector and very meagre supply of Canal water to the farmers in the State. The farmers of the entire State of Haryana have sufferred a great financial loss due to this damage to their crops due to the poor supply of electricity and Canal Water. The farmers of Rohtak and Sonepat Districts had lost their Kharif crops also due to the floods in 1984 in the said Districts. The farmers deserve help in the fform of compensation for the lost to their crops at least at the rate of Rs. 500/- per acre in view of their deteriorating financial positionh. If the farmer prosperous, the whole country prosperous. The State Government has miserable failed on this front and the farmingg community of the State has suffered great loss at the hands of the State Government in this regard and till now the Government has done nothing fruitful for bringing improvement in the supply of Canal Water and electricity in agricultural sector. Thhis is a matter of urgent public importance and the Minister for Irrigation and Power may be asked to make a statement in the House.

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, इस का जवाब 13 तारीख को दिया जाएगा।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मैंने जो काल अटैन ान मो ान्ज दी थीं उनका क्या हुआ ? दूसरे जनाब मेरे पास एक टेलीग्राम आया है। It reads as under:-

"Five arrested including Comreade Harpal candidate from dharna demanding repoll in Tohana-Prithvi Singh."

पृथ्वी सिंह सी0पी0एम0 का कैंडिडेट है। इस तरह से अगर ज्यादती होती रही और पुलिस राज होता रहा तो इससे कोई काम नहीं चलेगा। प्रजातंत्र के अन्दर बेईमानी के खिलाफ इस तरह से धरना देकर अपनी मांगे मनवाई जा सकती है।

श्री अध्यक्षः इन काल अटैन्शन मौशन्ज को मैं देखूंगा।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, हरियाणा, पंजाब और हिमाचल को मिलाकर महा पंजाब बनाने के बारे में मेरा एक रैजोल्युशन था। इस पर सी0एम0 साहब भी ब्यान दे रहे हैं कि महा पंजाब बनाया जाए। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह अभी मेरे पास नहीं आया। जब आयेगा तो मैं दूख लूंगा।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहिबान अब गवर्नर एड्रैस पर डिस्कशन होगी। श्री ईश्वर सिंह जी अपना मोशन मूव करेंगे। He may speak for 30 minutes.

Ch. Ishwar Singh: Sir, I beg to move:-

"That an Address be presented to the Governor in the fallowing terms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply greatful to the Governor

for the address which he has been pleased to deliver tto the House on the 6th March, 1985."

प्वायंट आफ आर्डर

स्वर्गीय प्रधान मंत्री, श्रीमती इन्दिरा गांधी, की हत्या पर राज्पाल के अभिभाशण के दौरान चर्चा सम्बन्धी।

श्री बीरेन्द्र सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, चौधरी ई वर सिंह इस हाउस के आनरेबल मैम्बर हैं। गवर्नर साहब ने 6 तारीख को जो एड्रैस पढ़ा है, उस पर गवर्नर साहब का थैंक्स करने के लिए मो ान मूव किया है। स्पीकर साहब, कांस्टीच्यु ान के आर्टिकल 176 के तहत बहुत से रैलैवेंट रूल्ज बनाए गए हैं। रूल्ज 17, 18, 19 और 20 रैलेबेंट हैं, मैं इनको पढ़ कर सुनाऊंगाः–

"17. No Member shhall raise any point of order, debate or discussion immediately preceding, during or immediately following the Governor's Special Address under Article 176(1) of the Constitution.

18. After the Governor has delivered his Address under Article 176(1) of the Constitution, the Speaker shall report the fact to the Assembly and lay a copy of such Address before the Assembly.

19. The Speaker inconsultation with the Leader of the Assembly shall allot time for the discussion of matters referred to in the Governor's Special Address.

20. On such day or days or part of any day, the Assembly shall be at liberty to discuss matter referred to in such Addresss on a motion of Thanks moved by a member which shall be seconded by another member."

स्पीकर साहब, मैं इसमें यह प्वायंट प्रैस करना चाहता हूं कि गवर्नर महोदय ने जो एड्रैस सदन में डिलिवर किया है, उसको यह असैम्बली डिस्कस कर सकती है। एड्रैस के पैरा (3) में यह दिया हुआ है कि लेट श्रीमती इंदिरा गांधी की डैथ किन हालात में हुई ळे, इसके लिए कौन आदमी जिम्मेदार है, किस प्रकार उसकी मौत हुई है, इसके बारे में दिया हुआ है। इसके इलावा फस्ट पेज के पैरा 3 के आखिर में श्रीमति इंदिरा गांधी की डैथ के बारे में टिप्पणियां की हुई हैं। लोक सभा के इलैक ान बारे टिप्पणियां इस प्रकार है:—

"Giving a crushing blow to the forces of parochialism, separatism and disruption, the nation has opted for a futuristic administration which holds bright promise for taking India into the 21st century as a world leader.

इसमें श्री राजीव गांधी की सैक्सैस के बारे में लिखा है कि कैसे उन्होंने कामयाबी हासिलल की है। स्पीकर साहब, मेरी आपसे गुजारि ा है कि मैं इस प्वायंट पर आपकी रूलिंग चाहूंगा कि श्रीमती इंदिरा गांधी की जिन सर्कमस्टांसिज में असैसिने ान हुई है, इस पर इस हाउस को डिस्क ान करने की इजाजत आप देंगे या नहीं, क्योंकि रूल्ज 17 से 20 तक, जिन के तहत गवर्नर

एड्रैस पढ़ा जा चुका है, हम डिस्क ान कर सकते हैं। मैं आपकी रूलिंग चाहूंगा कि पैरा तीन पर जो कुछ लिखा गया है, उस पर डिस्क ान करने की इजाजत क्या आप देंगे ? अगर इजाजत नहीं देंगे तो मैं आपसे गुजारि ा करूंगा कि गवर्नर एड्रैस से यह पैरा 3 डिलीट कर दिया जाए और इस पैरा को पढ़ा हुआ न माना जाए। स्पीकर साहब, चौधरी ई वर सिंह के बाद मुझे मेरी पार्टी की तरफ से यह आदे ा है कि मैं बोलूं। इससे पहले कि मैं बोलू मैं आपसे रूलिंग चाहूंगा। यही मेरी आपसे रिक्वैस्ट है।

Mr. Speaker: I reserve my ruling on it for tomorrow.

Sh. Verender Singh: Will you not allow me, Sir, to speak on this motion today?

Mr. Speaker: I will allow you to speak second time again if you so like.

श्रीमती चन्द्रावती: आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, इसका मतलब यह हुआ कि जब तक आपकी रूलिंग न आये, तब तक गवर्नर, एड्रैस पर मो ान आफ थैंक्स मूव नहीं होना चाहिए। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: इसके बाद भी गवर्नर एड्रैस पर बोलने का टाईम है, तब बोला जा सकता है।

श्रीमती चन्द्रावती: तभी इसको डिस्क ान का विशय बनाया जाएगा जब आप की रूलिंग आ जाएगी। People will say a lot of things.

Mr. Speaker: This is a very technical thing. I shall have to study on this point.

Smt. Chandrawati: That is why we want your ruling on this point before the discussion on this motion starts.

Mr. Speaker: I will give my ruling tomorrow and if any hon. Member will also like to speak after that, I will allow him to do so.

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, अगर आप पैरा 3 को पढ़ेंगे तो आप पायेंगे कि इस पैरा में कुछ नहीं है। इसमें श्रीमती इन्दिरा गांधी के असैसिने ान के फैक्ट्सदज्ञ नहीं है। जिस पर डिस्क ान करेंगे। सिर्फ एक फैक्ट मैन् ान्ड है कि जब उनकी हत्या हुई, उसके बाद कंट्री में क्या–क्या हालात थे।

Mr. Speaker: I do not want to make any commitment कि मैं अलाउ करूंगा कि नहीं करूंगा। That I will decide after my consideration of the matter.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी ई वर सिंह (पुंडरी): स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में हरियाणा के हालात, यहां पर हुए विकास और तरक्की की एक तस्वीर खींची है। एड्रैस के पैरा 3 पर, जिसके बारे में अभी–अभी जिक्र किया गया है, श्रीमती इंदिरा गांधी की अकस्मात हत्या के बारे में चन्द लाइनें लिखी हुई हैं।

स्पीकर साहब, ह सभी जानते हैं कि श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपने कार्यकाल में दे ा को दुनिया के प्रगति ील दे ाों की पंक्ति मं खड़ा कर दिया है। साईंस, टैक्नोलौजी, इंडस्ट्रीज, एग्रीकल्चर और स्पेस एज के क्षेत्रों में भारत को आगे ले जाने का श्रेय श्रीमती इंदिरा गांधी को है। खास तौर पर आर्थिक क्षेत्र में गरीबों, पिछड़े वर्ग के लोगों, आदिवासियों और हरिजनों के लिए इन्होंने बड़ा भारी कार्य किया है। बैंकों को नै ानेलाइजे ान, प्रिबी पर्सिज को खत्म करने का कार्य बड़ा ही सराहनीय है। सारे दे ा में 20 प्वायंट प्रोग्राम को लागू करके, जो योजनायें पंडित नेहरू के समय में दे ा आजाद होने के समय भाुरू हुई थी, उनको इस प्रोग्राम के तहत, लक्ष्य निर्धारित करके दे ा को आगे बढ़ाया है। ऐसे व्यक्ति अमर होते हैं। भाारीरिक स्तर पर तो वे मर जाते हैं लेकिन ऐसे महान काम करने वाले व्यक्ति मर नहीं जाते, अमर होते हैं। सरदार भगत सिंह गाया करते थेः—

हवा में रहेगी मेरे ख्याल की बिजली,

ये मु ते खाक है फानी रहे, रहे न रहे।

सारे देश ने बड़ी भारी वोटें देकर, हमारे नौजवान प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी को बड़ा भारी मैंडेट दिया है। सभी दे ावासियों को उन पर बड़ी भारी आ ाा है और इन्होंने वि वास भी दिलाया है कि जो स्कीमें पहले से चली हुई है और जो कार्य प्रणाली चल रही है, उसमें और तरक्की और तेजी

लाएंगे। स्पीकर साहब, सबसे बड़ी चीज व्यक्ति का ईरादा है। इनको जो ा है लेकिन जो ा के साथ–साथ पूरा हो ा है और मैच्योरिटी भी है। किसी भाायर ने लिखा है:–

गुलामी में न काम आती हैं तदबीरें, न भाम ाीरें,

जो ही जौके यकीन पैदा तो कट जाती है जंजीरें।

सवाल दृढ़ वि वास का है। प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी ने भी बड़े वि वास के साथ दे ा का कार्यभार सम्भाला है। स्पीकर साहब, सातवीं पंचवर्शीय योजना जब भाुरू की तो हमारे कुछ इकोनोमिस्ट्स ने कहा कि पंचवर्शीय योजना के टार्गेट कुछ कम किये जा सकते थे। इस पर श्री राजीव गांधी ने कहा कि हम टार्गेट कम नहीं करेंग, हम ऐसी व्यवस्था करेंगे जिसके अन्तर्गत हमारा लक्ष्य यही रहे लेकिन फाईनेंि ायल रिसोर्सिज बढ़ें और काम और तेजी से कर सकें। यह सब उनके इरादे की वजह से है, तभी उन्होंने दे ा को स्वच्छ भाासन देने का आ वासन दिया है। स्वच्छ भाासन बिल पास किया जो कि इस वक्त एक एक्ट बन चुका है।

अध्यक्ष महोदय, पंजाब की घटनाओं का सर हमारे प्रदे ा पर भी पड़ता है लेकिन मैं हरियाणा सरकार को, वि ोश कर मुख्य मंत्री जी को, बधाई दूंगा कि इन्होंने पंजाब की घटनाओं का असर हरियाणा में नहीं पड़ने दिया और सूबे में अमन और भाांति कायम रखी। स्पीकर साहब, कहा जाता है कि हरकत में

बरकत है। इन्होंने जहां अकालियों को आड़े हाथों लिया है, वहां सैन्टर को भी हर बात में कांफिडैंस में लिया है, चाहे वह पानी का मामला था या पंजाब के साथ सीमा का मसला था। पंजाब के अकाली जो चीजें मांगते हैं उनका असर सिर्फ हमोर प्रान्त पर पड़ता है लेकिन हमारी सरकार ने उनकी किसी स्कीम को पूरा नहीं होने दिया और यहां बिल्कुल अमन और भाांति रखी। यह बहुत बड़ी कामयाबी की बात है।

स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि दो दफा भाखड़ा नहर में कट किया गया जसकी वजह से उस एरिया में जहां उस नहर का पानी जाता था काफी समस्या उत्पन्न हुई, कपास की फसल नश्ट हुई और पीने के पानी की भी समस्या पैदा हुई लेकिन हमारी सरकार ने उस समस्या को हल करने के लिए भी सरहानीय कदम उठाए। वैस्टन जमुना कैनाल का कुछ पानी वहां ले जाया गया जहां उसकी जरूरत थी। साथ ही एम0आई0टी0सी0 के जो ट्यूबवैल्ज चालू नहीं थे, उनको ऐनरजाइज करके पानी पहुंचाया गया। सैन्ट्रल गवर्नमैंट से भी राहत कार्य के लिए मददद देने की रिक्वैस्ट की गई और उनसे बड़ी भारी आर्थिक सहायता हमें मिली है। अलग–अलग मदों के लिए 6.6 करोड़, 3.2 करोड़ और 2.1 करोड़ रूपए की मदद सैन्टर से लेकर, जिसका इसमें उल्लेख है, लोगों को राहत पहुंचाई गई। सरकार के अपने हाथ में जो बात थी, उसके तहत लोन और तकावी आदि कीी रिकवरी को स्थगित किया गया।

स्पीकर साहब, मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हमारे जो विकास के कार्य हैं वे पूरी तेजी के साथ चल रहे हैं। छठी पंचवर्शीय योजना में जो अभी 31 मार्च, 1985 को खत्म होगी, लगभग 1638 करोड़ रूपए खर्च होंगे लेकिन सातवीं पंचवर्शीय योजना में 3200 करोड़ रूपए, जो पहले के प्रोविजन से लगभग डबल है, रखे गए हैं। हमारी छठी प्लान जब बनी थी तो 1800 करोड़ रूपए की बनी थी लेकिन दो महकमों के कामों में कुछ कमी रहने के कारण 1638 करोड़ रूपए ही खर्च हो पाएंगे। सबसे बड़ी बात तो यह है कि एस0वाई0एल0 कैनाल का वह हिस्सा जो पंजाब में बनना था, वह पूरा नहीं हो सका। कुछ सड़कों के बनने में भी कमी रही है। वैसे तो हरियाणा मे लगभग हर गांव में सड़क पहुंच चुकी है, यहां सिंगल सड़कें भी हैं और डबल सड़कें भी है। हरियाणा पहले ही इस क्षेत्र में काफी प्रगति कर चुका है लेकिन फिर भी अभी कुछ काम करने को रहता है जिसे सातवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान पूरा किया जाएगा।

स्पीकर साहब, सातवीं पंचवर्शीय योजना, पंचवर्शीय योजनाओं की एक कड़ी है। उसके अन्दर कुछ लख्य निर्धारित किए गए हैं। एक प्र ांसनीय लक्ष्य डिसैन्ट्रेलाइज्ड प्लानिंग का है। अब तक प्लानिंग केवल ऊपर से चलती थी लेकिन अब नीचे से भी प्लानिंग होगी। अब प्लानिंग डिस्ट्रिक्ट लेवल पर भी होगी। वहां पर प्लानिंग के कुछ औफिसर्ज होंगे और सब महकमों की कोआर्डिने ान से प्लानिंग होगी। विलेज लैवल पर और ब्लाक

लैवल पर सबसे पूछताछ करके जरूरत के मुताबिक प्लानिंग होगी। इस डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग के लिए कोई 200 करोड़ रूपए सातवीं पंचवर्शी योजना में पहली दफा रखे गए हैं।

स्पीकर साहब, बेरोजगारी को दूर करने के लिए भी सरकार के नि चयों का गवर्नर ऐड्रस में जिकर आया है क्योंकि यह एक बड़ी भारी समस्या है। हमारे जितने स्कूल्ज और कालेजिज हैं उनसे काफी संख्या में पढ़े लिखे नौजवान निकल रहे हैं। ग्रेजुएटस और पोस्ट–ग्रेजुएट्स की संख्या काफी ज्यादा है। सरकार के पास इतने साधन तो नहीं है कि यह सबको रोजगार दे सके लेकिन फिर भी हर महकमे में उनके लिए ऐम्पलायमैंअ जैनरे ान स्कीमें बनाई गई हैं और लगभग 70 हजार नई पोस्टस सातवीं पंचवर्शीय योजना में उनके लिए रखी गई है। इस प्लान में रूरल रीकस्ट्रक ान फोर्स भी प्रपोज किया गया है। इसके तहत 12 हजार नौजवाल जो मैट्रिक या ग्रेजुएट्स हैं, प्रत्येक जिले से एक हजार नौजवान के हिसाब से भर्ती किए जाएंगे और बाकायदा उनको तनख्वाह या अलांउस दिया जाएगा जो आप समझ सकते हैं। सैल्फ ऐम्पलायमैंट स्कीम के तहत भी उनको काम दिया जाएगा। इसके अलावा चीफ मिनिस्टर साहब ने प्लानिंग के सम्बन्ध में हुई एक मीटिंग में वि वास दिलाया था कि आयंदा जब कभी कोई नौकरी निकलेगी तो इन्ही लोगों में से उन पोस्टेस को भरा जाएगा। यह एक नई स्कीम प्रपोज की गई हैं जिसका प्लानिंग

कमीशन ने भी ऐप्रिशिएट किया है। इससे उन लोगों में डिगनिटी औफ लेबर और सोशन सर्विस की भावना पैदा होगी।

स्पीकर साहब, गवर्नर एड्रैस में यह भी कहा गया है कि इमें–बैलैंसिज को, चाहे वे जिलावार हैं या वर्गों के अन्दर हैं, दूर करने की कोशिश की जाएगी। (विघ्न)

चौ. बलवीर सिंह ग्रेवाल: क्या आप बताएंगे कि रूरल रीकंस्ट्रक्शन फोर्स के लिए बजट में कितना प्रोविजन किया गया है? (विघ्न)

चौ. ईश्वर सिंह: बजट अभी नहीं बना है लेकिन इस स्कीम का गवर्नर साहब के ऐड्रेस में जिक्र है?

श्री अध्यक्ष: ग्रेवाल साहब, आप कृपया कुछ समझदारी की बात करें। क्या वे इस स्टेज पर बजट बता सकते हैं?

वित्त मंत्री (श्री सागर राम गुप्ता): बजट की बात तो मैं 20 तारीख को बताऊंगा।

चौ. ईश्वर सिंह: इसी तरह से ऐजुकेशन, हैल्थ, न्युट्रिशन, सैनिटेशन और हाउसिंग आदि पर पहले से ज्यादा ध्यान दिया जाएगा।

स्पीकर साहब, यह भी जिक्र किया गया है कि जितने हमारे उद्योग हैं उनमें मौड्रेनाइजेशन हो, कम्पीटिशन हों। इंडस्ट्रीज के साथ ही कंजरवेशन आफ ऐनर्जी और प्रमोशन औफ

नौन–कंवन्शनल ऐनर्जी, जिसमें बायोगैस और सूर्ज की धूप से शक्ति का हासिल करना शामिल है, उस पर भी जोर दिया जाएगा। साथ ही इकौलौजी और एनवायरनमैंटस को सुधारने के लिए दरख्त लगाने की स्कीमों के ऊपर विशेश तौर पर ध्यान दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, अभी चन्द्रावती जी ने कहा कि प्रायरिटीज किस ढंग से हों। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि आने वाले फाईव इयर प्लान में सबसे ज्यादा प्रायरिटी हमारी स्टेट में बिजली और पानी को दी गई है। लगभग 1670 करोड़ रूपया 3200 करोड़ रूपये में से बिजली और पानी के लिए खर्च होगा। केवल पावर के लिए 1050 करोड़ रूपये खर्च होंगे। इस वक्त हरियाणा में अपनी बिजली 415 मैगावाट है जो थर्मल की है। इसमें से 220 मैगावाद बिजली पानीपत थर्मल प्लांटस में पैदा होती है ओर 195 मैगावाट बिजली फरीदाबाद थर्मल प्लांट में पैदा होती है। अगले पांच साला प्लान में 898 मैगावाट बिजली हरियाणा में अपनी पैदा की जाएगी। हसमें से 430 मैगावाट पानीपत थर्मल प्लांट में और 420 मैगावाट यमुनानगर थर्मल प्लांट में पैदा होगी। 48 मैगावाट हाईडल बिजली होगी जो ताजेवाला और दादुपुर के बीच में जरनेट की जाएगी। इसके अलावा, जो सैन्ट्रल प्रोजैक्ट हैं उनमें भी हमारा हिस्सा है और वह हिस्सा हमें मिलने की पूरी उम्मीद है। ऐटोमिक पावर हाउस के लिए सरकार सैन्टर से तालमेल करके यह कोशिश कर रही है कि वह हमें मिले। वैसे तो जो रीजनल ऐटोमिक पावर हाउसिज होते हैं, उनमें से 10 परसैंट हिस्सा उन स्टेटस को मिलता है जो नजदीक होती हैं लेकिन अगर अपनी ही स्टेअ में

ऐटोमिक पावर हाउस हो तो 20 परसैंट हिस्सा स्टेट को मिल जाता है। इसके अलावा, जहां भी नहरों पर 8, 9 या 10 फुट का फाल है वहां भी बिजली पैदा करने की कोशिश जाएगी क्योंकि वह बिजली सस्ती पड़ती है। इस वक्त किसानों की भलाई के लिए लगभग 60 करोड़ रूपये का घाटा हरियाणा सरकार टयूबवैल्ज को बिजली देने में उठा रही है। हमें हाईडल बिजली 18 पैसे प्रति यूनिट पड़ती है लेकिन थर्मल बिजली 60 पैसे प्रति यूनिट पड़ती है। दोनों में प्रोडक्शन कौस्ट को यदि मिला भी लें, तो भी यह लगभग 48 पैसे प्रति यूनिट पड़ती है। इसके बावजूद भी किसानों को सस्ते रेट पर बिजली दी जा रही है। इसके साथ ही साथ, जहां तक नहरों का ताल्लुक है, लगभग साढ़े तीन लाख हैक्टेयर जमीन को छठी पांच साला प्लान में पानी के साधन दिये गये। इस पांच साला प्लान में एस.वाई.एल. कैनाल को भी विशेश रूप से पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं। दो अढ़ाई साल में यह नहर बन कर पूरी हो जायेगी। इस योजना के लिए काफी पैसा दिया गया है। (विघ्न) गवर्नर ऐड्रस में सिंचाई के साधनों के बारे में दिया हुआ है। एस.वाई.एल. के लिए विशेश रूप से 70 करोड़ रूपया रखा गया है। इसके साथ–साथ, संगरोली सुपर ताप बिजली परियोजना से हरियाणा का हिस्सा प्राप्त करने के लिए अन्तर्राज्यीय लाईनों को चालू किया गया है। हमारा राज्य बिजली बोर्ड ट्रांसफार्मर्ज की मुरम्मकी ओर भी बहुत ध्यान दे रहा है। पहले जो हमारे ट्रांसफार्मर्ज जल जाते थे, उनकी रिपेअर नहीं हो पाती थी। अब बिजली बोर्ड ने जगह जगह वर्कशाप खोल दिये हैं।

यह वर्कशाप रोहतक, फरीदाबाद, धूलकोट, हिसार, सोनीपत और करनाल में खोले गये हैं। ऐसा प्रबन्ध होने से ट्रांसफार्मर्ज के विशय में किसी प्रकार की शिकायत नहीं रहेगी कि जले हुए ट्रांसफामर्ज की मुरम्मत नहीं हो सकी या उसे रिप्लेस नहीं किया गया। लाईनों को स्ट्रैंग्थन करने के लिए 440, 220, 132, 66 और 33 के.वी. के सब–स्टेशन ज्यादा बनाये जा रहे हैं।

हमारी सरकार स्टेट के हर हिस्से में पानी पहुंचाने की कोशिश कर रही है। जवाहर लाल नेहरू कैनाल से महेन्द्रगढ़ और गुड़गावां जिले को पानी मिलेगा। अम्बाला, करनाल और कुरूक्षेत्र जिलों का वह हिस्सा, जो भाखड़ा और अम्बाला जगाधरी रेलवे लाईन के बीच में है, इस सारे एरिया के लिए जब हथनी कुण्ड वैराज पूरा हो जायेगा तो नहर का पानी मिलेगा। इस बैराज के लिए सातवीं पंचवर्शीय योजना में पूरा धन रखा गया है। जब हमारे यहां फ्लड आता है तो उस पानी को काबू में करके करनाल, कुरूक्षेत्र और अम्बाला जिले के कुछ हिस्सों को पानी दिया जायेगा जहां पर पैडी की फसल होती है। इसके लिए सरकार ने प्रबन्ध किया है। हमारे यहां जो माईनर्ज बनी हुई हैं, उनके साथ–साथ बरसाती चैनल्ज बनाई जायेगी ताकि इरीगेशन भी हो सके और ड्रेनेज का सिस्टम भी हो सके। ड्रेनेज का सिस्टम ठीक करने से लगभग 15 लाख हैक्टेयर जमीन का बचाव हो चुका हे। ड्रेनेज का रोहतक और सोनीपत जिलों के लिए खासतौर पर प्रबन्धर किया गया है। चीफ मिनिस्टर साहब का

अखबार में भी ब्यान आया है। उन्होंने रोहतक में भाशण देते हुए कहा है कि यहां के लिए 15 करोड़ रूपये की योजना है। इसी तरह से हमारे यहां खेती बाड़ी का महकमा है। अब हमारा फेज टू शूरू हो रहा है। हमारी पैदावार लगातार बढ़ रही है। हमारी पैदावार का इस साल का फूडग्रेन्ज का टारगेट 71 लाख टन का है। हमारे प्रान्त में तीन नए शूगर मिल्ज लग चुके हैं और तीन शूगर मिल्ज के लिए सरकार ने अप्लाई कर दिया है। एग्रीकल्चर मिनिस्टर सरदार बूटा सिंह जी ने जीन्द मिल का उद्घाटन करने हुए विश्वास दिलाया है कि इन तीन शूगर मिलों के भी लाईसैन्स देंगे। ये मिल लग जाने से हमारे यहां गन्ने की पैदावार बढ़ जायेगी, लेकिन मैं यह कहे बगैर नहीं रहूंग कि हमारे यहां जो गन्ने की पैदावार की रिकवरी है वह महाराश्ट्र और तमिलनाडु से कम है यानी वहां पर ज्यादा है। हमें इनके बराबर पहुंचने की कोशिश करनी है। उसके लिए गन्ने का बीच कोयमटूर से लाकर मिल एरिया और नान–मिल एरिया में पैदावार बढ़ानी चाहिए ताकि गुड़ और चीनी की प्रोडक्शन ज्यादा हो सके। उसके लिए भी सरकार की तरफ से कोशिश की जा रही है।

हरियाणा फलों और सब्जियों की पैदावार बढ़ाने के लिए भी पूरी कोशिश कर रहा है। हमारे यहां देहातों में न्यूट्रेशन डाइट नहीं है। देहाती लोगों को फल और सब्जियां इस्तेमाल करने की आदत नहीं है जो कि मनुश्य के लिए जरूरी है। हम स्कूलों में बच्चों को इस तरह की ट्रेनिंग दें जिससे उनमें फल

और सब्जियां उगाने की भावना पैदा हो। मेरा तो यह भी विचार है कि हमारे यहां लैन्ड की री–कन्सोलिडेशन होना चाहिए क्योंकि हमारे यहां स्कूलों और कालिजों में खेलने के मैदान भी नहीं है। जिस समय पहले कन्सोलिडेशन हुई थी, उस समय इन नार्मज को ध्यान में नहीं रखा गया था और यह उम्मीद भी नहीं थी कि इतनी ज्यादा तरक्की होगी, इतने ज्यादा हमारे यहां स्कूल और कालिजिज बनेंगे। आज कौमन पर्पज के लिए जगह की कमी है। तकरीबन 30 साल पहले जब कन्सोलिडेशन हुई थी तो लोगों को तीन–तीन जगहों पर जमीन दी गई थी। आज उन तीन–तीन जगहों पर दी गई जमीन की एक जगह पर करने की आवश्यकता है क्योंकि अब इरीगेशन के साधन टयूबवैल्ज और नहरों से हो गये हैं, इसलिए लगभग सारी जमीन की कीमत एक जैसी ही हो गई है। अगर अब फिर से कन्सोलिडेशन कर दी जाये तो ज्यादा अच्छा होगा। इससे कौमन पर्पज के लिए भी जमीन मिल जायेगी और जिन लोगों की जमीनें तीन तीन जगहों पर हैं, वे भी एक जगह पर हो जायेंगी। स्कूलों में हमारी एजुकेशन प्रौप्रली रिलेटिड टू लाईफ नहीं है। एग्रीकल्चर का सब्जैक्ट स्कूलों के करिकूलम में नहीं है और शहरों में भी किचन गार्डनिंग की पढ़ाई नहीं है। शहरों की औरतें, बच्चे और आदमी भी किचन गार्डनिंग कर सकते हैं। किसी कबि ने कहा है –

अपनी जेबाईश पे ए बजमें जहां नाजान न हो

तू तो एक तस्वीर है महफिल की और महफिल हूं मैं।

असली महफिल तो हयूमन बीइंग हैं, उसकी नीरोगी काया हो। नीरोगी काया तो तभी रहेगी जब उसे बैलेन्सड डाइट मिलेगी। आज की एजूकेशन देहात और शहर में रिलेटिड टू लाईफ नहीं है। हमारे बच्चे देहातों में दसवीं पास कर लेते हैं लेकिन उन्हें खेती और एनिमल हस्बेन्डरी के बारे में ज्ञान नहीं होता है। वे फल और सब्जियां पैदा नहीं कर सकते। अगर स्कूलों के साथ ही फार्म बना दिये जाएं और उन स्कूल के बच्चों को अलग अलग क्यारियां बांट कर दे दी जाएं तो पूरी तरह से उन्हें ट्रेनिंग मिल सकती है। जो लोग शहरों में रहते हैं, वे पीपों और गमलों में हर चीज पैदा कर सकते हैं। इन चीजों की ट्रेनिंग देना निहायत जरूरी है। इसलिए कन्सोलिडेशन का होना निहायत जरूरी है क्योंकि अब जमीन तो बढ़ेगी नहीं। अब तो स्पैशेलाइजेशन की जरूरत है।

हमारे प्रान्त में ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों को बढ़ावा देने के लिए अढ़ाई हजार बायोगैस संयत्र लगाये गये हैं और अगले साल में भी इतने ही लगाने की योजना है। अगर देहातों में बायोगैस होंगे तो खाद अच्छी बनेगी। अगर वैसे खाद बनाई जाये तो छः महीने में बनेगी लेकिन बायोगैस से जल्दी बन जाती है। बायोगैस से औरतों को भी किचन में सुविधा हो सकती है। सूर्य से ऐनर्जी पैदा करने का सिस्टम महंगा है लेकिन साईस और टैक्नोलोजी में ज्यों ज्यों प्रोग्रैस होती जायेगी, त्यों त्यों आने वाले टाईम में इसकी कास्ट कम होती जायेगी। हमारे देश में तो बड़ी

भारी धूप होती है। योरूप में लोग धूप के लिए तरसते हैं। वहां हर समय बादल छाये रहते हैं लेकिन हमारे यहां तो धूप है। सूर्य से जो बिजली मिलेगी, उसके भाग जाने का भी चान्स नहीं रहेगा। इसी तरह से मार्किटिंग बोर्ड भी नई मंडिया बनाने जा रहा है।

हमारे यहां फारैस्टरी का भी बड़ा भारी काम हो रहा है। सन् 1981 में एक करोड़ 59 लाख वृक्ष लगे थे, सन् 1982–83 में छः करोड़ लगे और सन् 1983–84 में 8.5 करोड लगे। जब दस करोड़ का लक्ष्म है। अगर दस करोड़ वृक्ष लगेंगे तो सोशल फौरैस्टरी का बड़ा भारी काम होगा। जहां तक सारे हिन्दुस्तान में वृक्ष लगाने का सम्बन्ध है उससे कम वृक्ष ही हमारे प्रान्त में लगे हैं। सिरसा जिले में 1.12 परसैन्ट जमीन पर वृक्ष लगे हैं। अम्बाला जिले में 17.77 परसैन्ट जमीन पर वृक्ष लगें हैं। अम्बाला जिले में लैन्ड एरिया के हिसाब से सबसे ज्यादा लगे है। कुरूक्षेत्र और करनाल में तीन परसेन्ट जमीन पर लगे हैं। आज के दिन जरूरी है कि नैशनल लैवल के टारगेट को ध्यान में रखते हुए वृक्ष लगाने चाहिएं। कम से कम 33 परसैन्ट जमीन पर वृक्ष हों। वृक्षों से पैसा भी काफी मिलता है। जिन लोगों ने सफेदे के पेड़ लगाये हैं उन पेड़ों को न खाद की जरूरत है और न ही पानी की ज्यादा जरूरत है। वे अपने आप ही जमीन के अन्दर से पानी निकाल लेते है। उन्हें गोल्डमार्डन कहते हैं।

इस तरह से फारैस्ट्री को काफी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अलावा ऐनीमल हस्बैंडरी की डिवैल्पमैंट के लिये भी

हरियाणा में आबोहवा बहुत अच्छी है। हमारा पशु बहुत बढ़िया है, लेकिन नार्वे, स्वीडन, इजराइल, डेनमार्क, नीदरलैंड और जापान जैसे देशों में जो दूध की ईल्ड है, उस तक हम नहीं पहुंच सके हैं। वहां के पशु का लैक्टेशन पीरियड अलग है। वहां पर मिल्क की ईल्ड एक लैक्टेशन पीरियड में, हमारे मुकाबले में 5–6 गुना ज्यादा है। इस वक्त हमारे यहां दूध की ईल्ड एक हजार के.जी. के करीब है जबकि उनके यहां 6 हजार के.जी. के करीब है। इसके अलावा, अब फरोजन सीमैन का भी नया टैक्नीक आ गया है। पहले तो लिक्वड सीमैन होता था जो 24 घंटे के बाद खराब हो जाता था। अब फरोजन सीमैन की टैक्नीक निकलने की वजह से 30 साल तक भी वह सीमैन खराब नहीं हो सकता। इसमें सीमैन को नाइट्रोजन के अन्दर रखना पड़ता है। हमारे यहां दिल्ली नजदीक है, इतना बड़ा शहर है, उसकी डिमांड को मीट करने के लिए हम काफी दूध कन्ट्रीब्यूट कर सकते हैं क्योंकि हमारे यहां की नस्ल भी अच्छी है। इसके लिये स्कीम बना ली गयी है। हरियाणा की अच्छी नस्ल की गाया 14 किलो दूध देती है और भैस 18 किलो देती है। इसके अलावा जो शंकर नस्ल की भैसें हैं, वे 24 किलो तक दूध देती हैं। उनके लिए 3 हजार रूपया प्रति फार्मर रखा गया है ताकि हमारा पशु–धन बाहर ऐक्सपोर्ट न हो। इसी तरह से लगभग 46000 गरीब आदमियों को भेड़, बकरी, सुअर और भैंस वगैरा पालने के लिए टार्गेट नियत किया गया है ताकि लोगों का भला हो सके। इसमें 600 मिनी डेयरीज खोलने का प्रस्ताव भी शामिल है। इससे हमारे पढ़े–लिखे नौजवान फायदा उठा सकेंगे।

जहां तक इंडस्ट्रीज का ताल्लुक है, इंडस्ट्रीज लगाने के लिए भी बहुत सी स्कीमें बनायी गयी हैं। दिल्ली क तीनों तरफ हरियाणा पड़ता है। गुड़गावां में इलैक्ट्रोनिक्स का एक बड़ा भारी कारखाना लगाने जा रहे हैं। उसमें बिजली की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा वहां पर मारूति का भी बहुत बड़ा प्रोजैक्ट है, उसने भी प्रोडक्शन करना शुरू कर दिया है और पूरी तरह से कामयाब है। (व्यवधान) बिना बिजली की खपत के इलैक्ट्रोनिक्स चल सकते हैं। इसी तरह से एक और स्कीम बनाई गयी है कि हर जिले में कुछ साईन्स के ग्रैजुऐटस को बन विन्डो सर्विस प्रोवाईड करके उनको इंडस्ट्री लगाने के लिए आकर्शित किया जाये। इसके लिये उनको ट्रेनिंग भी दी गई है और वह स्कीम भी पूरी तरह से कामयाब है। इस योजना के अन्तर्गत 25000 रूपया एक अनएम्पलायट नौजवान को देने की स्कीम है। इस तरह के 6300 नौजवानों को इस साल में सहायता देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, अगले साल 6300 दूसरे नौजवानों को और इसी तरह से आगे भी नौजवानों को इस तरह से सहायता देने का प्रस्ताव है। हमारे यहां जो इंडस्ट्री की एक्सपोर्ट थी वह 1966 में लगभग साढ़े चार करोड़ की थी जो अब बढ़ कर 160 करोड़ तक पहुंच गयी है।

श्री अध्यक्ष: अब आप वाईन्ड अप करिये। आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है।

चौ. ईश्वर सिंह: मैं दो तीन मिनट में खत्म कर रहा हूं। मैं यह कहने जा रहा था कि पानीपत में जो तेल शोधक कारखाना है, उससे इंडस्ट्री को काफी बढ़ावा मिला है। सरकार सबको नौकरी नहीं दे सकती लेकिन उनको रोजगार मुहैया करवाने के लिए साईन्स ग्रैजुऐटस को ट्रेनिंग दी गयी है। मैं तो यह सुजैस्ट करूंगा कि जो देहात की आम जनता है, वह रिस्क नहीं लेना चाहती, उनको भी इस किस्म की कोई न कोई ट्रेनिंग दी जाए कि किस तरह से फार्म भरता है, किस तरह से बैंकों से लोन लेना है और किस तरह से कौन सा काम करना है। मैं तो यहां तक कहूंगा कि जो इंडस्ट्री लगे, उनके अन्दर सरकार भी हिस्सेदार हो अगर सरकार उन्हें बड़े–बड़े कारखाने खुद लगाकर दे तो वे और भी अच्छी तरह से कामयाब हो सकते हैं। हमारे ट्रांस्पोर्ट डिपार्टमैंट ने जो बस–अड्डे हरियाणा में बनाये हैं, शायद उस किस्म के और उतने अच्छे हिन्दुस्तान में कहीं भी नहीं हैं। पंजाब के अन्दर भी नहीं हैं जोकि हमारे बराबर में सूबा है। हमारे यहां बस स्टैंड सबसे ज्यादा बनाने की स्कीम बनायी गयी है। 17 अड्डे तो इस साल बने हैं, 4 अन्डर कंस्ट्रक्शन है। 31 बस–स्टैंडज अगले साल बनाने की स्कीम सरकार मन्जूर कर चुकी है। इसी तरह मैं वे–साईड बस–स्टैंडज भी 25000 के करीब बनाने की हमारी स्कीम है। 1980 में हमारे पास 2298 बसिज थी, 1985 में हमारे पास 2800 बसिज हो गयी और अगली फाईव ईयर प्लान में इनकी संख्या 3700 तक पहुंच जाने की आशा है। हम अपने मुलाजिमों को भी बहुत अच्छी पे दे रहे हैं। पैंशन ओर ग्रैच्युटी तो

देते हैं लेकिन हम बोनस नहीं दे सकते। बोनस की कमी को हमने दूसरी तेहर से पूरा कर दिया है। लगभग 8.33 परसैंट रूपया उनको हम दूसरी शक्ल में दे रहे हैं। हैल्थ के मामले में यह सरीकार 5000 की आबादी तक एक सब यूनिट, 20 से 30 हजार तक की आबादी के लिये एक सबसिडयरी हैल्थ सैटर या प्राइमरी हैल्थ सैंटर और 4 प्राइमरी हैल्थ सैंटर्ज के ऊपर एक कम्युनिटी सैंटर बनाने के लिए कृत संकल्प है। देहात में जहां एक–एक डाक्टर हैं, वहां पर एक लेडी डाक्टर और होगी ताकि देहातों में भी मैटर्निटी का कोई इन्तजाम हो सके जो कि इस वक्त तक न के बराबर है। ड्रिकिंग वाटर का जहां तक ताल्लुक है, लगभग सारे गांवों तक अगली पांच साला प्लान में पानी पहुंचा दिया जायेगा। हमारे यहां बहुत से ऐसे गांव हैं जहां पर पीने का पानी ठीक नहीं हैं। इन 500 गांवों में यह सुविधा अगले साल में मुहैया की जायेगी। सिवरेज की भी स्कीम बनायी गयी है। हर शहर में सीवरेज होना चाहिये। इसके अलावा, टूरिजम के मामले में एशियाड में हरियाणा ने कमंडेशन सर्टीफिकेट हासिल किया है। कंसलटैंसी सर्विस भी दूसरों को दी गयी है। लगभग 30 जगहों पर यह काम्पलैक्सिज बनाये गये हैं। कैथल व यमुनानगर में काम्पलैक्सिज इस साल पूरे होंगे। अम्बाला, नरवाला बहादुरगढ़ और कुरूक्षेत्र में सस्ते ढंग से ठहरने और खाने का इन्तजाम किया जायेगा। जहां तक हरिजन वैल्फेयर का ताल्लुक है इस मामले में भी बड़ा भारी काम हो गया है। सफाई मजदूरों के स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के लिये जिन जिलों में होस्टल्ज नहीं हैं, बनाये

जायेंगे। इसी तरह से उनके भले की दूसरी बातें भी होगा। कुछ होस्टल ऐसे होंगे जो वौलंटरी आर्गेनाइजेशन बनाना चाहेंगी। इसके अलावा, उनके बच्चों को वजीफे देने के लिये भी स्कीमें चालू हैं। साकेत में यानी चंडीमंदिर में जो विकलांगों के लिए एक अस्पताल है, इसी तरह का अस्पताल पंचकूला में भी एक 30 लाख रूपये की लागत से सरकार खोलने जा रही है। इसी तरह से माइनारिटीज के लिए आरक्षण वगैरा भी कायम रखा गया है। इसके अलावा, 37–38 किस्म की स्कीमें स्पोर्टस की डिवैल्पमैंट के लिये बनायी गयी हैं। स्पोर्टस स्टेडिया हर जगह बना दिये जायेगें। इससे स्पोर्टस में इम्प्रूवमैंट होगी। खिलाड़ियों के लिए वजीफे भी दिये जायेगें। स्कूलों और कालेजों में एक विंग इसके लिये अगल से कायम किया गया है। कोचिज की तादाद भी बढायी गयी है। पहलवानी चूंकि हरियाणा में इसका एक विशेश शौक है, इसलिये इसकी तरफ भी विशेश ध्यान दिया गया है। हाउसिंग का जहां तक ताल्लुक है, उसके लिये भी एक स्कीम बनायी गयी है। मुलाजिमों और विशेशकर कमजोर वर्गो के लिये यह स्कीम बनायी गयी है। कमजोर वर्ग की सहायता के लिये जहां 8000 रूपये का मकान है, वहां उनको 4000 रूपये की सबसिडी दी जायेगी। इसी तरह से सभी वर्गो के लोगों के लिए काम किया जा रहा है। हमारे जो एक्स मिलट्री–मैन या सैनिक परिवार हैं, उनकी भलाई के लिए एक्ट में संशोधन किया गया है ताकि वे अपनी जमीन इविक्ट करवा सकें। झज्जर में भी एक सैनिक स्कूल खोलने और एक सैनिक परिवार भवन बनाने जा रहे हैं। सरकार ने जो फौजी 65

साल से ऊपर हैं, उनको खासतौर पर सौ रूपया महावार स्पैशल पैंशन देने का फैसला किया है। इस प्रकार हरियाणा सरकार हर तरफ चहुमुखी तरक्की के लिए कार्य कर रही है। स्पीकर साहब, मैं गवर्नर साहब का उनके अभिभाशण पर धन्यवाद करता हूं।

16.00 बजे

श्री ओम प्रकाश महाजन (हिसार): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी चौ. ईश्वर सिंह ने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है, मैं उसका अनुमोदन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। पिछले कुछ वर्शो में अपने इस नन्हें प्रदेश ने, जो बेमिसाल तरक्की नया कीर्तिमान स्थापित किया है उसका उल्लेख आदणीय राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण के किया है और सच्चाई को उन्होंने छिपाया नहीं है। कृशि के क्षेत्र में, औद्योगिक क्षेत्र में, किसाने को राहत पहुंचाने के क्षेत्र में, परिवजन की सुविधाएं उपलब्ध कराने के क्षेत्र में, गरीब और पिछड़े वर्ग के लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के क्षेत्र में और बेरोजगारों को रोजगार मुहैया करने के क्षेत्र में सरकार ने जो योजनाएं बनाई, उसके लिए सरकार मुबारिकबाद की मुस्तहिक है। जनता ने भी सरकार की इन सारी योजनाओं में सरकार को सहयोग दिया है और इसीलिए हरियाणा की जनता भी मुखारिकबाद की मुस्तहिक है। स्पीकर साहब, हरियाणा की जो भूमि है उसका चप्पा चप्पा हमारे भारत की संस्कृति के साथ जुड़ा हुआ है। स्पीकर साहब जिस अर्जुन के गांडीव की टंकार से बड़े

बड़े वीर योद्धाओं के हदय दहल जाते थे, वह अर्जुन जब खुद मोहग्रस्त हो गया तो कुरूक्षेत्र की पावन धरती पर, जोकि हमारे प्रदेश हरियाणा का ही अंग है, योगी राज भगवान श्री कृश्ण ने संसार के प्राणाी मात्र के हित के के लिए कर्म योग का दिव्य उपदेश दिया। यह वही पवित्र भूमि है जहां कर्ण जैसे दानी हुए हैं। उसी हरियाणा की गरिमा को हमारी इस सरकार ने कायम रखा। उसी गरिया को कायम रखते हुए हमारी सरकार ने इस प्रदेश में बड़े–बड़े उद्योग स्थापित किए। स्पीकर साहब, जब हरियाणा बना तो 1966 में हमारी स्टेट में केवल 4519 स्माल स्केल यूनिटस थे, लेकिन आज पचास हजार पांच सौा स्माल स्केल यूनिटस हरियाणा में काम कर रहे हैं। स्पीकर साहब, मैं आश्चर्यचकित करने वाले आंकड़े सदन के सामने रखना चाहता हूं। आज भारत के अन्दर जितने ट्रैक्टर बन रहे हैं, उन तीन ट्रैक्टर्ज के पीछे दो ट्रैक्टर हरियाणा में बन रहे हैं। पांच साईकल के पीछे एक साईकल हरियाणा में बन रही है (शोर एवं व्यवधान)। स्पीकर साहब, गुडगांव, हिसार, रोहतक, सोपीनत, पानीपत, अम्बाला और यमुनानगर में इसत तरह की इंडट्रीज चल रही हैं जिन पर हरियाणा को फक्र है। मिसाल के तौर पर मिलिट्री के लिए जिन बक्सों में बारूद की सप्लाई होती है, उन बक्सों में से साठ प्रतिशत बक्से यमुनानगर में बनते हैं। स्पीकर साहब, मिलिट्री को जो कम्बल सप्लाई होते हैं, उनका 75 प्रतिशत पानीपत में बनता है। यह वही पानीपत है जहां पर भारत के राजा महाराजाओं ने विदेशीयों से दो तीन बार बड़ी भारी लड़ाई लड़ी हैं। (शोर एवं

व्यवधान) स्पीकर साहब, आज के कुछ वर्श पहले केवल साढ़े चार करोड़ रूपए का हरियाणा से निर्यात होता था लेकिन आज हम फक्र के साथ कह सकते हैं कि आज हमारा निर्यात 152 करोड़ रूपए का है। हरियाणा से 152 करोड़ रूपए का माल विदेशों को सप्लाई होता है। यह अपने आपमें एक नया कीर्तिमान है। आज फरीदाबाद ने कितनी तरक्की की है। सारे देश के अन्दर इसका नाम मशहूर है। यह वही फरीदाबाद है जहां आज से पांच हजार साल पहले भगवान सूरदास ने कहा था –

बांह छुड़ाये जात हो निर्बल जान के मोहे

हदय से जब जाओगे तब मानूंगा तोहे।

जहां पर भगवान सूरदास जैसे महापुरूश हुए हों, उस हरियाणा के लिए हमारा सिर फक्र से ऊंचा उठ जाता है। हमारे राज्य की अर्थ व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। हमारे राज्य की कृशि व्यवस्था में बड़ी तेजी से सुधार और विकास हुआ है। इस सरकार ने किसान को कीटनाशक दवाइयां सप्लाई करके खाद और कर्जे की सुविधाएं पहुंचाकर किसान की फसल को बहुत बढ़ा दिया है। जब हरियाणा बना उस वक्त पच्चीस लाख टन अनाज हमारे प्रदेशा में पैदा होता था लेकिन आज हरियाणा के अन्दर सत्तर लाख टन अनाज पैदा होता है। हमारे प्रदेश में छः गुणा उत्पादन बढ़ा है। हमारे यहां चावल का उत्पादन बढ़ा है, आलू का उत्पादन बढ़ा है। गेहूं का चार गुणा उत्पादन बढ़ा है और कपास का अढ़ाई गुणा

उत्पादन बढ़ा है। यह बढ़ौतरी अपने आपसें एक कीर्तिमान है। स्पीकर साहब, यह उत्पादन केवल इसलिए बढ़ा है कि हमारी सरकार ने सिंचाई की अच्छी सुविधाएं प्रदान की हैं। यह भी अपने आपमें एक बहुत बड़ी बात है। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि हरियाणा भारत का पहला प्रदेश है जहां रेतीले मैदान और ऊंचे–ऊंचे टीले हैं लेकिन हमारी सरकार ने लिफ्ट स्कीम द्वारा उन टीलों पर पानी पहुंचाया। स्पीकर साहब, हरियाणा के अन्दर दो लाख हैक्टेयर ऐसी भूमि थी जिसको काश्त के काबिलबनाया गया है। पहले वहां पर कुछ भी पैदा नहीं होता था लेकिन आज इस सरकार के प्रयत्नों के फलस्वरूप वहां पर खेती लहलहा रही है। अब इस भूमि को अढ़ाई लाख हैक्टेयर से तीन लाख या साढ़े तीन लाख हैक्टेयर बनाया जा रहा है।

स्पीकर साहब, हमारे यहां बाढ़ का भी काफी प्रकोप रहता था। इस प्रकोप को रोकने के लिए हमारी सरकार ने कुछ ऐसी व्यवस्था की है जिससे वह पानी किसी को नुक्सान न पहुंचाए और वह पानी कृशि के काम आ सके। स्पीकर साहब, 1984 में दुर्भाग्य से ओलावृश्टि हो गई और पानी समय पर नहीं बरसा। इससे किसान को काफी नुक्सान हुआ लेकिन उसी समय किसान को एक और मार पड़ी कि पंजाब में उग्रवादियों ने दो बार भाखड़ा नहर को तोड़ दिया। स्पीकर साहब, आप किसान के दुःख को समझ सकते हैं कि जब उसी कपास की बुवाई का समय हो और उसको पानी न मिले तो किसान का कितना नुक्सान होता है।

हमारी सरकार ने किसान की मदद के लिए कई कदम उठाए और किसान के लिए पानी का प्रबन्ध किया। मैं तो अपने मुख्यमंत्री को इस बात के लिए दाद दूंगा कि उन्होंने अपनी सुरक्षा की भी परवाह नहीं की। उस वक्त मुख्यमंत्री जी के लिए यह जरूरी था कि वे पंजाब में किसी भी हालत में न जाएं, लेकिन उन्होंने किसी की बात नहीं मानी और हरियाणा के हित की रक्षा के लिए निधड़क होकर वहां गए। यह भी हम सबके लिए और हरियाणा के लिए फक्र की बात है। ये वहां इसलिए गए क्योंकि मुख्यमंत्री जी के दिल में हरियाणा के लिए प्यार था और यह प्यार की ही बात है कि वह अपनी सुरक्षा की परवाह न करके भेश बदलकर वहां गए।

अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में भी मैं थोड़ा सा बताना चाहता हूं। आज किसी भी ग्रामीण भाई–बहन को अस्पताल के लिए पांच छः किलोमीटर की दूरी पर जाने की आवश्यकता नहीं है। लोगों के घरों के पास ही उनके लिये चिकित्सा तथा सेहन–सम्भाल सुविधाआं का प्रबन्ध किया गया है। आज हरियाणा के अन्दर 86 अस्पताल और 93 प्राईमरी हैल्थ सैन्टर्ज हैं। 243 औशधालय हैं, 51 हैल्थ सैन्टर्ज और 1429 उप–केन्द्र हैं। इसके अलावा, 382 आयुर्वेदिक औशधालय हैं। रोहतक में हमारा एक मैडीकल कालेज विराज है। इसके साथ–साथ मैं आपको यह भी बताना चाहता हूं कि कुरूक्षेत्र के अन्दर एक आयुर्वेदिक कालेज भी चल रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में

हरियाणा प्रदेश सारे हिन्दुस्तान में प्रथम है। आज प्राथमिक शिक्षा हरियाणा सरकार ने अनिवार्य भी की हुई है और मुफ्त भी की है। एक किलोमीटर के घेरे में आपको एक प्राईमरी स्कूल अवश्य ही मिलेगा। आज हरियाणा के अन्दर कोई बहू–बेटी अशिक्षित नहीं रहेगी। इसके लिये हमारी सरकार ने विशेश प्रोग्रामज चलाये हैं विशेशकर हरिजन बहनों के लिये इस प्रकार आज हरियाणा के अन्दर 7000 हरिजन बहनों को वजीफे दिये जा रहे हैं और चौथी व आठवीं कक्षा तक यूनिफामर्ज भी मुफ्त दी जा रही हैं। इसी तरह से प्रदेश के अन्दर 10+2 सिस्टम लागू किया गया है। 24 स्थानों में यह सिस्टम लागू हो चुका है। इस वर्श से 48 और स्थानों पर यह सिस्टम लागू करने का सरकार का विचार है ताकि तालीम के साथ रोजगार का अवसर भी लोगों को मिल सके।

इसके साथ–साथ 5 स्कूलों में 9वीं और 10वीं तक के बच्चों के लिये इलैक्ट्रानिकस की तालीम देने का काम भी चल रहा है। इस वर्श इस काम को और तेजी से चलाने के लिये 50 और बड़े स्कूलों को चुना जा रहा है ताकि बच्चे इस शिक्षा को लेकर रोजगार की सुविधाएं प्राप्त कर सकें।

इसी प्रकार से मैं यह बताना चाहता हूं कि इस समय प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र 4327 हैं, इनमें से 3994 केवल गांवों के अन्दर ही हैं। अब मैं खेलों के बारे में जिक्र करना चाहता हूं। अभी हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने, विश्व कप विजेता टीम को बधाई दी है। इस टीम में तीन खिलाड़ी हमारे हरियाणा के वासी है। नौवीं

एशियाड में, श्री चांदराम और बहादुर सिंह ने दो स्वर्ण पदक हासिल किये जिससे हमारे हरियाणा का सिर ऊंचा हुआ। इसी प्रकार से गीता ज्युतशी ने भी दो रजत पदक प्राप्त कियें। इसी तरह निर्मल सिंह और सुरेश यादव ने भी इस मुलक के लिये पदक हासिल किये। इस प्रकार खेल के क्षेत्र में हमारे हरियाणा प्रदेश के इन खिलाड़ियों का बड़ा योगदान रहा है।

सरकार चाहती है कि समाज के अन्दर सब लोगों को सामाजिक न्याय मिले। इस बात को मदेनहर रखते हुए सरकार ने इस तरफ विशेश ध्यान दिया है। आज हमारे प्रदेश के अन्दर 42778 विकलांग, नेत्रहीन व गूंगे–बहरे अपंग लोग हैं, जिनकी तरफ सरकार ने काफी ध्यान दिया है। इन सबाको समाज के साथ जोड़ा जा सके, इसके लिये पानीपत, सोनीपत और हिसार में प्रशिक्षण केन्द्र खोले हुए हैं ताकि इन केन्द्रों में इनके लिये रोजगार के साधन मुहैया करवाये जा सकें। इन प्रशिक्षण केन्द्रों में ये अपंग लोग रोजगार हासिल करते हैं ताकि वे अपनी जिन्दगी अच्छी तरह से बसर कर सकें।

श्री अध्यक्ष: अब आप वाइंड अप कीजिए, आपका समय हो गया है।

श्री ओम प्रकाश महाजन: स्पीकर साहब, मैंने बहुत कुछ बोलना था लेकिन आपकी तरफ से वांइड–अप करने के लिये कहा जा रहा है। मैं जल्दी ही खत्म करूंगा। स्पीकर साहब, जिस वक्त

हरियाणा बना था, उस वक्त हरियाणा में 6731 गांवों में से 1368 गांवों के अन्दर केवल 51 सौ किलोमीटर लम्बी सड़कें थीं लेकिन आज हम फक्र के साथ यह कह सकते हैं कि आज हरियाणा के अन्दर शायद की कोई ऐसा गांव होगा, जिसको पक्की सड़क से न जोड़ा गया हो। इस वक्त 1975 किलोमीटर सड़कें हरियाणा के अन्दर हैं और 2861 बसें इन सड़कों पर रोजाना चलती हैं जिनमें 11 लाख 13 हजार यात्री रोजाना सफर करने हैं। बस मैं एक दो बातें लास्ट में कहकर अपना भाशण समाप्त करूंगा। विक्रमी संवत 1384–85 में मुहम्मद बिन तुगलक का राज था। उस वक्त दिल्ली के नजदीक एक गांव सारवान था। वहां से कुछ शिलालेख निकले थे एक शिलालेख पर तीसरा श्लोक यह लिखा हुआ था –

देशीस्ती हरियाणा खमः

पृथवीयों स्वर्ग शमतमः।

यानी यह जो हरियाणा प्रदेश है, उस समय इसका नाम हरियाणा ही था और उसकी स्वर्ग से तुलना की गयी थी। इसलिये मैं ज्यादा ने कहता हुआ इस प्रस्ताव का पूरी तरह से, दिल से समर्थन करता हूं और आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेना हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पेश हुआ –

कि गवर्नर साहब को एक एड्रैस फालोइंग वर्डज में प्रेजैन्ट किया जाएः–

कि इस सैशन में असैम्बल हुए हरियाणा विधान सभा के मेम्बर्ज उस एड्रैस के लिये गवर्नर साहब के डीपली ग्रेटफुल हैं, जो उन्होंने 6 मार्च, 1985 को हाउस में डिलिवर करने की कृपा की है।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौद): स्पीकर साहब, गवर्नर महोदय ने 6 तारीख को इस सदन में लगभग 25–26 पेज का एक ऐड्रैस पढ़ा और सरकार की ओर से जो–जो बातें उस ऐड्रैस में रखी गयीं, वे उन्होंने वरबेटम पढ़ कर सुना दीं। इस सदन के आनरेबल मेम्बर चौ. ईश्वर सिंह जी की ओर से थैंक्स का मोशन मूव हुआ और उन्होंने अपना भाशण शुरू करते ही हमारे प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी के बारे में कहना शुरू कर दिया कि वे एक नौजवान हैं, डाईनामिक हैं, वे स्वच्छ प्रशासन देंगे। वे बहुत खूबसूरत भी हैं, पायलट भी रहे हैं और उसी गति से ही वे देश को चलाएंगे जिस पगति से वे हवाई जहाज चलाते थे। हम भी यह कह रहे थे और सोच रहे थे कि जब बहुत बड़े बहुमत ने, देश की जनता ने श्री राजीव गांधी को अपना नेता चुना है तो वे कुछ न कुछ कर के ही दिखलायेंगे। श्री राजीव गांधी जी का भाशण, जो उन्होंने प्रधानमंत्री बनने के बाद रेडियो पर दिया था, हमने सुना और उन्होंने अपने भाशण में कहा कि वे देश को स्वच्छ प्रशासन देंगे। हमने भी समझा कि नौजवान आदमी हैं और बड़े भारी बहुमत से इस देश की जनता ने उन्हें चुना है, हो सकता है वे इस देश की स्वच्छ प्रशासन दें, परन्तु प्रधानमंत्री के

आश्वासनों के ढोल का पोल एक महीने के अन्दर ही खुल गया। स्पीकर साहब, अभी–अभी विधान सभाओं के चुनाव होकर हटे हैं, और इस प्रदेश के पड़ौसी राज्य के मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश की असैम्बली को भंग करवा के दूसरी स्टेटों के साथ चुनाव करवाये। असैम्बली भंग होने से पहले तो जरूर प्रधानमंत्री के साथ इस बात के लिये सलाह मशविरा हुआ होगा। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) जब हरियाणा के बारे में इस तरह का कोई निर्णय नहीं किया गया और चौ. भजन लाल मुख्यमंत्री ठहरे तो हमें फिर श्री राजीव की नीयत पर शक हुआ कि ये तो यूं ही इस चुनपाव के लिए स्वच्छ प्रशासन का राग अलाप रहे हैं। यह बिल्कुल झूठे वायदे इस देश की जनता के साथ किये जा रहे हैं। सारे वायदे थोथे हैं। केवल भ्रश्टाचार के हिसाब से हमारा प्रदेश सबसे आगे है। शायद ही इस प्रदेश जैसा भ्रश्टाचाार किसी और प्रदेश में देखने को मिले। पिछले 15–20 दिन में भ्रश्टाचार के रेटस में भी कुछ वृद्धि हो गई है। यह वद्धि 15 प्रतिशत से लेकर 20 प्रतिशत तक है। हर जगह भ्रश्टाचार व्यापत है और न कोई पूछने वाला है तथा न ही कोई सुनने वाला है। पिछले दो अढ़ाई महीनों से इस प्रदेश की वह हालत हो गई है जिसाक अगर मैं ब्यान करूं तो हर आदमी के रोंगटे खड़े हो जाएंगे। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, सबसे दर्दनाक कांड रोहतक में आयुर्वेदिक कालेज के स्टूडैंटस के साथ हुआ। उनकी कुछ छोटी मोटी मांगे थीं। बच्चों ने ऐजीटेशन किया लेकिन हमारे एक एम.एम.पी. ने सुरेन्द्र सिंह दलाल नाम के एक लड़के को मार गिराया, उसका कत्ल कर

दिया। (विपक्ष की ओर से शेम शेम की आवाजें) यह बात सारे हरियाणा के लोगों के सामने है। विपक्ष की ओर से बार–बार मांग हुई, हमारे कुछ एम.एल.ए. साहेबान ने गिरफतारी दी, सर्व खाप इकट्ठी की और सरकार को कहा कि आप और कुछ न करें, इस मामले में सिर्फ जुडिशियल इन्कवायरी करवा दें, उससे दूध का दूध और पानी का पानी छन जाएगा लेकिन चौ. भजन लाल इन्कवायरी करवाने के लिए तैयार नहीं हुए। एक ए.एस.पी. रैंक के आदमी को इतनी खुली छुट हो कि वह किसी का भी कत्ल कर दें, यह कितनी हैरानी की बात है। वह किसी बदकिस्मत मां बाप के इकलौते बेटे की हत्या कर दे लेकिन चौ. भजन लाल के कानों तक जूं भी नहीं रेंगी। यही नहीं शूगर केन के प्राइस को लेकर फारमर्ज ने एजीटेशन की। हमारी बिपक्ष की नेता बहिन चन्द्रावती भी वहां गई और इस सदन के आनरेबल मैम्बर चौ. किताब सिंह मलिक के फास्ट अन टू डैथ रखा। उनके साथ किस तरीके से यह सरकार पेश आई। डिप्टी स्पीकर साहब, हिन्दु संस्कृति में हम औरत को बहुत इज्जत देते हैं और इस बारे में ग्रंथ के ग्रंथ लिखे पड़े हैं, परन्तु किस प्रकार से हमारी विपक्ष की नेता पर पानी के फव्वारे छोड़ दिये गए, किस प्रकार से चौ. किताब सिंह मलिक के साथ व्यवहार किया गया और किस प्रकार से फारमर्ज पर लाठी चार्ज किया गया, उसकी एक अलग ही कहानी है। आज किसान पिसता जा रहा है। इस प्रदेश में आज न बिजली है और न पानी है। जो पानी हमें भाखड़ा से मिलतार है, उसमें भी महीने के अन्दर अन्दर दो दो ब्रीचिज होते हैं। किसान की फसल बिल्कुल

खत्म हो गई। किसान ने जब जीरी की फसल काश्त की थी उस वक्त भी भाखड़ा में ब्रीच हुआ था। अगर कोई किसान टयूबवैल से खेती करना चाहता है तो उसके लिए बिजली नहीं। दूसरी तरफ मुल्क के दूसरे हिस्सो में जो शूगर केन की प्राइस थी, वह हमारे वहां उससे कम दें तो फिर अगर वे लोग अपनी मांगें रखें तो मुख्य मंत्री जी उन पर लाठी चलवाते हैं। इससे दर्दनाक सिचुएशन इस प्रदेश में और क्या हो सकती है? मैं मुख्यमंत्री जी से इतना ही कहना चाहता हूं कि भजन लाल जी, पावर का नशा नहीं होना चाहिए। आप भी हरियाणा प्रदेश में ही पैदा हुए हैं और इन्हीं लोगों के परिवारां में आप का जन्म हुआ हे। आज जो बच्चे आपके हाथों लाठियां और गोलियां खा रहे हैं, इसका हश्र बहुत बुरा हो सकता है। मैं समझता हूं कि आप तो गुरू जमनेश्वर और भगवान में यकीन रखते हैं। इसलिए आप इन्सान से बेशक डरना छोड़ दो, लेकिन भगवान से तो डरो। ऐसे निर्मम कांड जो आपके माथे दिन प्रतिदिन लिखे जा रहे हैं, इनका हश्र बहुत बुरा हो सकता है। डिप्टी स्पीकर साहब, फरीदाबाद के कांड का ले लें, मजदूरों पर किस प्रकार से गोलियां चलाई गई। आज बिजली के लिए किसान तड़प रहे हैं। बिजली के बारे में आज एक सवाल भी आया था ओर इस एड्रैस में भी इसका जिक्र है कि कब थर्मल प्लांटस पूरे होंगे। यानी कब फर्स्ट स्टेज पूरी होगी और कब दूसरी स्टेज पूरी होगी। खुद सिंचाई तथा बिजली मंत्री मानते हैं कि गोबिन्द सागर में पानी कम होने की वजह से बिजली भी कम है और पानी भी कम है। ये किस प्रकार से सदन के माननीय सदस्यों और

हरियाणा की जनता को गुमराह करते हैं। मैं गर्वनर एड्रैस की पिछले साल की भी कापी लेकर आया हूं जोकि तपासे साहब ने पढ़ा था। उसमें उन्होंने उसमें उन्होंने फरमाया था कि पानीपत थर्मल प्लांट की फर्स्ट और सैंकिंड स्टेज की यूनिटस 110–110 मैगावाट बिजली पैदा करेंगी। उसमें लिखा था फर्स्ट स्टेज की मार्च, 1985 तक पूरा कर दिया जायेगा और सैंकिड को सितम्बर, 1985 तक पूरा कर दिया जाएगा लेकिन इस अभिभाशण में एक साल और आगे बढ़ा दिया है। जो मार्च, 1985 तक पूरा होना था, उसकी तरीख दे रहे हैं 1986 और आज जो बिजली मंत्री ने फरमाया वे 1987 तक पहुंच गए। इस प्रदेश में बिजली का बहुत भारी संकट है। ये कोई नया प्रोजैक्ट हाथ में नहीं ले रहे हैं बल्कि पुरानों को ही दोहराते रहते हैं। इस बार इन्होंने 1985 की बजाये 1986 का दिया और अगला एड्रैस अगर इन्होंने पढ़ा तो 1987 हो जायेगा। अगर 1987 में भी एड्रैस इन द्वारा पढ़ा जाएगा तो इसका 1988 कर देंगे। इस प्रकार से ये लोगों को गुमराह करते रहते हैं। चौ. शमशेर सिंह जी बहुत काबिल वजीरों में से हैं और मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूं लेकिन कुछ इंजीनियर्ज को सस्पैंड कर देने से या कुछ तबादले कर देने से बिजली बोर्ड की हालत नहीं सुधरेगी। बिजली की तो बड़े बड़े परिवारों द्वारा चोरी की जा रही है और इसका कोई रिकार्ड ही नहीं रखा जा रहा है। मेरे पास स्टेटसमैंट अखबार की दो कटिंग्ज हैं जिनमें बड़ी हैरत अंगेज न्यूज आई है। यह मैं खासतौर पर सुरजेवाला साहब के नोटिस में लाना चाहता हूं। यह 23.2.85 का अखबार है। इसमें

हैड लाइन दी है। 'पावर औनली फार पावरफुल'। कोई रविन्द्र कुमार नाम का हिसार से कोर्सपौर्डट है, उन्होंने खबर दी है, जिसे मैं सदन का टाइम लेकर पढ़ कर सुनाना चाहता हूं।

चौ. शमशेर सिंह सुरजेवाला: डिप्टी स्पीकर साहब, ये अखबार को रैफर कर सकते हैं लेकिन पढ़ नहीं सकते।

श्री वीरेन्द्र सिंह: मैं सारी न्यूज नहीं पढूंगा बल्कि कहीं–कहीं से कोट करूंगा।

श्री उपाध्यक्ष: रूल्ज में जितना अलाउड है, उतना आपने पढ़ दिया।

श्री वीरेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मैं इसको कोट कर रहा हूं "Having the right political directions the best guarantee for the success....."

श्री उपाध्यक्ष: चौ. साहब, आप रूल पढ़ लें। You cannot read the newspaper or any other paper.

श्री वीरेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मैं तो कोट करना चाहता था।

Mr. Deputy Speaker: You have quoted it. Do not read it now.

श्री वीरेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, इस न्यूज में यह लिखा है कि श्री अनूप सिह बिशनोई, जोकि हमारे मुख्यमंत्री जी

के दामाद हैं, उन्होंने 1981 में ऐसी किसी मैंनेजमैंट का डिप्लोमा या डिग्री ले ली और अपना कार्य भानू इंडस्ट्री के नाम से आरम्भ किया। उन्होंने भानू इंडस्ट्री के नाम से हिसार के अन्दर एक इंडस्ट्री सैटअप की। बिल्कुल उस इंडस्ट्री के सामने हरियाणा कनकास्ट के नाम से पब्लिक सैक्टर की एक बहुत बड़ी इंडस्ट्री है और वह इंडस्ट्री कई सालों में लगी हुई हैं। उस इंडस्ट्री को हफ्ते में 24 घंटे बिजली मिलती है लेकिन भानू इंडस्ट्री को लगातार 24 घंटे डेली बिजली सप्लाई होती है। भानू इंडस्ट्री के लिए पांच लाइने दी हुई हैं। यानी इसके लिए पांच फीडर हैं, कभी भी बिजली नहीं रूकती, 24 घंटे लगातार बिजली सप्लाई होती है।

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): डिप्टी स्पीकर साहब, माननीय सदस्य बेबुनियाद इल्जाम लगा रहे हैं। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष: चौधरी साहब, जो आदमी अपने आपको डिफैंड न कर सके, उसके बारे में आपको यहां कुछ भी नहीं कहना चाहिए। (शोर)

चौ. भजन लाल: उपाध्यक्ष महोदय, इस बात का मैं जवाब दूंगा। इस बात का मैं जिम्मेदार हूं। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की यह बात बिल्कुल ठीक है कि श्री अनूप सिंह बिश्नोई मेरा दामाद है। मैं इनके लीडर चौ. देवी लाल की तरह नहीं हूं, जिन्होंने अपने बेटे के बारे में यह कह दिया कि मेरा बेटा नहीं है। मैं ऐसा इन्सान नहीं हूं, जो ऐसी बात कहूं। श्री अनूप

सिंह बिश्नोई मेरा दामाद हे। श्री अनूप सिंह बिश्नोई ने अगर कहीं पर भी एक भी पैसे का गलत काम किया होगा तो मैं अस्तीफा दे दूंगा। आप मेरा अस्तीफा मांग लेना। कई आदमी ऐसे हैं जो अपने बेटे की जिम्मेदारी नहीं लेते लेकिन मैं अपने दामाद की जिम्मेदारी लेता हूं। चौ. वीरेन्द्र सिंह जी, मेरा दामाद उस वक्त ऐसी फैमिली में पैदा हुआ है, जिस वक्त मेरे और आपके पास एक साइकिल तक नहीं होती थी, उस वक्त उस परिवार के पास 6 हवाई जहाज होते थे, और जिस वक्त मैरे और आपके पिता जी के पांवों में जुते नहीं होते थे, उस वक्त उनके पांवों में बूट होते थे। श्री अनूप सिंह बिश्नोई ने ऐसी फैमिली में जन्म लिया है जिसकी लोग मिसाल देते हैं। जैसे लोग बिरला की मिसाल देते हैं, उसी तरह से उसकी मिसाल देते हैं। (शोर)

श्री वीरेन्द्र सिंह: उस फैक्टरी को पांच लाईनें दी हुइ हैं और 24 घंटे बिजली सप्लाई की जा रही है। (शोर)

चौ. भजन लाल: डिप्टी स्पीकर साहब, एक फीडर से उस इंडस्ट्री को बिजली सप्लाई हो रही है। उसके लिए पानीपत थर्मल प्लांट से या नंगल से तो कोई लाइन मिली हुई नहीं है। बीच में और फैक्टरी भी आती होंगी, टयूबवैल्ज भी आते होंगे। आकाश से तो उस फैक्टरी के लिए कोई लाइन पहुंची नहीं है।

Sh. Verender Singh: He has got special facilities because you happen to be the Chief Minister of the State and the leader of this House.

श्रीमती चन्द्रावती: राज करते हो, आप में सुनने की हिम्मत होनी चाहिए। * * * * सुनने की हिम्मत भी होनी चाहिए। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष: जिस शब्द को इन्होंने इस्तेमाल किया है वह एक्सपंज कर दिया जाए।

श्री वीरेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, भानू इंडस्ट्री को पांच फीडर्ज से बिजली सप्लाई हो रही है। मैं बिजली मंत्री चौ. शमशेर सिंह सुरजेवाला जी से बड़े अफसोस के साथ यह कहना चाहूंगा कि कागजों में केवल तीन फीडर ही दिखाई गए हैं दो फीडर्ज तो कागजों में दिखाए ही नहीं गए हैं। इस तरह से लाखों और हजारों यूनिटस बिजली चोरी हो रही है। इस बात की यह जांच पड़ताल करवा सकते हैं, इनके पास इंजीनियर्ज हैं। इनको पता लग सकता है कि हर रोज कितनी बिजली चोरी हो रही है। दूसरी तरफ उसी भानू इंडस्ट्री के बिल्कुल सामने हरियाणा कनकास्ट फैक्टरी को बिजली नहीं मिल रही, वह बिजली के बिना तरस रही है और बड़े जबरदस्त लौस में है। हरियाणा कनकास्ट हिसार और भानू इंडस्ट्री दोनों एक जैसा ही काम करती हैं। भानू इंडस्ट्री के प्रोपराइटर ने यह बताया कि अब उस इंडस्ट्री का टर्नओवर 15 करोड़ रूपए का है और दो साल के बाद 100 करोड़ रूपए हो जाएगा। डिप्टी स्पीकर साहब, दो साल के बाद 100 करोड़ को टर्नओवर इसलिए होगा क्योंकि उसको लगातार 24 घंटे और मुफ्त बिजली सप्लाई हो रही है। इसके अलावा, डिप्टी स्पीकर

साहब, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि चौ. भजन लाल जी के दामाद माडल टाउन हिसार में रह रहे हैं। उनके घर पर भी तीन फीडर्ज की लाईन बिछाई गई है और उसके घर पर भी 24 घंटे बिजली रहती है। लेकिन उनके पड़ोस में, जिनके बच्चे पढ़ने की एज में हैं और जिनके एग्जाम चल रहे हैं, उनके घर में बिजली नहीं होती। वे बेचारे लैम्प या लालटेन और मोमबत्ती की रोशनी में पढ़ते हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, इनके दामाद को या इनको पढ़ने वाले बच्चों के बारे में क्या पता। चौ. भजन लाल जी के दामाद की शादी 3 या 4 साल पहले हुई थी, या तो हमारी बेटी के अभी बच्चा पैदा हुआ नहीं होगा, अगर पैदा हुआ भी होगा तो बहुत छोटा होगा। जिन मां बाप के बच्चे बड़े हैं और पढ़ रहे हैं, वे बिजली के लिए तरसते हैं उनको रात को बिजली नहीं मिलती है लेकिन दूसरी तरफ इनके दामाद के घर में 24 घंटे बिजली रहती है। (शोर)

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौ. शमशेर सिंह): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफर आर्डर है। चौ. वीरेन्द्र सिंह जी खुद सिंचाई तथा बिजली मंत्री रहे हैं और काफी समय तक रहे हैं तथा काफी समझदार भी हैं। उपाध्यक्ष महोदय, 16 जनवरी, 1985 से ऐसे ऐगुलेटरी मैयर्ज लिए हैं जिनमें किसी जगह पर 24 घंटे बिजली सप्लाई होने का सवाल ही पैदा नहीं होता। (शोर एवं विघ्न) अब इनको तकलीफ हो रही है क्योंकि इनकी गलत बात का पर्दाफाश हो रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, ये आज सुबह से गलत

बात कह रहे हैं। इनको किसी भी बात के बारे में सही जानकारी नहीं है। डिप्टी स्पीकर साहब, 16 जनवरी, 1985 से हम तीन जोन बनाकर बिजली सप्लाई कर रहे हैं और 6 घंटे से ज्यादा बिजली किसी को भी नहीं दी जा रही है। किसी जगह पर भी बिजली की चोरी नहीं हो रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, 224 के.वी. के जो सब–स्टेशन हैं, उनका स्विच आफ कर दिया जाता है और दूसरे जोन में बिजली सप्लाई की जाती है। इसलिए जिस सब–स्टेशन का स्विच आफ कर दिया जाता है उससे आगे बिजली सप्लाई होने का सवाल ही पैदा नहीं होता। यह बात हमारी समझ में नहीं आती कि स्विच आफ करने के बाद बिजली कैसे सप्लाई हो जाएगी? हरियाणा के किसी भी टाउन में और किसी भी इलाके में 24 घंटे बिजली की सप्लाई नहीं है। माननीय सदस्य ने पता नहीं यह बात कैसे कह दी कि माडल टाउन हिसार में मुख्य मंत्री जी के दामाद के घर में और उनकी इंडस्ट्री को लगातार 24 घंटे बिजली सप्लाई हो रही है? इनकी बात बिल्कुल बेबुनियाद और गलत बात है। इससे ज्यादा गलत बात और हो नहीं सकती। इसके अलावा, इन्होंने एक अखबार का जिक्र भी किया। इन्होंने स्टेटमैंन अखबार के बारे में कहा कि उसमें यह छपा है। मैं अपने माननीय सदस्य की बताना चाहूंगा कि जो कुछ स्टेटमैंन अखबार में छपा है, उसी अखबार ने यह भी छापा था कि जो बात माननीय सदस्य ने कही है वह बात गलत छप गई थी।

श्री वीरेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मैं अर्ज कर रहा था कि मुख्यमंत्री जी के दामाद के घर में बिजली सप्लाई करने के लिए तीन लाइनें पहुंचाई गई है और उन लाईनों को वी.आई.पी. लाईनें बोला जाता हैं। मैं भी किसी जमाने में सिंचाई तथा बिजली मंत्री रहा था, चौ. रिजक राम जी भी सिंचाई तथा बिजली मंत्री रहे थे, उनके बाद श्री मेहर सिंह राठी भी बने, उनके बाद हमारे माननीय अध्यक्ष सरदार तारा सिंह जी भी बने और आज के दिन चौ. शमशेर सिंह सुरजेवाला जी सिंचाई तथा बिजली मंत्री हैं। इकने घरों में कभी भी वी.आई.पी. लाईन से बिजली की सप्लाई नहीं हुई है। लेकिन मुख्यमंत्री जी के दामाद के घर में वी.आई.पी. लाईन से बिजली की सप्लाई हो रही है। (शोर)

चौ. शमशेर सिह सुरजेवाला: उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रान्त में ऐसा कोई भी बिजली का कनैक्शन वी.आई.पी. के नाम से नहीं है और न ही बिजली बोर्ड में कोई ऐसी बात है जहां पर वी.आई.पी. के नाम कोई कनैक्शन दिया गया हो।

श्री वीरेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, आप मेरे बारे में रिकार्ड चैक कर लें, कभी भी मैंने अपने घर में बिजली सप्लाई करवाने के लिए कोई वी.आई.पी. फीडर लगवाया हो, कभी भी नहीं लगवाया लेकिन श्री अनूप सिंह बिश्नोई के घर में 24 घंटे बिजली सप्लाई करने के लिए वी.आई.पी. लाइन पहुंचाई गई है और उनके घर में फराटे से बिजली पहुंच रही है और पंखे चलते हैं। (शोर)

श्री भलेराम: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि ये अपने भाशण में कह रहे थे कि सारे हरियाणा में बिजली कहीं नहीं मिलती। शायद इनको यह पता नहीं होगा कि जब बिजली बंद हो जाती होगी तो उस मालिक के घर में जनरेटर होते होंगे जिनके जरिये वह अपना काम चलाता होगा। (शोर एवं विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष: यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

श्री ओम प्रकाश महाजन: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा एक प्वायंट आफ आर्डर है। मैं हिसार के अन्दर रहता हूं और वहां से एम.एल.ए. भी हूं। (विघ्न) जिन इण्डस्ट्री का ये जिक्र कर रहे हैं, वह हिसार से चार किलोमीअर के फासले पर है। (शोर एवं विघ्न) जो भी ये बातें इस बारे में कह रहे हैं, वह सरासर गलत कह रहें। (शोर एवं विघ्न)

श्री वीरेन्द्र सिंह: मैं अर्ज कर रहा था कि आज के दिन हरियाणा का किसान बिजली के लिए तड़प रहा है और ये किस प्रकार से लूट मचा रहे हैं, ये किस प्रकार से बिजली की चोरी करवा रहे हैं, इसके बारे में हम क्या कहें? अब मुख्यमंत्री जी ने प्रधान मंत्री के नक्शे–कदम पर चलने की कोशिश की है। अब इन्होंने भी ब्यान देने शुरू कर दिये हैं कि हरियाणा में भी स्वच्छ प्रशासन दिया जायेगा। इनके एक ओ.एस.डी. थे। उनकी अब इन्होंने छुट्टी कर दी है क्योंकि उनकी बहुत बदनामी हो रही थी।

इस प्रकार से इन्होंने स्वच्छ प्रशासन देने के लिए इकतदामात उठाए हैं। स्टेटसमैन अखबार ने लिखा है कि केवल ओ.एस.डी. को छुट्टी पर भेजने से स्वच्छ प्रशासन नहीं आएगा। इस बारे में मैं केवल इतना ही कह सकता हूं कि इस देश में एक प्रथा रही है। जैसे पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है, श्रीमती इन्दिरा गांधी के जन्मदिन को एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है, डा. राधा कृश्ण के जन्म दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसलिए मैं चाहता हूं कि हरियाणा मैं भी चौ. भजन लाल के जन्म दिन के भ्रश्टाचार विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। इस दिवस को मनाने के लिए तारीख चौ. भजन लाल जी मुकरर्र कर दें, क्योंकि मैंने आज तक जितनी भी हू–इज–हू पढ़ी हैं, उन सबमें इनकी शिक्षा के बारे में और जन्म तिथि के बारे में अलग अलग पढ़ने को मिला है। अब कौन सी तारीख को भ्रश्टाचार विरोधी दिवस मनाया है, यह आप बता दें।

चौ. भजन लाल: डिप्टी स्पीकर साहब, मैं इसका क्या जवाब दूं। जवाब देते हुए मुझे लज्जा आती है। ये पुराने मैम्बर हैं। कम से कम इनका तो परमात्मा को ध्यान में रख कर ही कोई बात कहनी चाहिए। (विघ्न) आप डिफैक्टर की बात की कहते हैं। मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि छाज तो बोले पर छलनी भी बोलें? (शोर) चौ. देवी लाल ने, जिनको ये अपना पिता समझते हैं, 24 बार पार्टी बदली है। इनके जो लीडर चौ. चरण सिंह हैं, उन्होंने

भी 25 बार पार्टी बदली है। जिनको ये अपना दादा समझते हैं। (शोर एवं विघ्न)

चौ. बलबीर सिंह ग्रेवाल: डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने चौ. चरण सिंह के बारे में कहा कि इतनी बार चौ. चरण सिंह ने पार्टी बदली है। मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि चौ. चरणी सिंह ने जितनी बार पार्टी बदली है, उतनी बार नैशनल लैवल की पार्टी बनाई। आज भी हमारी पार्टी नैशनल लैवल की पार्टी है। आज हमारी पार्टी डी.एम.के.पी. है। इससे पहले हमारी पार्टी का नाम लोक दल था और लोक दल से पहले बी.के.डी. हमारी पार्टी का नाम था। हमारी सारी पार्टीज रिकोगनाईज्ड थीं। (शोर एवं विघ्न)

चौ. भजन लाल: मैं हाउस में हर बार कहता हूं कि जब भी हाउस द्वारा बैठेगा, तो आप लोग किसी और पार्टी में होंगे और ऐसा ही होता है। (शोर)

चौ. बलबीर सिंह ग्रेवाल: आप नैशनल लैवल की तो क्या, प्रदेश लैवल की ही पार्टी बनाकर और से रिकोगनाईज करा कर दिखा दो। (शोर एवं विघ्न)

चौ. भजन लाल: आप लोगों ने हर सैशन में पार्टी बदली है। इस बात का सैशन गवाह है, प्रैस वाले गवाह है और दूसरे लोग गवाह हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंह: आज गवर्नर महोदय के अभिभाशण पर बोलते हुए चौ. ईश्वर सिंह जी ने और श्री ओम प्रकाश महाजन

जी ने हरियाणा प्रान्त का बड़ा गुणगान गया। ओम प्रकाश जी ने तो एक श्लोक भी सुनाया। इन्होंने वह श्लोक गलत पढ़कर सुनाया है। इन्होंने बताया है कि यह श्लोक 1384 विक्रमी सम्वत् की एक शिला पर लिखा हुआ हे जिसमें हरियाणा का जिक्र किया गया है। डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने इस श्लोक को ठीक ढंग से लिखकर नहीं पढ़ा। ये आर.एस.एस. आर्गेनाईजेशन के काफी सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं। आर.एस.एस. के कार्यकर्ता होने के नाते इसमें थोडे बहुत ऐसे कुछ संस्कार हैं। इन्होंने यह कहा है कि हरियाणा वह भूमि है जिसका गुणगान सम्वतः 1384 विक्रमी में भी था। अफसोस हमें इस बात का है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री चौ. भजन लाल हैं। आज इनके हाथों में हरियाणा सेफ नहीं रहा है। आज से तीन महीने पहले से ये एक राग अलापने लगे हैं कि जब देश पर कोई संकट आता है तो बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने से पीछे नहीं हटना चाहिए। ये अपने आप को एम्बौडीमैंट आफ सैक्री–फाईसिज समझते हैं। अगर किसी का जीवन देखना है तो चौ. भजन लाल जी को देखो। ये अब कहते लग गए है कि पंजाब समस्या का एकमात्र समाधान यह है कि हरियाणा को पंजाब में मर्ज कर दो। जब हम यूनाइटिड पंजाब में थे तो उस समय भी पानी के बंटवारे के लिए चीखो–पुकार होती थी। उस समय हमारे साथ सौतेली मां जैसा व्यवहार हुआ करता था। डिप्टी स्पीकर साहब, इस समय हमारे बहुत पुराने कुछ साथी हाउस में बैठे हैं और कुछ गैलरी में बैठे हुए हैं। वे लगातार यह मांग करते थे कि हमें हमारा उचित हिस्सा मिले। उस समय वे बार–बार कहा करते थे कि हमारे साथ

सौतेली मां जैसा व्यवहार हो रहा है। उस समय प्रदेश के मुख्यमंत्री सरदार प्रताप सिंह कैरों थे और उस समय बाकायदा दो कमेटियां बनी थीं, एक हिन्दी रीजनल कमेटी और दूसरी पंजाबी रीजनल कमेटी और हिन्दी रीजन इसलिए बनाया गया था कि वहां पर भी पैसे खर्च किया जाए। पानी की डिस्ट्रिब्यूशन के लिए भी तीन कमेटियां बनी थीं। एक फूड कमेटी थी, दूसरी प. श्रीराम शर्मा के नाम से थी और तीसरी कमेटी श्री वाही, चीफ इंजीनियर के नाम से बनी थी। पहले भी हमें पानी कम मिलता था। उस कमेटी ने रिपोर्ट दी थी कि हरियाणा रिजन को कम पानी मिलता है, इनको पानी का हक मिलना चाहिए। मैं पूछना चाहता हूं कि जब यूनाइटिड पंजाब में कुछ नहीं मिलता था तो अब हरियाणा को पंजाब में मर्ज करवाने के बाद आपको कहां से पानी मिलेगा और कैसे पानी की इस समस्या का हल हो जाएगा?

चौ. भजन लाल: समाधान कैसे होगा, वह हम आपको बता देंगे।

श्री वीरेन्द्र सिंह: आप किस कैपिसिटी से यह ब्यान दे रहे हैं कि हरियाणा का पंजाब के साथ मर्जर कर दिया जाये। आप केवल श्री भजन लाल जी नहीं हैं। इस वक्त आप बदकिस्मती से यहां के मुख्यमंत्री हैं। अगर आपने ब्यान देना है और उस ब्यान की इम्पोटैंस देखनी है तो रिजाईन फर्स्ट, फिर ब्यान दीजिए, वरना आपका ब्यान नहीं माना जाएगा। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कांग्रेस पार्टी के मैम्बरान से कहना चाहता हूं कि वे बतायें कि क्या वे

मर्जर से मुत्तफिक हैं? बतायें चौ. शमशेर सिंह जी, क्या वे मर्जर के लिए मुत्तलिक है? हाउस में सब मन्त्रिगण बैठे है, चौ. इन्द्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह सुपुत्र चौ. बसी लाल बैठे हैं, ये बतायें कि क्यावे मर्जर के हक में हैं? जहां तक मेरी पार्टी का सवाल है, जो मैम्बर साहेबान विपक्ष में इधर बैठे हैं, वे हंडर्ड परसैंट मर्जर के खिलाफ हैं। इसके खिलाफ जितनी कुर्बानी हमसे दी जा सकेगी, हम देंगे और हरियाणा का मर्जर नहीं होने देंगे। (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, आपने घंटी बजा दी, मैं थोड़ी देर में बैठने वाला हूं। डिप्टी स्वीकर साहब, इन्होंने एस.वाई.एल. के बारे में फरमा दिया कि यह नहर दो सालों में पूरी कर देंगे। 31 दिसम्बर, 1981 के एग्रीमैंट के मुताबिक हमें जो पानी मिलता था, मुख्यमंत्री महोदय ने उस पानी को घटा दिया। फिर भी दीपावली मनाई गई, सारे हरियाणा में लाईट जलाई गई और कहा कि बड़ा भारी मोर्चा मार लिया इन्दिरा गांधी की बलैसिंग लेकर। इस मौके पर चौ. भजन लाल जी ने फरमाया कि एक साल में हरियाणा की चप्पा चप्पा भूमि को पानी पहुंच जाएगा और नहर खुद जायेगी। स्वर्गीय श्रीमती इन्दिरा गांधी खुद उद्घाटन करने के लिए आई थी। उद्घाटन किए हुए सन् 1984 गुजर गया और अब सन् 1985 में पहुंच गए, लेकिन अभी तक नहर का नामोनिशान तक नहीं है। डिप्टी स्पीकर साहब, यह जो एड्रैस गवर्नमैंट की तरफ से गवर्नर साहब ने पढ़ा है, यह नीरस है, गुमराह करने वाला है, इसलिए हम इसका समर्थन नहीं करते। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

मास्टर शिव प्रशाद (अम्बाला शहर): उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल के अभिभाशण पर जो बहस इस समय सदन में हो रही है, मैं भी अपने विचार प्रकट करने के लिए खड़ा हुआ हूं। सबसे पहले मैं स्वर्गीय श्रीमती इन्दिरा गांधी की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त करता हूं। इसका दुख केवल हम लोगों को ही नहीं, देश के हर एक व्यक्ति को है। इस देश की प्रधानमंत्री को जिस तरीके से मारा गया, इसका दुख देश के हर वासी को है। देखना यह है कि ऐसे हालात क्यों पैदा हुए और किस वजह से हुए।

श्री उपाध्यक्ष: मास्टर शिव प्रशाद जी, मैं आपको बता देता हूं कि स्पीकर साहब ने इस प्वायंट पर कल रूलिंग देनी है। इसलिए इस पर बात न करें तो अच्छा है।

मास्टर शिव प्रशाद: ठीक है जी। गवर्नर साहब ने अपने भाशण में शिक्षा पर बोलते हुए पृश्ठ 17 पर कहा है–

''शिक्षा किसी भी प्रगतिशील समाज की मूलभूत आवश्यकता है। मेरी सरकार शैक्षिक सुविधाएं लोगों को सुलभ कराने के लिए कदम उठा रही हैं। प्राथमिक मिडल और उच्च/उच्चतर माध्यमिक स्तरीय शैक्षिक सुविधाएं क्रमशः, 1, 2.2 और 2.85 किलोमीटर के घेरे में उपलब्ध करवा दी गई है। मेरी सरकार ने 6–14 वर्श आयु वर्ग में 85.5 प्रतिशत भर्ती करने में सफलता पाई है।

डिप्टी स्पीकर साहब, स्कूल की बिल्डिग्ज बना देने से शिक्षा का प्रसार होगा था विद्यार्थियों को लाभ होगा। ऐसी बात नहीं हैं। ऐसे बहुत से स्थान हैं जहां गावों में रहने वाले बच्चों को पांचवी कक्षा पास करने के बाद मिडल और हाई स्कूल की शिक्षा प्राप्त करने के लिए पांच–पांच, सात–सात किलोमीटर पैदल जाना पड़ता है। तीन–चार किलोमीटर जाना तो आम बात है। यही बात मैंने पिछले सैशन में कही थी और शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री के नोटिस में लाया था। हल्का कालका में एक गांव है खेतपराली। इस गांव से मिडल स्कूल साढ़े 4 किलोमीटर पड़ता है। मेरी सरकार से गुजारिश है कि इस प्राईमरी स्कूल को मिडल स्कूल बनाया जाए। इसके अलावा 7 प्राइमरी स्कूल हैं जिनके बच्चों को पांचवीं कक्षा पास करने के बाद 7 किलोमीटर दूर रम्बेवाली के हाई स्कूल में जाना पड़ता है। दस–दस, पन्द्रह–पन्द्रह बच्चे हाई स्कूल में जाने वाले होते हैं, 7 किलोमीटर की दूरी होने के कारण इनमें से एक–आध बच्चा ही जा पाता है। इस प्रकार की और भी बहुत सी जगहें होगी जिनमें इस प्रकार की कठिनाई का सामना करना पड़ता है। मैं मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से गुजारिश करूंगा कि कि वे डिपार्टमैंट के आफिसर साहेबान को हिदायत दे कि वे इस तरफ ध्यान दे कि जहां इस प्रकार की स्थिति हो, वहां प्राइमरी स्कूल को मिडल और मिडल स्कूल को हाई स्कूल बना दें। इसके साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि ठीक है, स्कूल बना दो लेकिन इसके बाद इसकी मेन्टेनैंस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। आज कई स्कूल ऐसी हालत में हैं जिनकारे बनाने

के बाद दोबारा देखने को समय ही नहीं निकाला जाता। आप स्कूलों की बिल्डिंग की छतों को देखें, वर्शा के दिनों में बच्चों को बैठने के लिए टाट भी मुयस्सर नहीं हैं। मिसाल के तौर पर मैं एक दो स्कूल बता देना चाहूंगा। अम्बाला शहर जो असैम्बली हल्का है, इसमें एक गांव है कुंडली। इस स्कूल की बिल्डिंग भी नहीं है। एक पुरानी धर्मशाला में बच्चे पढ़ते हैं। जब बच्चों को स्कूल का वातावरण ही नहीं मिलेगा, अध्यापक–अध्यापिकाओं को बैठने के लिए स्थान ठीक नहीं होगा, स्कूल के आसपास का वातावरण पढ़ाई के उपयुक्त नहीं होगा तो बच्चों की शिक्षा कैसे दी जा सकती है। इसी प्रकार का एक और स्कूल है जिसकी छत बरसात के दिनों में चोती है। बच्चों को बैठते के लिए जगह नहीं मिलती। सरकार को इस तरफ विशेश ध्यान देना चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहब, शिक्षा के बारे में कुछ बातें ऐसी हैं जिनके बारे में मैं कुछ सुझाव देना चाहूंगा। सरकार ने कालेजिज का एडमिनिस्ट्रेशन करने के लिए एक अलग डायरैक्टोरेट बनाया है जबकि कालेजिज की संख्या बहुत थोड़ी है और इसके दूसरी तरफ प्राइमरी से लेकर 10वीं तक के स्कूलों की संख्या बहुत भारी है। इतने स्कूलों को डिपार्टमैंट द्वारा कंट्रोल करना बड़ा मुश्किल है। इसलिए मेरा सुझाव है कि जिस तरीके से कालेजिज की तरक्की के लिए एक अलग डायरैक्टोरेट बनाया है, उसी प्रकार प्राइमरी शिक्षा के लिए एक अलग डायरैक्टोरेट बनाया जाना चाहिए ताकि प्राइमरी के बच्चों को प्राइमरी स्तर की शिक्षा

ठीक ढंग से दी जाए क्योंकि शिक्षा का बेस वही है जो प्राइमरी स्कूल के स्तर पर बच्चों का बन जाता है लेकिन इस तरफ ध्यान नहीं दिया जाता। दूसरी बात यह है कि इस डिपार्टमैंट के हर छोटे कर्मचारी को यह अहसास हो कि उसने प्रमोशन होती है, वह डिपार्टमैंटल प्रमोशन होनी चाहिये ताकि डिपार्टमैंट के हर छोटे कर्मचारी को यह अहसास हो कि उसने प्रमोशन लेकर डी.पी.आई. की पोस्ट तक जाना है। लेकिन ऐसा नहीं है। इनके ऊपर कोई आई.ए.एस. आफिसर बैइा दिया जाता है। पता नहीं वह 6 महीने डी.पी.आई. की पोस्ट पर रहेगा भी या नहीं रहेगा, इसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता और इसलिए वह व्यक्ति किसी भी योजना में कोई सुधार नहीं ला सकता। अगर उसी डिपार्टमैंट के किसी व्यक्ति की इस पोस्ट पर प्रमोशन हो जाती है तो डिपार्टमैंट के लिए भी और शिक्षा के प्रसार क लिए भी लाभदायक है। पिछले सैशन में मैंनें डी.ई.ओ. के बारे में एक सुझाव दिया था। एक डी. ई.ओ. के अंडर 60 स्कूल, किसी के अंडर 30 स्कूल, सिकी के अंडर 25 स्कूल होते हैं। स्कूलों की यह बांट ठीक नहीं है, यह एरिया के मुताबिक होनी चाहिए। इतना ज्यादा फर्क नहीं होना चाहिये। डी.ई.ओ. का सैन्टर भी उस एरिया के स्कूलों के बीच में होना चाहिये ताकि वह अपने केन्द्र से स्कूलों की इन्स्पैक्शन आसानी से कर सके और स्कूल की व्यवस्था ठीक रह सके। एक और महत्वपूर्ण बात है। गवर्नमैंट स्कूलों में जो अध्यापक हैं, उनके बारे में एक बहुत बड़ी समस्या डिपार्टमैंट के सामने हर साल आती है। वह है ट्रांसफर की समस्या। ट्रांस्फर्ज को कम करने के लिये

मेरा एक सुझाव है जो मैंने पहले भी दिया था और आज फिर दे रहा हूं। सुझाव यह है कि मान लो, मेरी एप्रोच है और एप्रोच के कारण में दस पन्द्रह सालों से शहर में बैठार हूं और इसके साथ ही मुझे सिटी अलाऊंस मिलता है। इसके दूसरी तरफ एक भाई जिसकी एप्रोच नहीं है, वह गांव में जायेगा लेकिन उसको सिटी अलाऊंस नहीं मिलेगा वह बस में बैठकर दो घंटे रोजाना आने जाने में खराब करता है। उसकी दौड़ धूप होती है। फाईनैशियल लौस जब होता है तो हर व्यक्ति सोचता है कि वह वहां जाएगा जहां फाईनैन्शियली फायदा हो। गांव में काम करने वाले अध्यापकों को इंसैटिव देने के लिए अगर विलेज अलांउस दे दिया जाए तो वे लोग ट्रांसफर के लिए नहीं सोचेंगे। ऐसा करने से एक बहुत बड़ा मसला हल हेा सकता है। उपाध्यक्ष महोदय, बोर्ड का जो रिजल्ट आता है उसमें हम कया देखते हैं? उस रिजल्ट में से अगर प्राईवेट स्कूलों का रिजल्ट निकाल दिया जाए तो बोर्ड का रिजल्ट कया रहेगा यह मुझे बताने की जरूरत नहीं है। हर मां बाप ज्यादा काम करने वाले बेटे का अधिक ध्यान रखत हैं लेकिन प्राईवेट स्कूलों के बारे में यह सरकार ऐसा नहीं कर रही है। प्राईवेट स्कूलों का रिजल्ट बढ़िया आता है लेकिन वहां काम करने वाले अध्यापकों केा गवर्नमैंट स्कूलों के अध्यापकों के बराबर फैसिलिटीज नहीं मिलती जबकि कोठारी कमीशन की सिफारिश है कि प्राईवेट स्कूलों के अध्यापकों को भी गवर्नमैंट स्कूलों के अध्यापकों के बराबर सहूलियतें मिलें। अब तक 21 के करीब डी.ए. की किस्तें अनांउस हो चुकी हैं लेकिन बड़े बड़े प्राईवेट स्कूलों के

अध्यापकों को भी अभी तक 11–12 किस्तों से ज्यादा नहीं मिल पाई हैं, छोटे प्राईवेट स्कूलों की तो बात ही क्या है। अब आप अन्दाजा लगाएं कि कितना अन्तर है? उपाध्यक्ष महोदय, गवर्नर ऐड्रैस में लड़कियों की शिक्षा के बारे में काफी चर्चा है। यह तो मुख्यमंत्री जी और शिक्षा मंत्री जी को पता होगा कि लड़कियों के स्कूलों का हमारे यहां क्या हाल है? (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी पार्टी की तरफ से पहला वक्ता हूं, कृपया इस बात का ख्याल रखें। अभी भी मैंने दूसरे विशयों पर भी बोलना है।

17.00 बजे

श्री उपाध्यक्षः मास्टर जी, केवल 15 मिनट का समय फिक्स किया गया है।

मास्टर शिव प्रशादः उपाध्यक्ष महोदय, अगर डा. मंगल सेन जी यहां होते तो वे ज्यादा समय लेते। वे चूंकि यहां नहीं हैं इसलिए मैं बोल रहा हूं।

श्री उपाध्यक्षः बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में डा. साहब ने 10 मिनट के समय को बढ़वा कर 15 मिनट करवाया था।

मास्टर शिव प्रसादः उपाध्यक्ष महोदय, प्राईवेट स्कूलों को सरकार ने 75 परसैंट ग्रांट दी है लेकिन मैं सुझाव देना चाहता हूं कि अगर 95 परसैंट ग्रांट दे दी जाए तो भी सरकार को कोई घाटा नहीं है। (विघ्न) आज प्राईवेट स्कूलों में जो फीस ली जा

रही है उसे यदि डी.ई.ओ. रैगुलेराइज कर दे तो 95 परसैंट ग्रांट देने से एक पैसा सरकार को अपने पास ले अधिक नहीं देना पड़ेगा। अम्बाला शहर के बारे में पहले भी मैंने एक सुझाव दिया था। वहां लड़कियों का एक हायर सैकेंडरी स्कूल है। लेकिन कोई कालेज नहीं है। बिल्डिंग बेकार पड़ी है। अगर गवर्नमैंट कालेज वहां बना दिया जाए तो बेहतर रहेगा। उपाध्यक्ष महोदय, बलदेव नगर कैम्प में एक को–ऐजुकेशन हाई स्कूल है। उसमें 1800 से ज्यादा बच्चे हैं। पिछले दिनों सड़क के ऊपर एक बच्चा मारा गया था। मैंने सुझाव दिया था कि बलदेव नगर कैम्प में जो प्राईमरी स्कूल है, जिसकी बिल्डिंग भी काफी बड़ी है, उसे यदि लड़कियों का मिडल स्कूल बना दें तो हाई स्कूल में लड़कियों की स्ट्रैंग्थ कम हो जाएगी और बच्चों की पढ़ाई भी ठीक चल सकेगी।

गवर्नर साहब के अभिभाशण में पीने के पानी मल निकास योजनाओं और शहर की डिवैल्पमैंट के बारे में भी कहा गया है। मुझे इसको पढ़कर हैरानी हुई क्योंकि वास्तव में आज हरियाणा के जो शहर हैं, वे गांव से भी बदतर होते जा रहे हैं। उनकी मेनटेनैंस यह सरकार नहीं कर पाती। शायद 31 अक्तूबर, 1979 को अम्बाला शहर में नहर का पानी लाने के लिये ऐस्टिमेंट पास हुआ था। आज साढ़े पांच वर्श के करीब हो गए हैं लेकिन एक भी टैंक मुकम्मल नहीं हो पाया। कोई पाईप लाईन नहीं बिछी और पानी को फिल्टर करने का इंतजाम नहीं हो पाया। आज वहां बुरा हाल है। पीने का पानी लेने के लिए सुबह 2.3 और 4 बजे

बड़ी बड़ी लम्बी लाईनें लगी होती है। उपाध्यक्ष महोदय, आप अन्दाजा लगाएं कि पीने का पानी जब सर्दी के दिनों में ही लोगों को नहीं मिला हो तो आने वाले गर्मी के दिनों में क्या स्थिति होगी। उपाध्यक्ष महोदय, यही नहीं, आज तक अम्बाला शहर से गन्दा पानी और बरसात का पानी निकालने की योजना इम्पलीमैंट नहीं हो पाई है। 1966 में जब हरियाणा बना था, उस समय वहां की म्युनिसिपल कमेटी पर जनसंघ का कब्जा था लेकिन यह कह कर कमेटी को तोड़ा गया था कि यह शहर सारे हिन्दुस्तान भर में गन्दा है, लेकिन आज 1985 है। उस समय से लेकर आज तक नगरपालिका के चुनाव नहीं हुए। आज शहर की स्थिति यह है कि किसी सड़क से आप चले जाएं, एक भी सड़क आपको साबत नहीं मिलेगी। नालों के किनारे से चले जाएं, कोई गन्दगी से भरा न हो ऐसा नाला आपको नहीं मिलेगा। आज अम्बाला शहर की बड़ी दुर्दशा है।

मुख्यमंत्री जी, शायद आपको याद होगा, आपने 11 या 12 फरवरी, 1980 को अम्बाला शहर में हस्पताल का शिलान्यास किया था। रेजिडैंशियल क्वार्टर्ज तो बन गए हैं लेकिन हस्पताल की बिल्डिंग की एक ईट भी नहीं लगाई गई है। लगभग 5 वर्श पूरे ही गए हैं। दूसरी जगहों पर जहां हस्पतालों का शिलान्यास बाद में हुआ था, वे मुकम्मल हो चुके हैं लेकिन अम्बाला शहर में जो एक डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर है हस्पताल की बिल्डिंग को एक भी ईट नहीं रखी गई। मुख्यमंत्री जी कृपया इस ओर ध्यान दें।

इसी तरह से मुख्यमंत्री जी, अब आप अम्बाला में मिनी सैक्रिटेरियेट का नींव पत्थर रखने गए थे तो आप ने कहा था कि बलदेव नगर कैम्प में, जो चण्डीगढ़ से दिल्ली जाते हुए अम्बाला से पहले रास्ते में आता है, मिनी बस अड्डा बनाया जाएगा लेकिन वह भी अभी तक नहीं बना। वह भी यदि शीघ्रातिशीघ्र बन जाए तो लोगों की दिक्कत दूर हो सकती है।

गवर्नर महोदय ने अपने अभिभाशण में बहुत सी बातें कहीं हैं। यह बात ठीक है कि सरकार ने कुछ योजनाएं ऐसी बनाई हैं जिनके तहत गरीब लोग भैंसे आदि खरीदने के लिए कर्जा ले सकते हैं। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय लोगों को न तो सही तरीक से लोन मिल रहा है और न ही उसकी रिकवरी हो रही है। मैंने पिछली बार भी यह बात कही थी कि कांग्रेस के एक वर्कर जागीर सिंह जी हैं। उन्होंने कबीर हैंडलूम के ना से काम करने के लिए हरियाणा फाईनैन्शियल कारपोरेशन से 70 हजार रूपये का लोन लिया था और अब वह इंट्रैस्ट मिलाकर डेढ़ लाख रूपये बन चुका है। कई बार इत्तलाह आने के बाद जब तहसीलदार ने उनको पकड़वाया तो दो तीन बार किसी से टैलीफोन चले गए और उसे छोड़ दिया गया और भी कई ऐसे केसिज होंगे लेकिन मैंने उदाहरण के तौर पर इस केस को बताया है। उपाध्यक्ष महोदय, यह भी देखने में आया है कि कुछ पैसा दे करके लोन ले लिया जाता है, लेकिन जिस काम के लिए वह लिया जाता है, उस काम पर खर्च नहीं होता। ऐसे लोग लोन वापस करने का इरादा भी

नहीं रखते। इसलिए मेरा सुझाव है कि सही आदमियों को बिना कोई पैसा खर्च किए लोन मिलना चाहिए और उसकी रिकवरी भी समय पर होनी चाहिए।

स्वच्छ प्रशासन के बारे में भी गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस में जिक्र किया है। उपाध्यक्ष महोदय, आप भली भांति जानते हैं कि जब कोई व्यक्ति किसी पौधे को लगाता है, उसे सींचता है, उसकी परवरिश करता है और पौधा जब बड़ा हो जाता है तो उसके फल भी चखता है। अगर उस आदमी को कहा जाए कि वह उस पौधे को उखाड़ दे तो वह उखाड़ नहीं सकता। यही बात मुख्यमंत्री चौ. भजन लाल जी पर लागू होती है। उपाध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा, आप तो उस समय सदन में नहीं थे, 1980 में श्री भजन लाल जी अपने सभी साथियों के साथ जनता पार्टी से कांग्रेस पार्टी में चले गये थे। सही तौर पर करप्शन वहीं से शुरू हुई। जिस पौधे को इन्होंने स्वयं लगाया हो, सींचा हो और जिसके फलों का आनन्द भी ये ले चुके हैं और ले रहे हैं, उस करप्शन को अब खत्म कर दिया जाएगा यह नामुमकिन सी बात होगी। किसी एक अफसर को बदल देने से करप्शन खत्म हो जाएगी, ऐसी बात नहीं है। करप्शन खत्म करने और स्वच्छ प्रशासन देने के लिए तो थोड़े सख्त कदम उठाने पडेंगे। यह काम इन्हें अपने से शुरू करना पडेगा, तब कहीं जाकर नीचे के कर्मचारियों पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

उपाध्यक्ष महोदय मैं एक बात और कहना चाहता हूं। सैन्ट्रल गवर्नमैंट की ओर से चण्डीगढ़ से जगाधरी तक के लिए रेलवे लाईन मंजूर की है और इसी तरह से चन्डीगढ़ से लुधियाना तक के लिये भी रेलवे लाईन मन्जूर हुई है। चन्डीगढ़ से लुधियाना तक जमीन ले ली गई है। अगर हरियाणा सरकार भी चन्डीगढ़ से जगाधरी तक रेलवे लाईन के लिए जमीन एक्वायर करके दे दे तो वहां पर रेलवे लाईन बन सकती है और लोगों को काफी सुविधा हो सकती है। एक बात और भी कहना चाहता हूं। हमारे यहां अम्बाला जिले में बरसाती नदियां हैं जो बहुत ज्यादा नुकसान करती हैं। यह नदियां लोगों की खेती तथा घरों तक को उजाड़ देती हैं। टांगरी और मारकण्डा नदियां अम्बाला जिले से गुजरती हैं लेकिन इनका पानी अम्बाला जिले के किसानों को नहीं मिलता। वह पानी तो आगे चला जाता है और हमारे जिले के लोगों हमारे जिले के लोगों का नुक्सान करता है। टांगरी नदी पर बान्ध बनाने की सरकार की योजना थी लेकिन अभी तक वह स्कीम कार्यान्वित नहीं हुई। अगर इस नदी पर बान्ध लगा कर उसके पानी को रोक दिया जाए तो अम्बाला जिले के लोगों को जो नुक्सान होता है, वह भी नहीं होगा और जो जमीन पानी के बिना प्यासी है, उसे भी पानी मिल जायेगा। अगर किसी जगह पर पीने के पानी की आवश्यकता है तो वह भी दिया जा सकता है। इस बारे में गवर्नर एड्रैस में कहीं भी जिक्र नहीं है। हर साल अभिभाशण पेश किया जाता है लेकिन अम्बाला जिले की डिवैल्पमैंट के बारे में कोई विशेश ध्यान नहीं दिया जाता। मैंने

यह सुझाव अम्बाला जिले के बारे में हरियाणा गवर्नमैंट के सामने इसलिये रखा है क्योंकि इसका अभिभाशण में कहीं भी जिक्र नहीं है। अम्बाला जिले के साथ सौतेली मां का सलूक होता है। जब कोई डिवैल्पमैंट का काम होना हो तो नहीं होता है। अम्बाला जिले को बिल्कुल इग्नोर किया जा रहा है। मेरा बोलने का मकसद यही है कि अम्बाला जिले की डिवैल्पमैंट की ओर सरकार ध्यान दें क्योंकि राज्यपाल महोदय ने अभिभाशण में इस जिले की डिवैल्पमैंट के बारे में कोई जिक्र नहीं किया है। इसीलिए मुझे यहां जिक्र करना पड़ा है। इन शब्दों के साथ मैं इस अभिभाशण का विरोध करता हूं।

चौ. रोशन लाल आर्य (छछरौली): आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय गवर्नर साहब ने जो अभिभाशण 6 मार्च को दिया, उसके ऊपर धन्यवाद का प्रस्ताव श्री ईश्वर सिंह जी की ओर से आया है। मैं इस धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। जो अभिभाशण सदन में पेश किया गया उसमें कहा गया है कि हमारा देश बहुत ही संक्रामक काल से गुजर रहा है। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य, श्री इन्द्र सिंह नैन, पदासीन हुए) सभापति महोदय, मैं तीसरे प्वायंट के विशय में एक छोटी सी बात कहना चाहूंगा। आज देश में इस किस्म की ताकतें बढ़ती जा रही हैं जिनके कारण किसी भी व्यक्ति का जान–माल सुरक्षित नहीं है यहां तक कि प्रधान मंत्री को मारकर विदेशी ताकतों ने यह दिखाने की कोशिश की है कि इस

देश को नश्ट करेंगे। लेकिन हमारे देश के लोगों ने इस बाम का सबूल दिया कि हम किसी भी साजिश केा ना–काम कर सकते हैं, किसी भी ाडयन्त्र को भांडा फोड़ सकते हैं। आज के दिन नई शक्ति, नई ताकत, एक नौजवान प्रधान मंत्री को दी है। (विघ्न) आप जो बातें कह रहे हैं ये प्राइमरी स्कूल के बच्चे भी नहीं करते। आपको कोई भी बात जिम्मेदारी से कहनी चाहिए। इस अभिभाशण में बहुत बड़ी बात कही गई है। हमारे पड़ौसी राज्य के बारे में आप सभी लोग जानते हैं कि वहां पर पिछले दिनों अशान्ति का वातावरण रहा, लेकिन हमारी सरकार ने बड़ी हिम्मत और बहादुरी के साथ अपने प्रान्त के वातावरण को ठीक रखा। आप इस बात पर सोचिए कि जब बराबर के मकान में आग लग रही हो और कोई व्यक्ति अपने घर में आग न लगने दे तो इससे बड़ी बहादुरी की मिसाल और क्या हो सकती है। (विघ्न) आप जो बात मेरे विशय में कह रहे हैं, यह कहने का आपको कोई हक नहीं है। फिर भी मैं आपके मन की बात को साफ कर देता हूं। हम लोग कांग्रेस में शामिल हुए। उसके तुरन्त बाद ही चुनाव हुए। मेरे अपने हल्के में 26 हजार वोटों से कांग्रेस के नुमायन्दे को लीड दी। उस लीड का कारण यह था कि जो मैंने कदम उठाया, उसको मेरे हल्के की जनता ने ठीक समझा। (विघ्न) आप लोगों के ठेकेदार क्यों बने हुए हो। मेरे हल्के में कोई भी लीडर गया हो तो बता दें। मेरे हल्के के लोगों ने एक मिसाल कायम की है।

चौ. बलवीर सिंह ग्रेवाल: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। सभापति जी, आनरेबल मैम्बर ने यह बताया कि मैंने अपने हल्के से 26 हजार वोटों से कांग्रेस को जिताया है। क्या वे इस कारण से ज्यादा पापुलर हो गये कि वे दल बदल कर आये थे?

चौ. रोशन लाल आर्य: सभापति जी, जिस तरीके से हमारे सारे देश में अहिंसा का जबरदस्त माहौल पैदा हुआ, उसके बाबजूद भी हमारे प्रदेश में शान्ति कायम रही और हरियाणा के अन्दर जो अल्पसंख्यक लोग थे, उन्हें सुरक्षा प्रदान की गई। इस पर हमारे विपक्ष के लोगों को सरकार का आभार प्रकट करन चाहिए। अगर नागरिकों की जान–माल सुरक्षित है, इसका आपको बुरा नहीं मानना चाहिए। आपको अच्छी बातों को मान लेना चाहिए।

इसके अलावा बहुत सी प्राकृतिक बाधायें भी हमारे विकास के कार्यो में आ रही हैं। जैसे भाखड़ा नहर के बारे में आप सभी लोग जानते हैं कि उसे दो बार तोड़ा गया लेकिन उसके बाद सरकार ने अपनी ओर से पूरा प्रबन्ध किया। आज भी हमारे प्रान्त में पानी का संकट है, चाहे नहर का पानी है, चाहे पीने का पानी है, इन समस्याओं का सरकार पूरी ताकत के साथ मुकाबला कर रही है और किया भी है। (विघ्न) सभापति जी, सन् 1984–85 का वर्श छठी पंचवर्शीय योजना का अन्तिम वर्श है। (विघ्न) सभापति जी, अब मुसीबत तो यह हो गई कि इन लोगों को मैं प्राइमरी क्लास से कैसे पढ़ाना शुरू करूं। (विघ्न)

श्री हीरा नन्द आर्य: आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। रोशन लाल आर्य जी दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की कर रहे हैं। (हंसी)

Mr. Chairman: Arya Sahib, you are speaking without permission of the Chair. Please sit down. आनरेबल मैम्बर साहब को बोलने दीजिए। आप शान्ति से सुनें।

चौ शमशेर सिंह सुरजेवाला: आन ए प्वायंट आर्डर, सर। चेयरमैन साहब, ये सब रोशन लाल आर्य जी से ईर्श्या कर रहे हैं क्योंकि इन लोगों को तो कांग्रेस में आने का मौका मिला नहीं, अब ये आ भी नहीं सकते क्योंकि एन्टी डिफैक्शन बिल पास हो चुका है। ये इसलिए इन्ट्रप्ट कर रहे हैं ताकि ये अपनी बात न कह सकें।

चौ. कुलबीर सिंह मलिक: आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। चेयरमैन साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि हाउस में राम भी है यानी कर्नल राम सिंह जी हैं। लक्षमण भी है क्योंकि श्री लछमन सिंह जी हैं और अब हनुमान जी भी आ गये। अब ये सीता को क्यों न ले आयें जिसको ये घपली कहते थे। (हंसी)

श्री सभापति: यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। कृपया आप बैठिए।

चौ. रोशन लाल आर्य: चौ. कुलबीर सिंह वाली बात के बारे में भी मैं बताऊंगा। सभापति जी अगली पंचवर्शीय योजना में

प्रावधान किया गया है कि पानी का प्रबन्ध पूरी तरह से किया जायेगा। हरियाणा जनता को गर्व करना चाहिए और प्रतिपक्ष के लोगों को ताइद करनी चाहिए कि सरकार ने विकास की योजनायें लागू की हैं। विपक्ष का फर्ज है कि सही काम का समर्थन करें और अपनी जिम्मेदारी को समझें। सरकार ने मेवात एरिया की डिवैल्पमैंट के लिए एक मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड बनाया है। मेरा कहना यह है कि हमारे प्रदेश में और भी ऐसे क्षेत्र हैं, जिनकी तरफ खास तवज्जह देने की आवश्यकता है। हमारे प्रदेश के विकास के कार्य का अगर आगे बढ़ाना है तो उनकी तरफ भी ध्यान देना आवश्यक हे। मेरे जिले में एक घाड़ का इलाका है चेयरमैन साहब, मैं आपके द्वारा मुख्यमंत्री महोदय का ध्यान इस बात की ओर आकर्शित करना चाहूंगा कि बहुत से लोग जो अम्बाला जिले की सब–माऊंटेनियस बैल्ट में रहते हैं, ये बरसात के दिनों में, गर्मी और सर्दी के दिनों में बहुत परेशान होते हैं। वे बेचारे झोंपड़ियों में रहते हैं। उनको बहुत ज्यादा कश्ट उठाना पड़ता है, आप लोगों ने अखबार में भी पढ़ा होगा। नारायणगढ़ से लेकर छछरौली तक की बैल्ट जिसमें सढ़ौरा भी आता है, वहां पर झोंपड़ियों में रहने वाले ऐसे लोग हैं जिनकी झोपड़ियां बरसात के दिनों में बह जाती हैं। गर्मियों के दिनों में वह झोंपड़ियां भट्टी की तरह गर्म हो जाती हैं। इसलिए मेरा कहना यह है कि उनक लिए भी मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड की तरह से कोई संस्था बना दी जाये ताकि उस बैल्ट का विकास हो सके। अगर सरकार चाहे तो हाउसिंग बोर्ड वहां पर कालोनियां बना सकता है। कोई न कोई

ऐसी व्यवस्था की जाये जिस के तहत वहां के पिछड़े और कमजोर वर्ग के लोगों के रहते की ठीक से व्यवस्था हो सके। (व्यवधान व शोर)

बैठक का स्थगन

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। चेयरमैन साहब, मैं आपसे यह रिक्वैस्ट करूंगा कि सदन के माननीय सदस्यों के कहिये कि मेहरबानी करके जरा शान्ति से सुनें। जब ये बोलते हैं तो हमारी तरफ से कोई सदस्य बोलता नहीं है। (व्यवधान व शोर)

श्री वीरेन्द्र सिंह: * * * * (व्यवधान व शोर)

चौ. भजन लाल: जब आप गलत बोलते हैं तब। (व्यवधान व शोर) चेयरमैन साहब, आप से प्रार्थना यह है कि यह सदन है। (व्यवधान व शोर) यह कोई स्कूल नहीं है। * * * * लोगों ने आप को चुनकर भेजा है। सारा प्रदेश आपकी तरफ देख रहा है। (व्यवधान व शोर) (चौ. धीरपाल सिंह की ओर से व्यवधान) * * * * (व्यवधान व शोर)

चौ. बलवीर सिंह ग्रेवाल: * * * *

चौ. भजन लाल: तुम्हारा यह क्या तरीका है, बीच में बोलते हैं। इस तरह से क्या बोलना चाहिये? (व्यवधान व शोर)

आप बैठ जाइये। आप मेहरबानी करके बैठ जाइये। मैं प्वायंट आफ आर्डर पर खड़ा हूं। हाउस को हाउस समझें।

(इस समय बहुत से माननीय सदस्य एक साथ बोलने लग गये।)

Mr. Chairman: Please sit down. (Interruptions). I say please sit down.

चौ. बलवीर सिंह ग्रेवाल: * * * * (व्यवधान व शोर)

श्रीमती चन्द्रावती: आप इस तरह से कैसे एक मैम्बर को धमका सकते हैं। * * * * (व्यवधान व शोर)

श्री सभापति: आप बैठिये। सब बैठिये। (व्यवधान व शोर)

चौ. भजन लाल: * * * * (व्यवधान व शोर) क्या बोलते हैं, इन्होंने हाउस को मजाक बना रखा है।

(At this stage, Mr. Speaker occupied the Chair.)

Mr. Speaker: Please sit down. I say sit down.

श्रीमती चन्द्रावती: * * * * (व्यवधान व शोर)

श्री अध्यक्ष: चौ. धीरपाल सिंह जी, बैठिये, मिस्टर हुड्डा, बैठिये। निर्मल सिंह आप भी बैठिये। सारे बैठिये। (व्यवधान व शोर)

The House is adjourned for 10 minutes.

(That House adjourned for 10 minutes at 5.24 p.m. and re-assembled at 5.34 p.m.)

श्री अध्यक्ष: मैं हाउस को और दस मिनअ के लिए एडजर्न करता हूं।

The House again adjourned for 10 minutes at 5.40 p.m. and re-assmbled at 5.44 p.m.)

प्वायंट आफ आर्डर –

सदन के किसी सदस्य द्वारा किसी अन्य सदस्य को सदन में धमकी देने या धमकाने सम्बन्धी

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर सर, बात यह है कि जिस ढंग से मुख्यमंत्री जी ने धमकी दी है उसके लिये उनको इस हाउस में सामने माफी मांगनी चाहिये। जो उनका यहां बोलने का ढंग था, ऐसा मैंने अपनी जिन्दगी में कभी नहीं देखा। मेरी आप से प्रार्थना यह है कि आप मुख्यमंत्री जी से कहें कि वे जैसचर दिखाकर हाउस के सामने माफी मांगे। एक आनरेबल मैम्बर को धमकी देना, मुख्यमंत्री जी को शोभा नहीं देता, यह कोई अच्छी बात नहीं है। ऐसा करने से हाउस की कोई गरिमा नहीं रहती, हाउस का कोई स्टैंडर्ड नहीं रहता। यह कोई अच्छी रिवायात नहीं है, कोई अच्छी कन्वैन्शान नहीं है। उनके मन में जो आता है खड़े होकर कह देते हैं। स्पीकर सर, जो बातें उन्होंने कही हैं, वे बड़ी औबजैक्शनेबल

है, इसलिये उनको इस हाउस से माफी मांगनी चाहिये। स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग भी चाहती हूं कि क्या वे इस तरह कह सकते हैं?

श्री अध्यक्ष: मैं इस पर सोचकर @रूलिंग दूंगा।

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, जिस वक्त यह घटना घटी, उस वक्त मैं हाउस में नहीं था। मुख्यमंत्री महोदय को जब कभी इनके दल बदल की बात कही जाए तो झट से ये उन नेताओं का नाम ले देंगे जो नेता सदन में उपस्थित नहीं हैं। स्पीकर साहब, आपकी इस बारे में कई बार रूलिंग भी आई है कि जो व्यक्ति यहां उपस्थित न हों, उसके बारे में कुछ भी न कहा जाए। कई बार आप अधिकारियों के बारे में भी रोक देते हैं कि जो भाई एच.सी.एस. अफसर हैं, आई.ए.एस. अफसर हैं, इम्पलाई हैं, वे अपने आप को हाउस में डिफैन्ड नहीं कर सकते, इसलिए उनके बारे में कुछ मत कहिये। इन्होंने पार्टी के नेताओं पर झटपटी मुहारनी रटी हुई है, जैसे चौपाल पर खड़े होकर कह दिया वैसे ही यहां पर कह दिया। स्पीकर साहब, आप भी थोड़ा–सा इनको समझाइए, वैसे तो यह आप के काबू में भी नहीं आने वाले।

श्री अध्यक्ष: मैं तो सबको समझाने की कोशिश कर रहा हूं।

श्री मंगल सैन: मगर इनको ज्यादा समझाइये।

श्री अध्यक्ष: सबको समझाऊंगा।

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं भी एक मिनट लूंगा। बहन चन्द्रावती जी ने और डाक्टर मंगल सैन जी ने भी कुछ कहा। प्रचार करने के लिए तो यह बहुत अच्छी बात है लेकिन कम से कम इन पर ये मेहरबानी करके अमल करके तो दिखायें? हमें हाउस की मर्यादा को कायम रखना चाहिए। डाक्टर साहब, आप तो हाउस में थे ही नहीं, अब आये हैं। आपको उस बात का पता ही नहीं है। मैं इतनी बात कह सकता हूं कि ज्यों ही रोशन लाल आर्य जी बोलने के लिये खड़े हुये तो इन्होंने उनका एक शब्द भी पल्ले नहीं पड़ने दिया कि वे क्या कह रहें है। 10 मैम्बर साहेबान उधर की साईड से बोल रहे थे।

श्रीमती चन्द्रावती: आपकी साईड से भी तो बोलते रहते हैं।

चौ. भजन लाल: हमारी तरफ से कोई नहीं बोल रहा था। कम से कम 10 मैम्बर आपकी तरफ से भी बोल रहे थे। पहले आप आर्य साहब की बात सुनिये। कोई बात कहनी हो तो बात में उसका जवाब दीजिये। जब आप बोल रहे थे तो हमने आपकी बातों को शान्ति से सुना। जब हमें कहने का मौका मिलेगा तो हम बताएंगे और पूरा जवाब भी देंगे। चौ. वीरेन्द्र सिंह जी ने बड़ी ही बेबुनियाद बातें कहीं, फिर भी हमने उनकी बातों की शांति से सुना। मैंने उनको कहा था कि बातें कहीं, फिर भी हमने उनकी

बातों को शान्ति से सुना। मैंने उनको कहा था कि हम जब बाद में जवाब देंगे तो आपको भी हमारी बातें सुननी पड़ेगी। जब हमें मौका मिलेगा, हम बताएंगे लेकिन यह कोई तरीका नहीं है कि बीच में ही एक आदमी को टोकते रहें। स्पीकर साहब, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं और साथ ही इस सदन से आपके द्वारा प्रार्थना करना चाहता हूं कि इस हाउस की मर्यादा को कायम रखा जाना चाहिये। आप डेढ़ दो लाख लोगों के नुमांइदे यहां पर चुनकर आये हुए हैं। लोग आपको यहां पर देख रहे हैं, वे लोग क्या कहते होंगे? अगर हमारा ऐसा ही किरदार रहेगा तो लोग क्या कहेंगे? (शोर)

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, जहां पब्लिक मीटिंग में कहीं डेमोक्रेसी और असूलपरस्ती का मामला आता है, वहां पर हरियाणा का जिक्र अवश्य आता है।

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री महोदय ने कई बातें कहीं और डैकोरम की बात भी कही। बड़े अफसोस की बात है, स्पीकर साहब, आप तो उठकर चले गये थे और डिप्टी स्पीकर साहब यहां पर आसीन थे। जब मैं बोल रहा था, उस वक्त चौ. भजन लाल जी को मिर्चे लग गयीं, वे एक दम खड़े हुए। (शोर) मैंने कहा साहब, मैं अपनी बात कर रहा हूं। आपको जवाब देने का मौका मिलेगा। आपने यह डिबेट वाईड अप करनी है लेकिन ये नहीं माने। फिर चौ. शमशेर सिंह जी खड़े हो गये और मुझे 10 मिनट तक इंट्रप्ट किया। उसके बाद भले राम जी, जोकि

मेरे बहुत अच्छे मित्र हुआ करते थे। उनको भी आज जोश आ गया, मैरी तरफ बढ़ते आए, अगर ये दो तीन मैम्बर न होते तो पता नहीं क्या होता। (विघ्न व शोर)

श्री अध्यक्ष: प्लीज सीट डाऊन। वह बात हो गई है। I have already requested you to please close the matter and let us start with the business now.

श्री वीरेन्द्र सिंह: यह जो थ्रैटनिंग टोन है that is very serious. He is leader of the House. He is the Chief Minister of Haryana. इनकी तरह से किसी मैम्बर को थ्रैटनिंग टोन हो तो वह आम मैम्बर जैसी नहीं मानी जाएगी बल्कि वह चीफ मिनिस्टर की तरफ से मानी जाएगी।

चौ. भजन लाल: यह तो मैंने मुख्यमंत्री के नाते सुन लिया, अगर कोई मुझे भजन लाल के नाते से कह दे तो मैं भी जवाब दे सकता हूं। (शोर व व्यवधान)

Sh. Verender Singh: He will not listen to you Sir, even now. इनकी तरफ से जो थ्रैटनिंग टोन था क्या यह मुख्यमंत्री की ओर से नहीं था?

श्री अध्यक्ष: मैंने आप लोगों को कल को इसलिए बुलाया है कि इस पर सारा सोच विचार करेंगे। Now let us start with the business.

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है।

Mr. Speaker: No point of order. Please sit down.

श्री राम बिलास शर्मा: * * * *

श्री अध्यक्ष: मेरी इजाजत के बगैर जो कुछ बोला जाएगा, वह रिकार्ड पर नहीं आएगा।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौ. रोशन लाल आर्य: स्पीकर साहब, मैं धन्यवाद प्रस्ताव पर बोल रहा था और बीच में कई सदस्य खड़े हो गए। (शोर)

श्री हीरा नन्द आर्य: * * * *

श्री अध्यक्ष: यह कोई प्वांयट आफ आर्डर नहीं है और यह रिकार्ड पर नहीं आएगा। (शोर)

(इस समय विपक्ष के सभी सदस्य खड़े होकर बोलने लग गए और सदन में बहुत शोर था)

चौ. रोशन लाल आर्य: स्पीकर साहब, अभी विधान सभा के उप–चुनावों में इनकी बहुत पिटाई हुई है। मैं इनसे प्रार्थना करूंगा कि ये घींगा मस्ती न करें। (शोर)

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। स्पीकर साहब, किसी मैम्बर की तरफ, अगर मुख्यमंत्री जी का एटीच्यूड धमकी भरा हो और किसी को पिस्तौल दिखाये तो क्या यह उचित बात है?

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): चीफ मिनिस्टर बनने का मतलब यह नहीं कि मैं किसी से गालियां लूं। मैं भी गाली देना जानता हूं। (शोर)

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, हम इस तरह की भाशा नहीं सुनेंगे। (शोर)

श्री अध्यक्ष: मैंने बार बार कहा है कि हम कल को इस बारे में बात करेंगे। सभी मैम्बर साहेबान को यह बात माननी चाहिए। (शोर)

एक आवाज: आप चीफ मिनिस्टर को समझाएं, इन्होंने अभी अभी क्या कहा है।

श्री अध्यक्ष: इन्होंने यही कहा है कि अगर कोई गाली देगा तो उसका जवाब तो देना ही पड़ेगा।

श्रीमती चन्द्रावती: आप किसी को गाली देने की इजाजत कैसे देंगे? (शोर)

श्री अध्यक्ष: मैं किसी को गाली देने की इजाजत नहीं देता। (शोर) आर्य जी आप बोलें।

चौ. रोशन लाल आर्य: स्पीकर साहब, अभी जो सरकार ने सिंचाई व्यवस्था का प्रबन्ध किया है, उस विशय में मैं एक और सुझाव देना चाहता हूं। हमारे यहां ताजेवाला से सिंचाई होती है जोकि एक सब–मौनटेनियस बैल्ट है। (शोर)

(इस समय भी विपक्ष के सदस्य खड़े होकर बोल रहे थे और सदन में बहुत शोर था)

***17.56 बजे**

Mr. Speaker: I think the Hon'ble Members are not in a mood to hear. I, therefore adjourn the House till 9.30 a.m. tomorrow.

(The Sabha then *adjourned till 9.30 a.m. tommorrow, the 12th March, 1985.)